आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, सोमवार
12 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 159
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

देश की सुरक्षा में बड़ा कदम, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस सुविधा का किया उद्घाटन

झारखंड

कुड़मी लड़की को प्रलोभन देकर अनैतिक रूप से धर्मांतरण, सामाजिक अस्मिता पर हमला -अजीत प्रसाद महतो

हजारीबाग

हजारीबाग में इतिहास रचता शतरंज, तृतीय एचडीसीए ऑल इंडिया ओपन फाइड रेटिंग टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

4 दिनों तक चले ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान में भारी तबाही, भारत का पलड़ा भारी

दिल्ली ब्यूरो

दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले तेज सैन्य टकराव के बाद हुए युद्धविराम ने फिलहाल दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों को एक व्यापक युद्ध की कगार से पीछे खींच लिया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत द्वारा 7 मई को आतंकियों के खिलाफ शुरू किए गए जवाबी हमलों के बाद दोनों देशों के बीच मिसाइल, ड्रोन, लड़ाकू विमानों और आर्टिलरी के जरिये बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई हुई। हालांकि एलओसी पर पाकिस्तान द्वारा युद्धविराम उल्लंघन की खबरें आ रही हैं, लेकिन कागजी तौर पर यह समझौता तनाव को थामने में सफल रहा है।

रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की आतंकवादी संरचनाओं, वायुसेना ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को गहरे झटके दिए हैं। वहीं पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई को भारतीय सेना ने बड़ी हद तक निष्फल कर दिया।

पाकिस्तान को भारी नुकसान : ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई को तड़के हुई थी। भारत ने 26 मिनट के भीतर पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) में 9 आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर लगभग 100 आतंकियों को मार गिराया। ये शिविर खुफिया सूचनाओं के आधार पर चुने गए थे, जो कई वर्षों से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने में सक्रिय थे।

इनमें से 5 ठिकाने एलओसी से 9 से 30 किलोमीटर भीतर PoK में थे, जबकि बाकी 6 से 100 किलोमीटर दूर पाकिस्तान के भीतर स्थित थे। हमलों में राफेल लड़ाकू विमानों से लॉन्च किए गए स्कैल्प क्रूज मिसाइल, हैमर स्मार्ट हथियार, M777 हॉवित्जर से दागे गए एक्सकैलिबर गोला और कामिकाजे ड्रोन (लोइटरिंग म्यूनिशन) शामिल थे।

10 मई की रात सबस भीषण हमला : सबसे बड़ा नुकसान पाकिस्तान को 10 मई की रात झेलना पड़ा जब भारतीय वायुसेना ने रफीकी, मुरिद, चकलाला, रहीम यार खान, सुक्कुर, चूनियां, पसरूर और सियालकोट में आठ सैन्य ठिकानों पर हमला किया। ये हमले रातभर चले और इनमें पाकिस्तान की रडार इकाइयों, गोला-बारूद भंडार, कमांड सेंटर्स और तकनीकी संरचनाओं को ध्वस्त किया गया।

पाक सेना की जवाबी कोशिशें बेकार : 8-9 मई की रात पाकिस्तान ने 300-400 तुर्की निर्मित सोंगर सशस्त्र ड्रोन से भारत के 36 स्थानों पर हमला करने की कोशिश की, जिसमें लद्दाख से लेकर गुजरात के सिर क्रीक तक के ठिकाने शामिल थे। लेकिन अधिकतर ड्रोन भारतीय सेना द्वारा मार गिराए गए। इसके बाद अगले दिन पाकिस्तान ने 26 और ठिकानों पर ड्रोन हमले किए, जिन्हें भारत ने अपने एयर डिफेंस से निष्फल किया।

पाकिस्तान के एयर डिफेंस को भारी क्षति : पाकिस्तान ने जवाब में उत्तर और पश्चिम भारत के 15 शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने मिसाइलों और ड्रोन हमलों को विफल कर दिया। इसके बाद भारत ने लाहौर और कराची समेत कई स्थानों पर पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणालियों को तबाह कर दिया। भारतीय सेना ने इन हमलों के दौरान स-400, आकाश और बराक-8 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों के अलावा अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन तकनीक का उपयोग किया। रडार और कमांड सेंटर की नेटवर्क प्रणाली से खतरों की पहचान कर त्वरित प्रतिक्रिया दी गई।

पाक की सैन्य क्षमता को करारा झटका

भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा, स्कर्दू, सर्गोधा, जैकोबाबाद और भोलेरी जैसे महत्वपूर्ण एयरबेसों को भारी नुकसान पहुंचा है। रडार और वायु रक्षा हथियारों की क्षति से पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली पूरी तरह निष्क्रिय हो चुकी है। उन्होंने कहा कि एलओसी के पार भी सैन्य ढांचे, लॉजिस्टिक्स और नियंत्रण केंद्रों को सटीक तरीके से निशाना बनाया गया, जिससे पाकिस्तान की न तो रक्षा और न ही आक्रामक क्षमताएं प्रभावी रह गईं।

पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद शनिवार को दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति बन गई। अब भारत ने बताया है कि सीजफायर समझौते के लिए भारत द्वारा किए गए हवाई हमले टर्निंग पॉइंट साबित हुए। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कई आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के अलावा 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया। भारत की इस कार्रवाई से बौखला कर पाकिस्तान ने सीमा से सटे भारत के कई क्षेत्रों में गोलीबारी के अलावा मिसाइल और ड्रोन हमले की कोशिश भी की। हालांकि भारत ने इन सभी हमलों को नाकाम करते हुए पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया।

आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर फिर सीजफायर...

कांग्रेस ने विशेष सत्र बुलाने की मांग की

दिल्ली ब्यूरो

दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग दोहराया है. उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है. कांग्रेस ने विस्तृत चर्चा के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक की मांग भी की है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सरकार से कई सवाल पूछे. उन्होंने सवाल किए कि क्या नयी दिल्ली ने भारत एवं पाकिस्तान के बीच तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के लिए दरवाजे खोले हैं और क्या पाकिस्तान के साथ कूटनीतिक माध्यम खोले गए हैं. रमेश की यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक सीमा पार से जारी रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद शनिवार को तत्काल प्रभाव से जमीन, हवा और समुद्र पर सभी गोलेबारी और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति बनने के आई.

जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद के लिए तटस्थ मंच का उल्लेख अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा किया जाना कई सवाल खड़े करता है. रमेश ने कहा, क्या हमने शिमला समझौते को छोड़ दिया है? क्या हमने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए दरवाजे खोल दिए हैं? उन्होंने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस यह पूछना चाहती है कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक चैनल दोबारा खोले जा रहे हैं? हमने पाकिस्तान से कौन सी प्रतिबद्धताएं मांगी हैं और हमें क्या मिला है?

कांग्रेस नेता रमेश ने भारत और पाकिस्तान के बीच बनी सहमति पर दो पूर्व सेना प्रमुखों वी पी मलिक एवं मनोज नरवणे की कथित टिप्पणियों का भी उल्लेख किया और कहा कि इन टिप्पणियों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वयं जवाब देना चाहिए. उन्होंने कहा, अंत में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मानती है कि इस समय देश का (पूर्व प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी जी की असाधारण साहसिक और दृढ़ नेतृत्व क्षमता को याद करना स्वाभाविक है जो उन्होंने 1971 में प्रदर्शित की थी.

गजवा-ए-हिंद का नारा देने वाले युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल कर भारत विरोधी नारे लगाने वाले एक युवक को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रांची के रहने वाले फरहान मलिक नाम के इस युवक ने इंस्ट्राग्राम में गजवा-ए-हिंद का नारा लगाया था। भारतीय सेना के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और आतंकी संगठन के नारे और झंडे का इस्तेमाल किया था। रांची से बीजेपी विधायक सीपी सिंह ने इसकी तस्वीर और डिटेल सोशल मीडिया पर शेयर कर रांची पुलिस से इसे गिरफ्तार करने और इसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। सीपी सिंह के पोस्ट करने के एक घंटे के अंदर ही रांची पुलिस ने फरहान मलिक नाम के युवक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

बीजेपी विधायक सीपी सिंह ने इस युवक की तस्वीर और उसके पोस्ट को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए झारखंड पुलिस और रांची पुलिस को टैग किया। उन्होंने लिखा था- फरहान मलिक, रांची निवासी ने अपने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें साझा की हैं, वे बेहद भड़काने वाली एवं राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की संप्रभुता से जुड़ा है। इंस्टाग्राम पर ग़ज़वा-ए-हिंद का नारा, भारतीय सेना का अपमान, और सबसे गंभीर उसने वह झंडा साझा किया है, जो आईएसआईएस, तालिबान, अल-कायदा जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों की पहचान है।

सीपी सिंह ने लिखा- 'यह न केवल खुला राष्ट्रद्रोह है, बल्कि एक आतंकवादी मानसिकता का स्पष्ट संकेत भी है। यह मामला केवल एक युवक का नहीं, बल्कि उस ज़हरीली विचारधारा को दर्शाता है जो कुछ मौलानाओं और मदरसों के माध्यम से युवाओं के मन में भरी जा रही है। समय है कि इस युवक को तुरंत गिरफ़्तार कर पूरी गहराई से जांच हो, कहीं यह किसी बड़े आतंकी नेटवर्क से तो नहीं जुड़ा हुआ है? ऐसी सोच, ऐसे इरादे और ऐसे लोगों को अगर आज सबक नहीं सिखाया गया, तो कल यह बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। देश को बचाना है, तो कठोर कदम अभी उठाने होंगे।'

ईडी की जांच में 133 एकड़ जमीन पर दावे से संबंधित दस्तावेज फर्जी पायी गयी

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: ईडी की जांच में बोकारो की 133.64 एकड़ जमीन पर दावेदारी से संबंधित दस्तावेज फर्जी पायी गयी है. इस जमीन पर इजहार हुसैन व अख्तर हुसैन ने अपने पूर्वजों द्वारा ब्रिटिश राज के दौरान नीलामी में खरीदे जाने का दावा किया गया था. इसमें से अब तक 74 एकड़ से अधिक जमीन बिक चुकी है. जिला प्रशासन द्वारा जारी जांच के दौरान भी पुरूलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में नीलामी से जुड़े दस्तावेज के नहीं होने की लिखित सूचना दी थी.

इजहार हुसैन ने बोकारो जिले के चास अंचल की जमीन पर अपना दावा पेश करने के लिए दो दस्तावेज का सहारा लिया था. इसमें पहला दस्तावेज पुरुलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय से जारी डीड संख्या 191और दूसरा दस्तावेज समीर महतो का वसीयतनामा है.

पुरुलिया रजिस्ट्री कार्यालय से जारी सेल डीड संख्या 191 में इस बात का उल्लेख किया गया है कि समीर महतो ने यह तेतुलिया की 133.64 एकड़ जमीन वर्ष 1933 में नीलामी में खरीदी. वर्ष 2010 में समीर महतो के वसीयतनामे में इस बात का उल्लेख किया गया है समीर महतो ने अपने बेरोजगार पोता इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन को नीलामी में खरीदी गयी 133.64 एकड़ जमीन देने का फैसला किया.

इजहार हुसैन ने इस दस्तावेज के सहारे जमीन पर अपना दावा पेश किया. चास के तत्कालीन अंचल अधिकारी निर्मल टोप्पो ने इसे स्वीकार करते हुए इजहार व अख्तर हुसैन के नाम पर म्यूटेशन कर दिया. इस गड़बड़ी के आरोप में निर्मल टोप्पो बर्खास्त हो चुके हैं.

ईडी ने बोकारो जिले में हुई इस जमीन घोटाले की जांच के दौरान जमीन की खरीद बिक्री करने वालों के अलावा जमीन खरीदने के लिए फंडिंग करने वालों के ठिकानों पर छापा मारा. छापेमारी के दौरान बांका के बीर अग्रवाल के ठिकाने से 1.30 करोड़ रुपये जब्त किये गये.

राजबीर कंस्ट्रक्शन के निदेशक को जमीन खरीदने के लिए फंड उपलब्ध कराने की पुष्टि हुई. ईडी ने छापेमारी के अलावा इजहार हुसैन के दावे से जुड़े दस्तावेज की जांच के लिए कोलकाता स्थित रजिस्ट्री कार्यालय मे पीएमएलए की धारा 16 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सर्वे किया.

सर्वे के दौरान जब्त किये गये दस्तावेज और अधिकारियों से हुई पूछताछ के दौरान पुरुलिया रिजस्ट्री कार्यालय से वर्ष 1933 में जारी डीड संख्या 191 को फर्जी पाया गया.

बोकारो में दिनदहाड़े 80 साल के बुजुर्ग की हत्या

क्राइम संवाददाता द्वारा

बोकारो। बोकारो की रिहायशी कॉलोनी बीएस सिटी थाना क्षेत्र की को-ऑपरेटिव कॉलोनी (आवास संख्या 192ए) में रविवार को दिनदहाड़े अपराधियों ने 80 वर्षीय बुजुर्ग कालिका राय की चाकू से गोदकर हत्या कर दी. मृतक बीएसएल के जीएम (एसआइजीएस) विनय सिंह के पिता थे. आवास से बाहर खून बहने पर पड़ोसियों को दोपहर तीन बजे के बाद इसकी जानकारी मिली. पड़ोसियों की सूचना पर सिटी डीएसपी आलोक रंजन के साथ बीएस सिटी थाना की टीम पहुंची. पुलिस ने फॉरेंसिक, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, डॉक स्क्वॉयड के सहारे जांच शुरू कर दी है. सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है. फिलहाल हत्या करनेवालों का सुराग पुलिस को नहीं मिला है. घर के अंदर की स्थिति का मुआयना पुलिस कर रही है. मृतक के तीनों पुत्रों को वारदात की जानकारी दे दी गयी है.

सरकार सरना कोड शीघ्र लागू करें: धर्मगुरु

विशेष संवाददाता द्वारा

खूंटी। सरना धर्म सोतोः समिति की ओर से मुरहू के डौगड़ा शाखा का 15वां स्थापना दिवस पर आयोजित दो दिवसीय सरना धर्म प्रार्थना सभा रविवार को संपन्न हुई. धर्मगुरु सोमा कंडीर, धर्मगुरु बगरय मुंडा व धर्मगुरु भैयाराम ओड़ेया की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिंगबोंगा की पूजा की. उन्होंने देश में सुख-शांति के साथ-साथ समाज में खुशहाली की कामना की. मुख्य अतिथि धर्मगुरु बंधन तिग्गा ने कहा कि सरना प्रकृति पर आधारित मानव सभ्यता का सबसे प्राचीन धर्म है. सरना ही सभी धर्मों का आधार है. सरना धर्म पर लाखों लोगों की धार्मिक आस्था और विश्वास है, लेकिन राजनीतिक के कारण सरकार सरना धर्म कोड व आदिवासी अधिकारों के प्रति उदासीन है. सरना धर्म कोड के अभाव के कारण न केवल सरना धार्मिक और सामाजिक एकता टूटी है बल्कि हम धर्मांतरण जैसे असहाय पीड़ा वर्षों से झेलने को विवश हैं. सरकार से मांग करते हैं कि सरना समाज व संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए सरना धर्म कोड यथाशीघ्र लागू करें. विशिष्ट अतिथि परमेश्वर सिंह मुंडारी ने कहा कि सिंगबोंगा सरना धर्मावलंबी के जीवन में खुशहाली और तरक्की लाता है. हमें जीवन को खुशहाली लाने के लिए हमेशा धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए. सरना धर्म में अच्छाई, सच्चाई, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा आज भी झलकती है.

सीसीएल की चंद्रगुप्त परियोजना की 417 एकड़ वन भूमि का रिकॉर्ड गायब

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रांची। सीसीएल की चंद्रगुप्त ओसीपी कोल परियोजना के जमीन अधिग्रहण को लेकर 417 एकड़ वन भूमि का रिकॉर्ड गायब कर दिया गया. जमीन आवंटन में दस्तावेजों में भारी छेड़छाड़ की गयी है. इसकी शिकायत राज्य के डीजीपी समेत भारत सरकार और झारखंड सरकार से की गई है. जानकारी के मुताबिक डीजीपी ने सीआईडी को जांच जिम्मा दे दिया है. यह शिकायत हजारीबाग के बड़कागांव निवासी मंटू सोनी के द्वारा की गई है.

उल्लेखनीय है कि हजारीबाग और चतरा जिला में सीसीएल के चन्द्रगुप्त ओसीपी कोल ब्लॉक परियोजना आवंटित की गयी है. जिसमें हजारीबाग जिला अन्तर्गत केरेडारी अंचल के मौजा पचड़ा चट्टी बरियातु बुकरू सिजुआ और जोरदाग अंतर्गत भूमि का अधिग्रहण किया गया है, जिसके लिये सरकारी कर्मियों (जिला प्रशासन और वन विभाग), सीसीएल के आधिकारियों से मिलीभगत कर षड्यंत्र के तहत करीब 417 एकड़ वन भूमि का दस्तावेज गायब कर अवैध रूप से सरकार से वन भूमि को आवंटित करा कर बतौर एमडीओ (खनन डेवलपर और संचालन) खनन कार्य करने के लिये हैदराबाद की सुशी इंफ्रा एंड माइनिंग लिमिटेड कंपनी को दिया गया है.जिसके लिये अंचल अधिकारी केरेडारी राजस्व अभिलेखागार, जिला अभिलेखागार से इस 417 एकड़ भूमि का रेकर्ड गायब किया गया है, जिसका उल्लेख डीसी हजारीबाग के कार्यालय ज्ञापांक-2350/10 दिनांक-25जून 2022 के माध्यम से प्रपत्र-1 (प्रमाण पत्र) के अन्तर्गत निर्गत प्रमाण में में किया गया है.

417 एकड़ भूमि के दस्तावेज के गायब होने के संबंध में अंचल कार्यालय केरेडारी, राजस्व अभिलेखागार, जिला अभिलेखागार और डीसी कार्यालय द्वारा किसी प्रकार से रेकर्ड के गायब होने के संदर्भ में प्राथमिकी, सनहा या अंतरिक जॉच का उल्लेख अपने पत्र में नही किया गया है,.उसके बावजूद बिना जॉच/कार्रवाई किये ही डीसी कार्यालय से प्रपत्र-1 के अन्तर्गत प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया. यह भी बात सामने आई है कि वन विभाग के कार्यालय से भी 417 भूमि से संबंधित जानकारी प्राप्त करने और कागजातों की छान-बीन के संबंध में कोई पत्राचार नही किया गया. जब कि प्रपत्र 1 प्रमाण पत्र डीसी कार्यालय से जारी होने के बाद जब वन विभाग को प्राप्त होने पर वन विभाग द्वारा भी बिना जांच पड़ताल किये भारत सरकार को भूमि आवंटित करने के लिए अनुशंसा कर के भेज दिया गया. जिसके बाद भारत सरकार ने इस भूमि को अधिग्रहण के लिये विमुक्त कर दिया गया. जिसके बाद सीसीएल के द्वारा सुशी इंफ्रा एंड माइनिंग लिमिटेड कंपनी को खनन कार्य करने के लिये आवंटित करा कर दे दिया गया.

शिकायत में कहा गया है कि साल 2021 में अंचल अधिकारी केरेडारी, मनोज कुमार (चीफ मैनेजर माइनिंग,) चन्द्रगुप्त ओपेन कास्ट प्रोजेक्ट और संजीव कुमार (मैनेजर) ओपेन कास्ट प्रोजेक्ट सीसीएल, चन्द्रगुप्त के द्वारा उक्त प्रश्नगत भूमि अधिग्रहण से संबंधित एक सूचि तैयार किया गया, जिसमें पूर्व में डीसी द्वारा जो प्रपत्र 1 प्रमाण पत्र निर्गत किया गया है,जिसमे भूमि का रेकर्ड उपलब्ध नही होने की बात का उल्लेख था, उससे संबंधित खाता प्लॉट के विवरण में छेड़-छाड़ कर दस्तावेज को तीनो के द्वारा तैयार किया गया. उस दस्तावेज में उसी भूमि में छेड़-छाड़ की गयी है, जिसमें डीसी के द्वारा भूमि का विवरण उपलब्ध नही होने का उल्लेख किया गया है. यह भी उल्लेखनीय है कि प्रपत्र ॥ बचनबद्धता पत्र जो कि मनोज कुमार (मुख्य प्रबंधक माइनिंग) चन्द्रगुप्त ओपेन कास्ट प्रोजेक्ट आम्रपाली चन्द्रगुप्त क्षेत्र सीसीएल के द्वारा सीसीएल के लेटर पैड पर जारी किया गया, जिसमें ना तो लेटर नंबर और ना ही तिथि अंकित है.परियोजना प्रस्ताव संख्या और वर्ष का स्थान भी खाली है. जिससे स्पष्ट होता है कि उस परियोजना में अवैध रूप से भूमि आवंटन करने के लिए बड़े पैमाने पर पदों का दुरूपयोग करते हुये पड्यंत्र के तहत दस्तावेजो का छेड़-छाड़ कर भूमि आवंटित कराया गया है.

किए गए शिकायत में कहा गया है कि सभी कृत्यों को करने के पीछे मंशा यह भी है, कि एक तरफ 417 एकड़ भूमि का रेकर्ड गायब कर के उसके आड़ में उक्त भूमि का फर्जी दस्तावेज बना कर मुआवजा ले लिया गया है या ले लेने की योजना तैयार की गयी है, इस फर्जी दस्तावेज को तैयार करने के पीछे बहुत बड़े आर्थिक लाभ की पृष्ठ भूमि तैयार की गयी है, जिसको इस बात से समझा जा सकता है कि अगर कम्पनी के द्वारा उस परियोजना में प्रति एकड़ 25 लाख रूपया मुआवजा तय किया जाता है तो 417 एकड़ से गणना की जाये तो करीब अरबो रूपयों का घोटाला होने की पृष्ठ भूमि तैयार कर ली गयी है. 417 भूमि जो फर्जी तरीके से रेकर्ड गायब कर विभागीय स्वीकृती प्राप्त की गयी है का उपयोग सीधे सुशी इंफ्रा एंड माइनिंग लिमिटेड कंपनी खनन कार्य करने वाली है.

सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने भारत और पाकिस्तान के समकक्षों से की बात, क्षेत्रीय तनाव कम करने पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला ने भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने अपने समकक्षों से बढ़ते सैन्य तनाव को कम करने और शांति बहाल करने की अपील की। सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से अलग-अलग वार्ता की। सऊदी दूतावास के अनुसार विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला ने बातचीत के दौरान दोनों देशों के साथ सऊदी अरब के संतुलित और घनिष्ठ संबंधों को दोहराया। उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के प्रति किंगडम की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।सऊदी अरब से पहले अमेरिका के विदेश मंत्री ने भी दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से बातचीत की थी।

भारत-पाक तनाव के बीच फेक न्यूज की भरमार, पीआईबी फैक्ट चेक ने किया फेक न्यूज का ऑपरेशन

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे भारी तनाव, गोलाबारी के बीच सोशल मीडिया पर फेक न्यूज की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया पर भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव को लेकर चल रही फेक खबरों का पीआईबी फैक्ट चेक ने खंडन करते हुए लोगों को सर्तक रहने की सलाह दी है। फेक खबरों की सूची जारी करते हुए पीआईबी फैक्ट चेक की तरफ से बताया गया कि उधमपुर एयरबेस को नष्ट करने की गलत खबरें चलाई जा रही हैं, जबकि उधमपुर एयरबेस चालू है। 'एआईके न्यूज' द्वारा लाइव टीवी पर प्रसारित वीडियो में दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने उधमपुर एयरबेस को नष्ट कर दिया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि प्रसारित वीडियो राजस्थान के हनुमानगढ़ की एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने की घटना से संबंधित है, जिसका भारत-पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति से कोई संबंध नहीं है। इसके साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को माफी मांगते हुए दिखाते हुए एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हो रहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि यह वीडियो एआई द्वारा जनरेट किया गया है और झूठे प्रचार का हिस्सा है। इसके साथ एक भारतीय वायुसेना विमान दुर्घटना का पुराना वीडियो गलत संदर्भ में शेयर किया जा रहा है। भारत-पाकिस्तान के मौजूदा हालात के संदर्भ में वायुसेना विमान दुर्घटना का एक वीडियो गलत तरीके से शेयर किया जा रहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि यह वीडियो वायुसेना के एक जगुआर विमान को दिखाता है जो मार्च 2025 में एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अंबाला में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

मां जानकी सीतामढ़ी के लिए लाडली बेटी है :आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण जी महाराज

सीतामढ़ी। जगत जननी मां सीता सीतामढ़ी के लिए माता नहीं बल्कि लाडली बेटी है।वह तो सीतामढ़ी और सम्पूर्ण मिथिला क्षेत्र के लिए गौरवान्वित करने वाली है।मिथिला सीतामढ़ी की भूमि को उन्होंने मनुष्यता के भाव से सिंचा है। उपरोक्त बातें सीतामढ़ी पुनौराधाम श्री जानकी जन्म स्थान के सीता प्रेक्षागृह में हिन्दुस्थान समाचार की ओर से आयोजित सीता महोत्सव में मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण जी महाराजी ने कही।उन्होंने मा जानकी के अलग अलग रूपों और धर्म में वर्णित तथ्यों से सभाकक्ष में मौजूद लोगों को अवगत कराया।उन्होंने कहा कि यूं तो चार धाम हैं लेकिन मिथिला की धरती चारों धाम की सिद्धि देने वाली धरती है।उन्होंने कहा कि भगवान के कई रूप और अवतार हैं।उन्होंने कहा कि मां जानकी के चरित्र में किसी तरह का कोई संशय नहीं है।उनका चरित्र तो वेद,प्रशस्ति और स्तुति करने वाला है।सैकड़ों श्लोकों में मां जानकी के रूपों का वर्णन है।महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण सहित अन्य रचित रामायण में जगत जननी के चरित्र का अनोखे ढंग से वर्णन है,जिसे चंद शब्द सीमा में नहीं बांधा जा सकता।वाल्मीकी जी के रामायण में मां सीता की चरित्र व्यंजना वाली है। उन्होंने सीतामढ़ी की भूमि को उपासना वाली भूमि करार दिया।उन्होंने कहा कि मिथिला के बाहर सीता माता है,लेकिन मिथिला में तो वह लाडली सुकुमारी बेटी है।

पाकिस्तान एक जिम्मेदार राष्ट्र कभी भी नहीं बन सकेगा : गुलाम अली खटाना

नई दिल्ली । 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान की ओर से लगातार भारतीय नागरिकों को टारगेट किए जाने पर भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक जिम्मेदार राष्ट्र बनने में विफल रहा है। भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा कि युद्ध कोई समाधान नहीं है, इससे केवल विनाश होता है। हालांकि, पाकिस्तान लगातार हमारे निर्दोष नागरिकों को निशाना बना रहा है। तीन दिनों से वह लगातार मिसाइल और ड्रोन दाग रहा है। जिस तरह की वह हरकत लगातार कर रहा है, यही वजह है कि पाकिस्तान कभी भी एक जिम्मेदार राष्ट्र नहीं बन पाया। वह भारत के खिलाफ चाहे सुरंग खोदने के माध्यम से हो या मादक पदार्थों की तस्करी के माध्यम से, वह हमेशा आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर पर डोभाल-वांग यी की बातचीत: एनएसए बोले- 'आतंक के खिलाफ कार्रवाई जरूरी थी'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के मध्य युद्धविराम की घोषणा के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच शनिवार देर रात अहम टेलीफोनिक वार्ता हुई। इस बातचीत का केंद्र बिंदु हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और क्षेत्रीय शांति रहा। डोभाल ने वांग यी को स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में भारतीय नागरिकों की गंभीर क्षति के बाद आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई आवश्यक थी। उन्होंने कहा, 'भारत युद्ध नहीं चाहता, यह हमारी पसंद नहीं थी, लेकिन आतंकी हमले के जवाब में एक्शन जरूरी था।' उन्होंने आशा जताई कि भारत और पाकिस्तान दोनों जल्द ही युद्धविराम के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करेंगे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इस बातचीत में पहलगाम आतंकी हमले

की निंदा की और कहा कि चीन आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध करता है। उन्होंने कहा, वर्तमान वैश्विक परिदृश्य अस्थिर है और एशियाई क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। भारत और पाकिस्तान दोनों चीन के पड़ोसी हैं और इन्हें आपस में सहयोग और संवाद के रास्ते पर चलना चाहिए। वांग यी ने डोभाल के इस रुख की सराहना की कि युद्ध भारत की प्राथमिकता नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और पाकिस्तान संयम बरतते हुए संवाद और परामर्श के माध्यम से अपने मतभेदों का समाधान निकालेंगे और तनाव को बढ़ने से रोकेंगे। उन्होंने कहा, 'चीन भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापक और स्थायी युद्धविराम का समर्थन करता है। यह दोनों देशों के साथ-साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भी इच्छा है।' उल्लेखनीय है कि बीते दिनों भारत द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सीजफायर की घोषणा की गई और अब चीन की मध्यस्थता की भूमिका से स्थिति में कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है।

संघर्ष विराम तोड़ने पर विदेश सचिव ने दी कड़ी चेतावनी, स्थिति की गंभीरता को समझे पाकिस्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के साथ सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति के कुछ ही घंटे में इसका उल्लंघन करना शुरू कर दिया है। इस पर विदेश सचिन विक्रम मिस्री ने कहा है कि यह आक्रामकता बेहद निंदनीय है और इसके लिए पाकिस्तान स्वयं जिम्मेदार है। विदेश मंत्री ने कहा, पाकिस्तान को स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए और इस आक्रामकता को रोकने के लिए तत्काल और उचित कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सेना स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और उसे किसी भी घुसपैठ से निपटने के लिए सख्त और कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। एक विशेष वीडियो वक्तव्य में विदेश सचिव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से चल रही शत्रुता को रोकने के लिए आज शाम को सहमति बनी। हालांकि, पिछले कुछ घंटों में पाकिस्तान की

ओर से इस समझौते का गंभीर उल्लंघन हुआ है। भारतीय सैनिक जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं और सीमा पर इस घुसपैठ का जवाब दे रहे हैं।

दिल्ली में अगले हफ्ते में पारा जा सकता है 40 के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कुछ इलाकों में हुई झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। कुछ इलाकों में हल्की बारिश और तेज हवाएं चलीं जिससे मौसम सुहाना बना रहा। दिल्ली का अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि आज सुबह दिल्ली-एनसीआर में बारिश हुई। आने वाले दिनों में दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन आने वाले सप्ताह में उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान 4-6 डिग्री तक बढ़ने की उम्मीद है। रविवार को राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतही हवाएं 15 से 25 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों में बदल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 से 40 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

सतही हवाएं 15 से 25 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों में बदल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मंगलवार को भी राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतही हवाएं 15 से 25 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों में बदल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 14 मई तक पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में उष्ण लहर चलने की संभावना है। 12 मई तक उत्तर-पश्चिम भारत में और 14 मई तक मध्य भारत में गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है और उसके बाद इसकी तीव्रता में कमी आएगी।

10 और 11 मई को महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। 10 से 14 मई के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज के साथ भारी बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

भारत- पाकिस्तान तनावः नोएडा में रेड अलर्ट,चिल्ला बॉर्डर पर सख्त निगरानी, अस्थायी मोर्चाबंदी

एजेंसी

नोएडा। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर दिल्ली से सटे नोएडा में रेड अलर्ट जारी करते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। इस क्रम में दिल्ली और नोएडा को जोड़ने वाले चिल्ला बॉर्डर पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। यहां अस्थायी रूप से मोर्चाबंदी रकी गई है। एक्सप्रेसवे की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। बैरिकेडिंग कर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है।आने-जाने वाले हर वाहन की सघन चेकिंग की जा रही है।

संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों की सहायता ली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी तरह की अनहोनी से निपटने के लिए स्थानीय पुलिस पूरी तरह तैयार है। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट की ओर से बताया गया कि चिल्ला बॉर्डर के साथ-साथ डीएनडी और कालिंदी कुंज बॉर्डर पर भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है और स्पेशल कमांडो यूनिट्स को अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस की

टीमें 24 घंटे सक्रिय रहेंगी और हर आने-जाने वाले व्यक्ति पर पैनी नजर रखेंगी। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने दिल्ली से नोएडा आने-जाने वाले नागरिकों से भी अपील की है कि वे सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। अफवाह से बचें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर-पश्चिमी इलाकों में स्थित तकनीकी और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी: डॉ जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान तथा गुजरात के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में स्थित तकनीकी और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा, श्रीनगर और लेह में महत्वपूर्ण आईएमडी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर देशभर में तकनीकी और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिक एवं तकनीकी विभागों के प्रमुख मौजूद रहे। डॉ जितेंद्र सिंह ने विशेष रूप से सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (आईआईआईएम), जम्मू; सीएसआईआर-केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ), चंडीगढ़; सीएसआईआर-केंद्रीय

चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई), जालंधर; सीएसआईआर-सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़; डीबीटी-बायोटेक अनुसंधान नवाचार परिषद (ब्रिक) - राष्ट्रीय कृषि-खाद्य और जैव विनिर्माण संस्थान (एनएबीआई), मोहाली; श्रीनगर और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) प्रतिष्ठान; लद्दाख और आसपास के क्षेत्रों में पृथ्वी विज्ञान अनुसंधान स्टेशनों की तैयारियों और सुरक्षा तंत्र की समीक्षा की। डॉ जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि वैज्ञानिक सुविधाएं, विशेष रूप से वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत आने वाली सुविधाएं राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने सभी वैज्ञानिक संस्थानों को मौजूदा स्थिति के मद्देनजर अपने मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने और उसे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

सीबीआई ने 8 राज्यों में 42 ठिकानों पर की छापेमारी, 5 गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधियों को अवैध रूप से सिम कार्ड मुहैया कराने में शामिल गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की है। यह कार्रवाई ट्रांसनेशनल साइबर क्राइम नेटवर्क और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे अपराधों से जुड़ी है। 'ऑपरेशन चक्र-V' के तहत इन अपराधियों के 8 राज्यों में फैले 42 ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु में टेलीकॉम ऑपरेटर्स के पॉइंट ऑफ सेल एजेंट्स के ठिकानों पर छापे मारे।आरोप है कि ये एजेंट साइबर अपराधियों की मिलीभगत से फर्जी केवाईसी दस्तावेजों के आधार पर सिम कार्ड जारी कर रहे थे। इनका इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट, फर्जी विज्ञापन, निवेश धोखाधड़ी, यूपीआई फ्रॉड जैसे मामलों में हो रहा था। छापों के दौरान सीबीआई ने मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संदिग्ध केवाईसी दस्तावेज और अपराध की आय से खरीदी गई संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। गिरफ्तार पांचों आरोपी चार अलग-अलग राज्यों से हैं और इन पर टेलीकॉम नियमों का उल्लंघन कर सिम कार्ड बेचने का आरोप है।

भारत में मातृ मृत्यु अनुपात में उल्लेखनीय है सुधार, 2019-21 में एमएमआर में घटकर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 93 हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के महापंजीयक (आरजीआई) के नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) रिपोर्ट 2021 के अनुसार, भारत में प्रमुख मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त कार्यालय नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) 2019-21 में घटकर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 93 हो गई, जो 2018-20 में 97 और 2017-2019 में 103 थी। वही 2021 में शिशु मृत्यु दर प्रति 1000 बच्चों में 31 हो गई है। जबकि यह संख्या 2014 में प्रति 1000 जन्म पर 45 बच्चे थी। कुल प्रजनन दर 2021 में 2.0 पर स्थिर है, जो 2014 में 2.3 थी।

आठ राज्य पहले ही मातृ मृत्यु अनुपात का एसडीजी लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं जिसमें केरल (20), महाराष्ट्र (38), तेलंगाना (45), आंध्र प्रदेश (46), तमिलनाडु (49), झारखंड (51), गुजरात (53), कर्नाटक (63) शामिल हैं। 2030 तक इसके साथ बारह राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पहले ही यूएमआर (2030 तक <=25) का एसडीजी लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं जिसमें केरल (8), दिल्ली (14),

तमिलनाडु (14), जम्मू और कश्मीर (16), महाराष्ट्र (16), पश्चिम बंगाल (20), कर्नाटक (21), पंजाब (22), तेलंगाना (22), हिमाचल प्रदेश (23), आंध्र प्रदेश (24) और गुजरात (24) शामिल है। छह राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पहले ही एनएमआर का एसडीजी लक्ष्य (वर्ष 2030 तक मृत्यु की संख्या 12) प्राप्त कर चुके हैं केरल (4), दिल्ली (8), तमिलनाडु (9), महाराष्ट्र (11), जम्मू और कश्मीर (12) और हिमाचल प्रदेश (12)। 07 अप्रैल 2025 को प्रकाशित वर्तमान संयुक्त राष्ट्र मातृ मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएन-एमएमईआईजी) रिपोर्ट 2000-2023 के अनुसार, भारत की एमएमआर 2020 से 2023 तक में 23 अंकों की कमी आई है। इस उपलब्धि से, 1990 से 2023 तक पिछले 33 वर्षों में 48 प्रतिशत की वैश्विक कमी की तुलना में भारत की एमएमआर में अब 86 प्रतिशत की कमी आई है। भारत बाल मृत्यु दर में कमी लाने वाले शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों में से एक है।

दिल्ली में राशन की कोई कमी नहीं : मनजिंदर सिंह सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि राजधानी में न वस्तुएं महंगी होगी न ही राशन की कोई कमी है। खाद्य और आपूर्ति प्रणालियां पूरी तरह से चालू हैं। लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सबका ख्याल रहने के लिए हैं। मनजिंदर सिंह सिरसा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी सरकारे आपातकलीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहती है। इसको लेकर विभिन्न विभागों की बैठक होती है। इसमें घबराने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली पूरी तरह सुरक्षित और यहां किसी भी वस्तु की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना अपना काम दिन-रात कर रही है।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री आपकी चिंता कर रहे हैं। दिल्ली सुरक्षित थी, दिल्ली सुरक्षित है, भारत सुरक्षित था, भारत सुरक्षित है। उन्होंने सोशल साइटों पर चल रही अफवाहों से

सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि राशन और तेल लेने के लिए न दौड़े। खाद्य और आपूर्ति प्रणालियां पूरी तरह से चालू हैं। हमें डर या घबराहट का शिकार नहीं होना चाहिए। सरकार सभी चुनौतियों से निपटने में सक्षम है। वस्तुओं की बड़े पैमाने पर खरीद या जमाखोरी की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।

आपातकालीन तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में सभी विभागाध्यक्षों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों की तैयारी की समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने बिजली विभाग को बिजली जाने की स्थिति में तैयारी रखने और आवश्यक सेवाओं के लिए बैकअप बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गृह व पुलिस विभाग को परिचालन तत्परता और जल-विद्युत आपूर्ति की सुरक्षा बनाए रखने के आदेश दिए गए। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम,नई दिल्ली नगर पालिक आदि को आपात स्थिति में अवसंरचना निर्माण के लिए ठेकेदारों व मशीनरी की सूची तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने दिल्ली परिवहन निगम व दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन को आपात योजना व निकासी के लिए रूट मैप्स व फ्लीट प्रबंधन तैयार करने को कहा। दमकल विभाग को अलर्ट स्थिति में रहने के निर्देश दिए गए। दिल्ली सरकार ने आठ मई को

आदेश जारी कर सभी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दीं। इसके साथ ही अगले आदेश तक किसी भी अधिकारी और कर्मचारी को छुट्टी देने पर रोक लगा दी गई है। दिल्ली में नागरिकों की सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को और मजबूत बनाने के लिए दिल्ली लोक निर्माण विभाग ने नागरिक सुरक्षा निदेशालय के साथ मिलकर 09 मई की दोपहर आईटीओ स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्यालय की बहुमंजिला इमारत पर एयर रेड अलर्ट सायरन का परीक्षण किया। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि शहर की प्रमुख बहुमंजिला इमारतों पर 40 से 50 एयर रेड अलर्ट सायरन लगाए जाएंगे। आपात स्थिति में यह सायरन चेतावनी देने का काम करेंगे। सभी सायरनों को एक केंद्रीय कमांड सेंटर से नियंत्रित किया जाएगा और इनका संचालन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधीन होगा।

सीजफायर उल्लंघन पर सहवाग का पाकिस्तान पर तंज, 'कुत्ते की दुम टेढ़ी ही रहती है'

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने भारत के साथ संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघन के बाद पाकिस्तान पर निशाना साधा। दोनों देशों द्वारा सार्वजनिक रूप से संघर्ष विराम पर सहमति जताए जाने के कुछ ही घंटे बाद, अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई विस्फोटों की सूचना मिली, जिसमें पाकिस्तानी ड्रोन ने जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के संवेदनशील क्षेत्रों को निशाना बनाया। अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर सहवाग ने एक प्रसिद्ध हिंदी मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए पोस्ट किया, कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। यह कहावत, जो आम तौर पर बदलाव के लिए प्रतिरोधी लोगों या संस्थाओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल की जाती है, को पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के रिकॉर्ड पर सीधा कटाक्ष माना जाता है। सहवाग को मुल्तान का सुल्तान कहा जाता है। उन्होंने मुल्तान में तिहरा शतक बनाया था। दोनों देशों द्वारा दिन में पहले संयुक्त रूप से औपचारिक संघर्ष विराम समझौते की घोषणा किए जाने के बावजूद उल्लंघन हुआ। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने तत्काल प्रभाव से सभी शत्रुताएं - चाहे भूमि, वायु या समुद्र से - समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी संघर्ष विराम की पुष्टि की। उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को रोकने पर एक समझौता किया है। भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लगातार एक दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है - और यह ऐसा करना जारी रखेगा। हालांकि, एक चौंकाने वाले बदलाव में, शाम को श्रीनगर में विस्फोट हुए।

संक्षिप्त समाचार

कैंसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। रोटरी क्लब हजारीबाग जागृति और असर्फी अस्पताल धनबाद के सहयोग से कैंसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम डी.ए.वी. स्कूल के विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अध्यापकों के बीच आयोजित किया गया। कैंसर विशेषज्ञ बिप्लब मिश्रा और संदीप शर्मा ने विस्तार से बताया ताकि आप एहतियात बरत सकें और बीमारी का जल्दी पता लगा सकें।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रोग का शीघ्र पता लगने से उसे जड़ से ठीक किया जा सकता है. डॉक्टरों ने विशेष रूप से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और टीके के महत्व के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि यह बीमारी को नियंत्रित करने में कैसे प्रभावी है। कार्यक्रम की सफलता के लिए रोटरी क्लब आफ हजारीबाग जागृति की अध्यक्षा मंदिरा गुप्ता, सुरेश प्रसाद, संगीता प्रसाद, और दिलीप कुमार गुप्ता और अभिजीत मुखर्जी रोटरी क्लब से उपस्थित थे।

ह्यूमन राइट्स काउंसिल की बैठक

- बैठक में ह्यूमन टेस्ट काउंसिल के सिध्दांत एवं कार्य प्रणाली पर की गई चर्चा

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। रविवार को झील परिसर हजारीबाग में ह्यूमन राइट्स काउंसिल की एक बैठक जिला अध्यक्ष मो जहांगीर अंसारी की अध्यक्षता में की गई जिसमें मुख्य रूप से राज्य अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ फरजाना परवीन, राज्य सचिव बसंती देवी, जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ नसीमा खातून, जिला सचिव चांदनी कुमारी एवं काउंसिल के प्रवक्ता रोजर नाइट शामिल हुए। बैठक में ह्यूमन टेस्ट काउंसिल के सिध्दांत एवं कार्य प्रणाली पर चर्चा की गई। सभी सदस्यओं ने नशा के दुष्प्रभाव पर चिंता व्यक्त की जिसका दुष्प्रभाव टीन एजर बच्चों पर पड रहा है। ऐसी स्थिति में ह्यूमन राइट्स काउंसिल ने निर्णय किया है कि नशा कारोबार को स मूल समाप्त करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल आरक्षी अधीक्षक हजारीबाग एवं जिले के सभी थाना प्रभारी से भेंट कर नशा का कारोबार समाप्त करने की अपील की जाएगी। साथ ही साथ हैदलाग गांव में नव विवाहिता की निर्मम हत्या की घटना की निंदा करते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की गई। यह निर्णय लिया गया कि अगली बैठक 18 मई 2025 को की जाएगी जिसमें अधिक से अधिक संख्या में ह्यूमन दास काउंसिल के सदस्य भाग लेंगे। धन्यवाद ज्ञापन प्रवक्ता रोजर नाइट ने की।

पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाना चाहिए कि आने वाले उनके नस्ल भी उसे याद रखें और कभी भारत माता की तरफ निगाह उठाकर भी ना देख पाएं: जहांगीर अंसारी

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। रविवार को ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस हजारीबाग की एक कोर कमेटी की बैठक जिला अध्यक्ष मो जहांगीर अंसारी की अध्यक्षता में उनके आवास पर हाशमिया कॉलोनी में हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई । सर्वप्रथम मोमिन कॉन्फ्रेंस हजारीबाग ने भारत सरकार द्वारा एवं भारतीय सैनिकों द्वारा पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने पर भारतीय सैनिकों को सैल्यूट करते हुए भारतीय नेतृत्व का अभिनंदन किया एवं देश के लिए मर मिटने वाले शहीदों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित की। जिलाध्यक्ष मो जहांगीर अंसारी ने कहा कि पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाना चाहिए कि आने वाले उनके नस्ल भी उसे याद रखें और कभी भारत माता की तरफ निगाह उठाकर भी ना देख पाएं।

राष्ट्रीय सचिव डॉ अनवर हुसैन ने मोमिनो के विभिन्न समस्याओं को लेकर अपनी चिंता जताई एवं यह निर्णय लिया गया कि विभिन्न समस्याओं विशेष कर मुस्लिम क्षेत्रों में नशाखोरी, जुआ,शिक्षा एवं बेरोजगारी की समस्याओं से निपटारे के लिए मोमिन कॉन्फ्रेंस का एक प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त हजारीबाग, उप विकास आयुक्त हजारीबाग एवं आरक्षी अधीक्षक हजारीबाग से भेंट करेगी एवं समस्याओं के निदान के संदर्भ में आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध करेगी।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष द्वारा मो माशूक अंसारी को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें प्रमाण पत्र दिया गया। कोर कमेटी की बैठक में जिला महासचिव नुरुल हुदा अंसारी, जिला उपाध्यक्ष मो माशूक अंसारी, दारू प्रखंड अध्यक्ष मो सिराज अंसारी अधिवक्ता मो आफताब आलम, मो फिरोज, अरशद कमाल आदि शामिल थे।

हजारीबाग में इतिहास रचता शतरंज, तृतीय एचडीसीए ऑल इंडिया ओपन फाइड रेटिंग टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

- 600 से अधिक खिलाड़ियों के साथ हजारीबाग में शतरंज का महासंग्राम शुरू
- खेल न केवल प्रतिस्पर्धा है, बल्कि चरित्र निर्माण और अनुशासन का माध्यम भी है यह आयोजन उसी दिशा में एक मजबूत कदम है: मनीष जायसवाल

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग के खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय का जुड़ चुका है। हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के तत्वावधान में, ऑल इंडिया चेस फेडरेशन एवं ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन की अधिकृत अनुमति से, शंकरपुर स्थित एंजेल हाई स्कूल परिसर में तृतीय एचडीसीए ऑल इंडिया ओपन फाइड रेटिंग चेस टूर्नामेंट 2025 का रविवार को विधिवत उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया और बच्चों के साथ शतरंज की पहली चाल चलकर टूर्नामेंट का औपचारिक उद्घाटन किया। मौके पर खिलाड़ियों, आयोजकों, गणमान्य अतिथियों और अभिभावकों की उपस्थिति में खेल के प्रति उत्साह और उमंग का अद्वितीय दृश्य देखने को मिला। यह पाँच दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 11 से 15 मई तक आयोजित की जा रही है, जिसमें 13 राज्यों से आए 600 से अधिक प्रतिभागी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता विविध आयु-वर्ग के लिए खुली है सबसे कम उम्र के प्रतिभागी मात्र चार वर्ष के हैं, वहीं सबसे वरिष्ठ प्रतिभागी की आयु 84 वर्ष है। यह विविधता इस टूर्नामेंट की समावेशिता और लोकप्रियता को दर्शाती है। प्रतियोगिता नौ राउंड में आयोजित की जा रही है, जिनके संचालन हेतु अनुभवी निर्णायकों की टीम तथा समुचित तकनीकी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। लगभग 300 टेबल प्रतियोगिता स्थल पर लगाए गए हैं ताकि सभी प्रतिभागी अपने खेल का प्रदर्शन कर सकें। प्रतिभागियों के ठहरने की व्यवस्था हजारीबाग पुलिस अकादमी में की गई है, जहाँ उन्हें सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक रात्रि विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रतियोगिता स्थल तक नियमित बस सेवा की व्यवस्था भी की गई है, जिससे खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुरस्कार राशि कुल 4.5 लाख है

प्रतियोगिता के विजेताओं हेतु कुल 4,50,000/- (चार लाख पचास हजार रुपये) की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है, जिसमें प्रथम स्थान 71,000, द्वितीय स्थान 40,000, तृतीय स्थान 25,000, चतुर्थ स्थान 15,000, पाँचवाँ स्थान 11,000,छठा से दसवाँ स्थान 8,000 प्रति विजेता, ग्यारहवाँ से पंद्रहवाँ स्थान 6,500 प्रति विजेता, सोलहवाँ से पच्चीसवाँ स्थान 5,500 प्रति विजेता, छब्बीसवाँ से पैंतीसवाँ स्थान 3,500 प्रति विजेता को दिया जाएगा. यह पुरस्कार वितरण न केवल प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन हेतु है, बल्कि हजारीबाग को राष्ट्रीय शतरंज मानचित्र पर गौरवपूर्ण स्थान प्रदान करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है। समापन समारोह 15 मई को आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा और प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण अनुभवों को साझा किया जाएगा। हजारीबाग आज न केवल शतरंज का केंद्र बन गया है, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों से आए खिलाड़ियों के लिए एक आदर्श मेजबान के रूप में अपनी पहचान भी बना रहा है।

मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि पिछले कई वर्षों से एचडीसीए द्वारा कई बड़े प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया है। कई प्रतियोगिता में मुझे भी सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों का हजारीबाग में हार्दिक अभिनंदन है। खेल- खेलने और इंजॉय करने के लिए होता है, जीत- हार खेल की एक सतत प्रक्रिया है जिससे होकर हर खिलाड़ी गुजरते हैं। प्रतियोगिता में आप पूरी निष्ठा से खेलें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें। चेस दिमाग और अनुभव का खेल है और इसे खेलने वाले का दिमाग हमेशा शार्प रहता है साथ इन्वेस्ट मेंटल एक्सरसाइज भी होता है। आप सभी खिलाड़ियों को ऑल द बेस्ट और प्रतियोगिता के आयोजनकर्ता को इस शानदार पहल के लिए धन्यवाद।

कार्यक्रम के डायरेक्टर करण जायसवाल ने कहा की हजारीबाग में इतने बड़े स्तर पर अखिल भारतीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन हमारे जिले के लिए गर्व का विषय है। देशभर से विभिन्न आयु वर्ग के 600 से अधिक खिलाड़ियों का आगमन इस बात का प्रमाण है की हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन की विश्वसनीयता और आयोजन क्षमता पर खिलाड़ियों का विश्वास बढ़ा है। हमारा उद्देश्य केवल खेल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि हजारीबाग को राष्ट्रीय शतरंज मानचित्र पर एक स्थायी पहचान दिलाना है। हम आने वाले वर्षों में और भी बड़े स्तर के टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रतियोगिता के उद्घाटन के मौके पर विशेषरूप से कार्यक्रम के इस प्रतियोगिता के डायरेक्टर करण जायसवाल, एंजेल हाई स्कूल की निदेशिका निशा जायसवाल, हजारीबाग जिला चेस संघ के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, सचिव मनमीत अकेला, चीफ आर्बिटर विशाल मिंज,आर्बिटर विकार कुमार, जमशेदपुर संगठन के सचिव जयंत भुईयां सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

भारत की पहली हाइब्रिड मोटरसाइकिल यामाहा की हाइब्रिड (Hybrid) एफजेडएस की हजारीबाग में लॉन्चिंग

- एफजेडएस हाइब्रिड का शिवम मोटर में हुआ लॉन्चिंग
- मोटरसाइकिल की दुनिया में ग्राहकों की पहली पसंद है यामाहा: जेपीए डीएसपी विजय रंजन
- यामाहा की हाइब्रिड एफजेडएस मोटरसाइकिल 65 से 70 किलोमीटर के माइलेज के साथ चलेगी: संचालक विशाल गुप्ता

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। भारत की पहली हाइब्रिड मोटरसाइकिल यामाहा की हाइब्रिड (Hybrid) एफजेडएस की लॉन्चिंग हजारीबाग शहर के जैन पैट्रोल पंप के समीप सिविल कोर्ट के सामने शिवम मोटर हजारीबाग में रविवार को की गई। जिसका उद्घाटन जेपीए के डीएसपी विजय रंजन ने किया। श्री रंजन ने इस अवसर पर कहा कि यामाहा किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इसका लोगो और मैन्युफैक्चरिंग सबसे अलग है। मोटरसाइकिल की दुनिया में सबसे बेजोड़ प्रोडक्ट है जो ग्राहकों की पहली पसंद है। इस अवसर पर संचालक विशाल गुप्ता ने बताया कि हाइब्रिड टेक्नोलॉजी की भारत की पहली मोटरसाइकिल है यामाहा की Hybrid, बताया कि इससे पहले की बाइक्स फ्यूल इंजेक्शन टेक्नोलॉजी की थी मगर भारत में यामाहा की पहली हाइब्रिड टेक्नोलॉजी की बाइक होने के कारण यह ग्राहकों की पहली पसंद है। बताया कि यह 150 सीसी बाइक्स है जिसमें स्टार्टर मोटर लगा हुआ है, 150 सीसी बाइक्स में पहली मोटरसाइकिल होगी यामाहा की हाइब्रिड मोटरसाइकिल जो 65 से 70 किलोमीटर के माइलेज के साथ चलेगी। जिसमें साइलेंट स्टार्ट सिस्टम, बल्की डिजाइन, टीएफटी मीटर, नेविगेशन मैप के साथ म्यूजिक स्टॉप की खूबियों के साथ लॉन्च की गई है। मौके पर शेखर उपाध्याय, विक्रम कुमार, अभय कुमार, राजेश गुप्ता, रिया सिंहा उपस्थित थे।

हजारीबाग में पूज्य मुनि श्री 108 समता सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश

- श्रद्धा, भक्ति और धर्ममय वातावरण से गूंजा नगर

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। शंका समाधान प्रणेता पूज्य मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज की जन्मभूमि धर्मनगरी हजारीबाग को यह अनुपम सौभाग्य प्राप्त हुआ कि संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, निर्व्यापक मुनि श्री 108 समता सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश नगर में संपन्न हुआ।

प्रातः 6:30 बजे नमन विद्या स्कूल से मंगल यात्रा प्रारंभ हुई। विशेश्वर नर्सिंग होम के पास नगर प्रवेश गाजे-बाजे के साथ हुआ, जो पेट्रोल पंप चौक से होते हुए बंगाली कॉलोनी मार्ग से बड़ा बाजार जैन मंदिर पहुँची, जहाँ मुनिश्री ने प्रथम दर्शन एवं वंदना की। दर्शन के पश्चात ससंघ बड़म बाजार की ओर प्रस्थान कर गया। नगर के दोनों मंदिरों के बाहर एवं भीतर महिला समाज द्वारा रंगोली से आकर्षक सजावट की गई। बच्चों द्वारा जैन ध्वज लेकर, तथा महिलाओं द्वारा रंगीन स्वागत मशाल, धुएं और रंग-बिरंगी फुलझड़ियों के साथ स्वागत किया गया। मार्ग में जगह-जगह आरती और पाद प्रक्षालन द्वारा गुरुदेव का आदरपूर्वक स्वागत किया गया। महिलाओं ने चुनड़ी की साड़ी पहनकर भक्ति की अनुपम छटा बिखेरी।

प्रवेश यात्रा के दौरान काफी संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चों ने श्रद्धा और उल्लासपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत में मुनि श्री के मुखारबिंद द्वारा शांति धारा का कार्यक्रम हुआ उसके उपरांत संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के चित्र के अनावरण से हुआ, जिसे समाज के अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा सम्पन्न किया गया। इसके उपरांत दीप प्रज्वलन बाहर से पधारे मुनिभक्त अतिथिजनों द्वारा किया गया। महिला समाज की महिलाओं द्वारा मुनिश्री को शास्त्र भेंट अर्पित किया गया।

जैन पंचायत के पदाधिकारियों एवं आगंतुक अतिथियों ने मुनिश्री के चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात मंगलाचरण भक्ति नृत्य की प्रस्तुति आरवी बड़जात्या, रिद्धि छाबड़ा एवं नायरा पाटोदी द्वारा की गई, जिसने सभी श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मंच संचालन विजय लुहाड़िया द्वारा किया गया।

प्रातः 8:30 बजे बड़म बाजार मंदिर में मुनिश्री के प्रवचन और तत्पश्चात आहारचर्या सम्पन्न हुई।

मुनिश्री के साथ ससंघ में -

मुनि श्री 108 पवित्र सागर जी महाराज, एलक श्री निश्चय सागर जी महाराज, एलक श्री निजानंद सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री संयम सागर जी महाराज विराजमान हैं। पूज्य मुनिश्री ससंघ का प्रवास बड़ा बाजार स्थित पारस भवन में रहेगा।

पूरा नगर इस मंगल अवसर पर भक्ति और पुण्य के रंग में डूबा रहा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी श्री राजेश लुहाड़िया द्वारा प्राप्त हुई है।

मातृ दिवस पर हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने निभाया मातृत्व का अद्भुत सम्मान, जन्मदाता और गौ माता दोनों की सेवा कर पेश की मिसाल

- पहले जन्मदाता का किया सेवा उसके बाद गौ माता का किया सेवा
- मैंने अपने जीवन में दो माताओं को सर्वोच्च माना है, एक जन्मदाता मां और दूसरी गौ माता। मातृ दिवस पर दोनों की सेवा कर आत्मिक शांति मिली: चंद्रप्रकाश जैन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। मातृ दिवस का अवसर जहां दुनिया भर में मातृत्व को नमन करने और मां के प्रति प्रेम, श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन होता है,वहीं हजारीबाग शहर के समाजसेवी हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने इस दिन को एक विशेष भाव से मनाकर समाज के समक्ष एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने दिन की शुरुआत अपनी जन्मदाता मां सुधारानी जैन की सेवा और आशीर्वाद लेकर की। इसके बाद वे अपनी माता के साथ ही शहर से लगभग सात किलोमीटर दूर कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी द्वारा संचालित हजारीबाग गौशाला पहुंचे,जहां उन्होंने गौ माता की सेवा की। गौशाला परिसर में चंद्रप्रकाश जैन ने गौ माता को गुड़, चोकर, हरा चारा एवं पोषक सामग्री अर्पित कर प्रेमपूर्वक उन्हें भोजन कराया। उनकी माता सुधारानी जैन ने भी इस सेवा कार्य में सहभागी बनकर पूज्य गौ माता की सेवा की। इस अवसर पर गौशाला के कर्मचारियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी सेवा में भाग लिया और इस कार्य को मातृ शक्ति के सम्मान का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। चंद्रप्रकाश जैन ने भावुक होकर कहा मैं अपने जीवन में दो माताओं को सर्वोच्च मानता हूं एक जन्म देने वाली मां, जिन्होंने मुझे पाल-पोसकर इस योग्य बनाया, और दूसरी गौ माता, जो हमारे संपूर्ण जीवन चक्र का पोषण करती हैं। आज मातृ दिवस पर इन दोनों माताओं की सेवा कर मैं स्वयं को धन्य मानता हूं। मैं प्रतिदिन इन्हें प्रणाम कर अपने दिन की शुरुआत करता हूं। यही मेरी साधना है, यही मेरी संस्कृति है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति, परंपरा और मातृ शक्ति के महत्व को समझना चाहिए। यदि हम अपने जीवन में माता, गौ माता, गुरु और देश को आदर देना सीख जाएं, तो जीवन स्वयं ही सार्थक हो जाता है।

ऊर्जा दक्षता एवं संरक्षण पर आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला, लघु एवं मध्यम उद्योगों को ऊर्जा सेवा कंपनी मॉडल से मिला नया मार्गदर्शन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (जेरेडा) द्वारा हरित वृक्ष (ग्रीन ट्री) संस्था के सहयोग से हजारीबाग के डॉल्फिनो परिसर में लघु, कुटीर एवं मध्यम उद्योगों (एम.एस.एम.ई.), उद्योग संघों एवं व्यापार मंडलों के प्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा की कुशलता, बचत के उपायों तथा ऊर्जा सेवा कंपनी (ई.एस.सी.ओ.) मॉडल की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। इस आयोजन में लगभग 60 उद्यमियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष नीरज अग्रवाल सचिव राकेश ठाकुर ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में संयुक्त सचिव तारिक अहमद, सदस्य विजय कुमार जैन ने भी अपनी सहभागिता दी और ऊर्जा से संबंधित नीतियों तथा प्रोत्साहनों पर अपने विचार साझा किए। कार्यशाला का तकनीकी सत्र अत्यंत जानकारीपूर्ण रहा, जिसमें ऊर्जा प्रबंधन विशेषज्ञ जे. के. व्यास और प्रमाणित ऊर्जा लेखापरीक्षक डॉ. चंदन कुमार तिवारी ने ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग, अपव्यय को रोकने के आधुनिक उपायों तथा ऊर्जा सेवा कंपनी (ई.एस.सी.ओ.) मॉडल की कार्यप्रणाली पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने बताया कि किस प्रकार यह मॉडल ऊर्जा की लागत को घटाते हुए पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक हो सकता है।प्रतिभागियों ने इन प्रस्तुतियों को अत्यंत उपयोगी, सरल एवं व्यवहारिक बताया और यह अपेक्षा जताई कि भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए, जिससे क्षेत्रीय उद्योगों को नवाचार,ऊर्जा कुशलता तथा हरित विकास की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण एवं हरित वृक्ष संस्था की यह पहल हजारीबाग सहित पूरे झारखंड में ऊर्जा जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है, जिससे प्रदेश के लघु और मध्यम उद्यम ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ सकें।

कुड़मी लड़की को प्रलोभन देकर अनैतिक रूप से धर्मांतरण, सामाजिक अस्मिता पर हमला -अजीत प्रसाद महतो

चांडिल। नीमडीह प्रखंड अंतर्गत झिमड़ी गांव की एक कुड़मी युवती रीता महतो के कथित रूप से अपहरण और जबरन धर्मांतरण के मामले में तुल पकड़ लिया है। इस मुद्दे को लेकर रविवार को आदिवासी कुड़मी समाज की एक आपात बैठक जिला प्रभारी प्रभात कुमार महतो की अध्यक्षता में कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत पारगामा स्थित गरामथान में की गई।बैठक में समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों घटना को सुनियोजित षड्यंत्र करार देते हुए इसे गंभीर सामाजिक और सांस्कृतिक संकट बताया।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे आदिवासी कुड़मि समाज के मुलखुंटी मुलमान्ता

(संयोजक) अजीत प्रसाद महतो ने कहा कि हमारी कुड़मी बहाने सहज सरल स्वभाव की होती हैं, जिसका लाभ उठा कर कुछ तत्व उन्हें बहकाकर धर्म परिवर्तन जैसी अमानवीय घटना को अंजाम देते हैं। यह न केवल निंदनीय है बल्कि, समाज की अस्मिता पर हमला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 वर्षीय रीता महतो को दिनांक 26 अप्रैल को मोहम्मद तस्लीम अंसारी नामक व्यक्ति पश्चिम बंगाल ले गया, जहां उसका धर्म परिवर्तन कर फिजा खातून बना दिया गया। कुड़मी समाज का आरोप है कि तस्लीम अंसारी पहले से विवाहित है और तीन बच्चों का पिता है। ऐसे में विवाह का उद्देश्य सिर्फ दिखावा था और असली मकसद धर्मांतरण और मानव तस्करी हो सकता है। बैठक के दौरान वक्ताओं ने यह भी कहा कि इस प्रकार की घटनाएं सिर्फ एक समाज विशेष पर नहीं बल्कि पूरे झारखंड के अस्मिता और अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह है।समाज ने इस घटना को राष्ट्रीय मुद्दा बताते हुए सभी आदिवासी और मूलवासी संगठनों से एकजुट होने की अपील की। समाज का कहना है कि यह मामला सामान्य प्रेम प्रसंग का नहीं बल्कि, व्यापक स्तर पर कट्टरपंथी ताकतों द्वारा समाज की सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर करने का षड्यंत्र हो सकता है। बैठक में यह चेतावनी भी दी गई कि इस घटना की निष्पक्ष और केंद्रीय जांच शीघ्र नहीं हुई तो समाज चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होगा। कुड़मी समाज ने स्पष्ट कहा कि वे अपनी संस्कृति, मां बहनों और सामाजिक अस्तित्व की रक्षा के लिए किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार हैं। इसके अलावा बैठक में समाज के नेगाचारी सामाजिक परंपरा पर भी चर्चा की गई जिसमें आने वाले समय में जातिगत जनगणना पर जाति कुड़मी और भाषा कुड़माली को समाज के सभी लोगों को ध्यान देने की आवश्यकता एवं कुड़मी अपने पूर्वजों के राह पर चलकर अपने पारंपरिक देवस्थान में बलि प्रथा और अपनी जनजातीय परंपरा पर जोर देने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर आदिवासी कुड़मि समाज के जिला अध्यक्ष राकेश रंजन महतो, बासुदेव महतो, गुहीराम महतो, वशिष्ठ नारायण बांसरिआर, मलखान महतो, पद्मलोचन महतो, रमेश महतो, बादल महतो, सुनील कुमार जुरुआर आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

विधायक प्रतिनिधि ने किया सड़क सह गार्डवाल निर्माण कार्य का शिलान्यास

आदिवासी एक्सप्रेस मोहित मंसूरी

साहेबगंज जिला के बरहरवा प्रखण्ड अन्तर्गत पुरुलियाडांगा ग्राम में आदिवासी टोला नासीर के घर से उ0 क्र0 प्रा.वि. तक सड़क सह गार्डवाल निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास पाकुड़ विधानसभा के विधायक मोहतरमा निसात आलम के विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने फ़ीता काटकर एवं नारियल फोड़ कर किया। उक्त योजना का निर्माण D.M.F.T. मद से होगा जिसका प्राक्कलित राशि- 53,91,508.45/ है। सड़क का शिलान्यास के दौरान विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कहा की सड़क सह गार्डवाल का निर्माण जनहित में काफी आवश्यक था, इसका निर्माण हो जाने से सम्पूर्ण ग्रामवासियों को बहुत सुविधा मिलेगी। गार्डवाल न होने के कारण स्कूल के बच्चों को स्कूल आने जाने में भी काफ़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था।

रोड सह गार्डवाल का निर्माण हो जाने से स्कूल के बच्चों सहित सभी ग्रामीणों को आवागमन में इसका सुविधा मिलेगा।

मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, उप प्रमुख अब्दुल कादिर, अख्तरूल इस्लाम, विभागीय जुनियर इंजीनियर पनचन कुमार, हेमातूर रहमान, सकील, नेहाल अख्तर, जाकिर हुसैन, सिखावत, निर्मल बास्की साहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

गंधरिया में यात्रियों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त, दो दर्जन से अधिक घायल, जिप उपाध्यक्ष ने दिलाया मदद का भरोसा

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

चतरा। चतरा-चौपारण मुख्यपथ पर स्थित गंधरिया इलाके में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जब यात्रियों से भरी सुधांशु बस पेड़ से टकरा गई। हादसे में दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं। बस चतरा से तिलैया जा रही थी। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को चतरा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उपाधीक्षक डॉ. मनीष लाल के नेतृत्व में डॉक्टरों की विशेष टीम इलाज में जुटी है। घटना के बाद जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी अस्पताल पहुंचे और घायलों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा है। प्रशासन की ओर से घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था की जा रही है। मैं व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करूंगा कि किसी भी पीड़ित को इलाज में कोई कमी न हो। जरूरत पड़ी तो घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची या अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर किया जाएगा।

श्यामडीह आस्था मेडिकल में निकला एशिया का सबसे जहरीला सांप

गोमो। सुबह श्यामडीह स्थित शिव प्लाजा के सामने ही आस्था मेडिकल में एक अत्यंत जहरीला (रसैल वायपर) सांप घुस गया शिराज मिस्त्री ने इस बात की जानकारी भट्मुरना निवासी दिलीप दाशौंधी को दी, दिलीप दशौंधी वहां पहुंचे और बहुत मशक्कत के बाद सांप पर काबू पाया गया फिर सांप को एक बोरे में भर कर बगल के जंगल में उसे छोड़ दिया गया।

दिवंगत महेंद्र दांगी के परिजनों से मिले विधायक उज्जवल दास जताई संवेदना और सहयोग का दिया आश्वासन

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। प्रखंड के ग्राम नगवां निवासी महेंद्र कुमार दांगी के आकस्मिक निधन पर सिमरिया विधानसभा के विधायक कुमार उज्जवल दास उनके घर पर जाकर शोक संवेदना प्रकट किये साथ ही साथ उन्हें तत्काल एक पीएम आवास तथा विधवा पेंशन दिलवाने हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बंकिरा से फोन पर बात किये। उन्होंने उनकी पत्नी को बताया कि उन्हें हर संभव मदद की जाएगी तथा सरकारी योजना का लाभ जो भी है उन्हें जल्द से जल्द दिलवाने का प्रयास करेंगे। मौके पर इटखोरी मंडल महामंत्री युवा मोर्चा आशीष मिश्रा, ओबीसी मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष ज्ञानी यादव, भाजपा नेता नेमधारी यादव, सोनू कुमार दांगी, गोलू दांगी धर्मेंद्र दांगी, जितेंद्र दांगी महरु राणा तथा कई ग्रामीण मौजूद थे।

संत मरियम स्कूल ने किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, जिले के कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने की शिरकत

शिक्षा व स्वास्थ्य के सामंजस्य से पलामू को मिलेगी दिशाः अविनाश देव

मेदिनीनगर। स्थानीय रेडमा स्थित ग्रैंड जयश्री होटल में शनिवार को संत मरियम स्कूल द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पलामू प्रमंडल के कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने भाग लिया। संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव, प्राचार्य कुमार आदर्श, पलामू प्रमंडल के सुप्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. राजीव नयन, ऑर्थो सर्जन प्रवीण सिद्धार्थ, ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ. मुकेश कुमार सिन्हा, डेंटिस्ट डॉ. राजेश कुमार आदि ने संयुक्त रूप से दीप-प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया, वहीं चेयरमैन श्री देव ने सभी चिकित्सकों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। शिविर में संत मरियम स्कूल के सैकड़ों शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श लिया और ईसीजी, बीपी, शुगर जैसी कई अन्य जांचें भी करवाई। तत्पश्चात् सभी चिकित्सकों ने शिक्षकों को संबोधित

किया और स्वास्थ्य से संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। उक्त मौके पर विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि संत मरियम स्कूल सिर्फ़ शिक्षा के लिए ही समाज को समर्पित नहीं है, अपितु समाज हित के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देने का प्रयास कर रहा है। आगे उन्होंने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा सुदृढ़ समाज की बुनियाद हैं। अतः इन दोनों को समन्वय के साथ कार्य करना, समाज हित में लाभप्रद होगा। शिविर में आए सभी चिकित्सकों को श्री देव ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि आपका सहयोग काफी सराहनीय रहा। मेरे इस पहल में आपका योगदान सार्थक रहा तो निश्चित रूप से पलामू में समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के उप प्राचार्य एस. बी. साहा ने किया। उक्त मौके पर प्रवीण दुबे, समन्वयक अमरेंद्र कुमार, रिजवाना परवीन, रोशन राज, निकिता गुप्ता, विकास विश्वकर्मा, श्याम किशोर पांडेय समेत अन्य लोग सक्रिय रहे।

झारखंड में 35 लाख से अधिक विद्यार्थियों को अब तक नहीं मिली पुस्तकें

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांचीः राज्य के प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हुए लगभग 40 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक लगभग 35 लाख बच्चों को पाठ्यपुस्तकें नहीं मिल पाई हैं. न तो जिलों को नई किताबें प्राप्त हुई हैं और न ही इसके वितरण की कोई स्पष्ट समय-सीमा तय की गई है. राजधानी रांची की स्थिति भी यही है, जिससे दूरस्थ जिलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है.

एक अप्रैल से सत्र शुरू है वर्तमान में छात्रों को पुरानी पुस्तकों से ही पढ़ाया जा रहा है. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद को प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी सत्र 2025-26 के लिए

कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं के लिए लगभग 35 लाख पुस्तकों का वितरण करना है.

इधर प्राथमिक शिक्षक संघ ने शिक्षा विभाग के कार्यशैली पर सवाल खड़ा किया है. संघ का कहना है कि ग्रीष्मावकाश से पूर्व छात्रों को पुस्तकें नहीं मिल पाएंगी. अगर बहुत प्रयास भी किए जाए, तब भी 15 जून से पहले पुस्तकों का वितरण संभव नहीं है. संघ के पदाधिकारी नसीम अहमद ने सवाल उठाया कि जब हर वर्ष छात्रों को पुस्तकें उपलब्ध करानी ही होती हैं तो सत्र की शुरुआत से पहले ही इसकी तैयारी क्यों नहीं होती? शिक्षा विभाग इसके लिए कोई ठोस कार्य योजना क्यों नहीं बनाता और हर साल होने वाली इस देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती?

उन्होंने आगे कहा कि यह गरीब बच्चों के साथ एक तरह का मजाक है. दूसरी ओर, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव ने हाल ही में आदेश जारी किए हैं कि शिक्षकों का वेतन तभी जारी होगा, जब छात्रों का पाठ्यक्रम समय पर पूरा होगा, लेकिन छात्रों को अभी तक पुस्तकें भी उपलब्ध नहीं कराई गई हैं. यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है.

तेज रफ्तार का कहर, बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल

धनबाद। तोपचांची थाना क्षेत्र के जीटी रोड पर एक बार फिर से तेज रफ्तार ने कहर बरपाते हुए दो युवकों को अपना निशाना बनाया है, इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिन्हें तोपचांची सी एच सी में इलाज के बाद बेहतर उपचार के लिए धनबाद भेजा गया है, दोनों घायल युवक गोमो के बताए जाते हैं,एक युवक गया का रहने वाला है जो गोमो के पुराना बाजार में एक सैलून में कार्य करता है, घटना तोपचांची थाना क्षेत्र के वाटर बोर्ड स्थित ब्रिज पर घटित हुई है. घटना के संबंध में बताया

जाता है कि दोनों युवक बाइक से जा रहें थे इसी क्रम में बाइक सवार ब्रिज पर किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए जिससे दोनों ब्रिज पर गिर पड़े,हेलमेट नहीं रहने के कारण दोनों युवक गंभीर रूप से घायल है, युवकों के सिर पर गंभीर चोट आई है जबकि घायलों की स्थिति नाजुक बनी है.

घायलों की पहचान गोमो के हरिहरपुर थाना क्षेत्र के पुराना बाजार निवासी समीर कुरेसी है जबकि दूसरा युवक गया का रहने हामिद अंसारी है जो गोमो के पुराना बाजार के सैलून में काम करता है.

सूचना पाते ही तोपचांची पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर बाइक को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई तथा घायलों को बेहतर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साहूबहियार भेज कर तत्काल उपचार करने के बाद धनबाद रेफर कर दिया गया।

झारखंड सरकार का बड़ा फैसलाः अस्पतालों में शव बंधक बनाने पर रोक, मरीजों के अधिकारों की रक्षा के लिए उठाया गया कदम

● कांग्रेस नेता वाहिद खान ने झारखंड सरकार के निर्णय का किया स्वागत, कहा- अस्पतालों में शव बंधक बनाने पर रोक लगनी चाहिए

झारखंड सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसमें अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी हालत में शव को बंधक नहीं बना सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी उपायुक्तों और सिविल सर्जनों को पत्र भेजकर केंद्र के इस निर्देश को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है।

क्या है नया नियम?

नये नियम के तहत, अस्पतालों में इलाज के दौरान मरीज की मृत्यु के बाद बिल का भुगतान नहीं होने पर भी शव नहीं रोका जा सकता है। यह निर्णय मरीजों के अधिकारों की रक्षा और अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए लिया गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का निर्देश

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मरीजों की शिकायतों को सुलझाने एवं चिकित्सा सेवा को बेहतर बनाने के लिए एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत पेशेंट राइट एवं रेस्पांसिबिलिटी चार्टर को लागू किया है। इस चार्टर के तहत अस्पतालों को मरीजों के शव को यथाशीघ्र और सम्मानपूर्वक ढंग से परिजनों को सौंपना होगा।

महत्वपूर्ण बिंदुः

- अस्पतालों में इलाज के दौरान मरीज की मृत्यु के बाद बिल का भुगतान नहीं होने पर भी शव नहीं रोका जा सकता है।
- अस्पतालों को मरीजों के शव को यथाशीघ्र और सम्मानपूर्वक ढंग से परिजनों को सौंपना होगा।
- किसी भी कारण से शव को रोका नहीं जा सकता है।
- सभी अस्पतालों में पेशेंट राइट एवं रेस्पांसिबिलिटी चार्टर को प्रदर्शित करना होगा।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का बयान

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री पद की शपथ लेते ही एक बड़ी घोषणा की थी कि किसी भी परिस्थिति में मृतक का शव निजी अस्पतालों में रोक करके नहीं रखा जाएगा। हर हाल में शव परिजनों को सौंपना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय राज्य के हजारों परिवारों को राहत पहुंचाएगा और असमय अपनों को खोने वाले परिजनों के लिए एक बड़ी संबल और सहारा बनकर सामने आएगा।

सरकार का उद्देश्य

झारखंड सरकार का उद्देश्य मरीजों के अधिकारों की रक्षा और अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। सरकार ने अस्पतालों को निर्देश दिया है कि वे मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करें और उनके अधिकारों का सम्मान करें।

इंडियन सोशल फाउंडेशन परिवार की प्रतिक्रिया

इंडियन सोशल फाउंडेशन परिवार के संस्थापक सदस्य अरशद अली ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया है और आभार प्रकट किया है। आई.एस.एफ ने कहा कि यह निर्णय मरीजों के अधिकारों की रक्षा और अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

कांग्रेस नेता वाहिद खान ने सरकार के निर्णय का स्वागत किया

झारखंड प्रदेश कांग्रेस की अल्पसंख्यक विभाग के उपाध्यक्ष वाहिद खान ने कहा झारखंड सरकार के इस निर्णय का स्वागत है, जिसमें अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी हालत में शव को बंधक नहीं बना सकते हैं। यह हमारी गठबंधन झारखंड सरकार के मंत्री डॉ इरफान अंसारी जी का का बहुत ही अच्छा कदम है। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि इसे सही रूप से पूरे झारखंड के अस्पतालों में लागू किया जाए, ताकि किसी भी व्यक्ति के पास पैसा न होने की स्थिति में उसके परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसकी डेड बॉडी को न रोका जाए। यह एक बहुत ही अच्छा काम है और इससे राज्य के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

निष्कर्ष

झारखंड सरकार के इस निर्णय से राज्य के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और अस्पतालों पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। लोगों को उम्मीद है कि इस निर्णय से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और मरीजों के अधिकारों की रक्षा होगी। यह निर्णय केवल एक आदेश नहीं, बल्कि एक मानवीय पहल है - जो संवेदना, सहानुभूति और न्याय की बुनियाद पर आधारित है। यह कदम झारखंड में एक नई स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव रख रहा है - जहां इंसानियत सबसे ऊपर है।

कल्याणपुर के समीप पुल में एक मोटरसाइकिल में तीन सवार हाईवे के चकमा से गिरने के बाद एक की मौत, दो घायल

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत कल्याणपुर के पीछे पुल के समीप एक मोटरसाइकिल में तीन सवार जाने के क्रम में हाईवे के चकमा से गिरने के बाद एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत दूसरा व्यक्ति को कमर टूटा तीसरा व्यक्ति को भी पेर टूट गया। बताते चलें कि एक

मोटरसाइकिल में तीन सवार रास्ते में जाने के क्रम में हाईवे के चकमा से पेड़ जा टकराया जिससे बिजून तिर्की पिता सीताराम तिर्की 22 वर्ष ग्राम माण्डर थाना टंडवा का घटना स्थल पर ही मौत हो गई एवं दुसरे व्यक्ति को कमर टूटा तीसरे व्यक्ति को पैर टूटने से स्थिति को नाजुक देखते हुए रांची रेफर कर दिया गया घटना शनिवार दोपहर के हुए इस घटना से स्थानीय ग्रामीण एवं प्रतिनिधियों ने रोड को जाम कर कंपनी से मुआवजा की मांग करते हुए मृतक के आश्रित को लास्ट में स्थानीय मुखिया के पहल पर सहयोग राशि के नाम पर दो लाख रुपए 200000 दिया गया। मुआवजा मिलने के बाद काफी मशक्कत से जाम हटा मृतक बिजुन तिर्की हाईवे ड्राईवर चालक बताया जा रहा था मृतक का दो भाई एवं दो बहन एवं मां-बाप को छोड़ चला गया। रोड में घटना को देखते हुए स्थानीय लोगों ने काफी अफसोस जाहिर करते हुए गुस्साए लोगों ने कहा कि ट्रांसपोर्टिंग बंद होनी चाहिए ग्रामीणों के रास्ते से खून का नदिया नहीं बहे इस पर प्रशासन को सोचना चाहिए ऐसी घटना ना घटे इस पर पहल करनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने आवासीय विद्यालय में मुलभूत सुविधाओं एवं सुरक्षा का हाल जाना

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने रविवार को कीताझोर स्थित अनुसूचित जाति आवासीय प्राथमिक विद्यालय, भारत सेवाश्रम एवं लिट्टीपाड़ा स्थित रिंची अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने आवासीय विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय भवन की स्थिति, कमरे, शौचालय, पुस्तकालय आदि का जायजा लिया। उपायुक्त ने बच्चियों से बात कर खाने पीने की व्यवस्था व पढ़ाई से संबंधित बारी-बारी से जानकारी ली। उपायुक्त ने छात्रों की संख्या, सभी प्रकार के रजिस्टर, रसोई और भोजन कक्ष, छात्रावास का कमरा, कक्षा कक्ष भोजन की गुणवत्ता और मात्रा, विद्यार्थियों के लिए नोटबुक और पुस्तकें, साथ ही छात्रों को दी जाने वाली नैतिक शिक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त किया।

रामगढ़ के औडतारा पेट्रोल पंप के समीप ट्रक व बाईक के टक्कर में 62 बर्षिय वृद्ध व्यक्ति गंभीर, सुचना पर पहुंची पुलिस, दोनों वाहन जप्त

रामगढ़/रामजी साह।
हंसडीहा थाना क्षेत्र के दुमका भागलपुर मुख्य मार्ग पर ओड़तारा पेट्रोल पंप के समीप रविवार की शाम तेज रफ्तार ट्रक और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।
घटना की सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है।
मोटरसाइकिल सवार की पहचान हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुशयारी गांव के रहने वाले 65 वर्षीय दिगंबर कापरी के रूप में हुई है।
मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार कुशयारी गांव से हंसडीहा की ओर जा रहे थे, तभी ओडतारा पेट्रोल पंप के समीप पहुंचने पर हंसडीहा की ओर से दुमका की ओर जा रही तेज रफ्तार ट्रक से आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद हंसडीहा थाना की पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

शोभा यात्रा अध्यक्ष निरंजन पंडित के नेतृत्व में निकाली गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बोरियो प्रखंड में संतमत सत्संग आश्रम तेलो से आज रविवार को संत महर्षि मेही परमहंस महाराज की 141 वीं जयंती के उपलक्ष में शोभा यात्रा अध्यक्ष निरंजन पंडित के नेतृत्व में निकाली गई। इसके पूर्व संतमय सत्संग आश्रम में महर्षि मेही परमहंस महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्चना एवं माल्यार्पण भक्तों के द्वारा किया गया। शोभा यात्रा पूरे तेलो गांव का भ्रमण किया गया। स्तुति एवं प्रार्थना भी हुई। अपराह्न में भजन, कीर्तन एवं संध्या में भंडारण का आयोजन हुआ। इस मौके पर संतमय सत्संग के संरक्षक चतुरानंद पंडित, सचिव विकास पंडित, कोषाध्यक्ष मनोहर पंडित, कामदेव पंडित, अर्जुन पंडित, पंकज पंडित, जय जयकांत पंडित, प्रदीप पंडित देव नारायण पंडित, गंगा पंडित, शीतल पंडित, और अन्य लोग मौजूद थे।

ताड़कून तोड़ने के दौरान हाई टेंशन तार के चपेट में आने से दो बच्चे मूर्छित होकर घायल हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र के कसबा गांव में रविवार को ताड़कून तोड़ने के दौरान हाई टेंशन तार के चपेट में आने से दो बच्चे मूर्छित होकर घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार आनंद मंडल का पुत्र राहुल मंडल 11 वर्षीय और विष्णु प्रमाणिक का पुत्र विशाल प्रामाणिक 10 वर्षीय दोनों घर से कुछ दूरी पर बगीचा में बांस के सहारे ताड़ के पेड़ से ताड़कून तोड़ रहा था। तभी वहां से गुजर रहे 11 हजार हाई टेंशन तार के चपेट में किसी तरह आ गया और झटका लगने से दोनों दोस्त गिरकर घायल हो गया। दोनों के परिजनों को पता चलते ही आनन फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने दोनों का इलाज किया।

पालोजोरी में मुख्यमंत्री पशुधन योजना में बीमार बकरी का वितरण, एक दिन में मरने लगी बकरी..

- वितरण से पहले बकरी का डॉक्टर के द्वारा स्वास्थ्य रिपोर्ट होता है तैयार
- लाभुक का मोबाइल पर बात करना भी पसंद नहीं करते है पदाधिकारी

आदिवासी एक्सप्रेस/देवघर
कृष्णा गोस्वामी
पालोजोरी प्रखंड में मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत बांटी गयी बकरियां मरन शुरू हो गई है। बेहतर नस्ल की बकरी की आपूर्ति नहीं किये जाने की वज के एक ही दिन के बाद से ही बकरी के मरने का सिलसिला जारी है। बकरी के मरने की वजह से पशुपालक सदमे में हैं। आय की वृद्धि के विपरित पशुपालक को घाटे का सामना करना पड़ रहा है। पालोजोरी प्रखंड के विभिन्न गांवों में मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत पशुपालन विभाग की ओर से क्षेत्र के 20 लाभुकों के बीच बकरी का वितरण किया गया है। एक दिन पहले बांटी गयी बकरियों में से एक लाभुक कोलगी गांव की रहने वाली रॉकी देवी की बकरी शनिवार को मर गयी। बकरी के मरने के बाद लाभुक रॉकी देवी दुखी हैं।
उसके द्वारा विभाग को सूचना दिये जाने के बावजूद अब तक विभाग की ओर से ना तो सुनी गयी व ना ही किसी भी प्रकार की सूचना लेकर मरी हुई बकरी के बारे में पड़ताल ही किया। उन्होंने कहा कि वितरण के समय ही बीमार बकरी दिया गया था। मना करने पर बाद में देखने की बात कह दे दिया गया।
बताया जाता है कि बांटी गयी बकरी में प्रत्येक लाभुक को चार बकरी एवं एक बकरा दिया गया था। सरकार की ओर से एक यूनिट पर पांच बकरी जिसमें राशि के तौर पर 24800 रुपये खर्च किया गया है। उक्त राशि में से 21 000 बकरी पर एवं 8% की दर से बीमा किया जाना है। बीमा की राशि 1680 रुपये की दर से दिया जाना है। बकरी के दवा पर 1000 रुपये का खर्च भी जुड़ा है। अन्य खर्च 11 20 रुपये की दर से सरकार की ओर से गरीब परिवार को आर्थिक उन्नयन के लिए दी जा रही है। इनमें से बकरी, सूअर, गाय एवं मुर्गी पालन पर करोड़ों की राशि खर्च की जा रही है। सरकार के नियम के अनुसार आदिवासी व हरिजन को 90%, ओबीसी जनरल जाति के लाभुक को 75% अनुदान पर बकरी दी जाती है। गरीब परिवार अपना अंशदान कठिन मेहनत से जमा कर बकरी लेते हैं।बकरी के मर जाने से निराशा हाथ लगी है। बकरी की मौत के बाद बीमा की राशि लाभुक को दिए जाने का प्रावधान है। मगर ऐसे लाभुक प्रखंड का चक्कर काट काट कर परेशान हो जाते है। प्रखंड के पशुपालन डॉक्टर के द्वारा भी कोई रुचि नहीं लिया जा रहा है। ग्रामीण की शिकायत के बाद भी डॉक्टर कोई भी पहल नहीं करते हैं। यहां तक की क्षेत्र के लोगों के मोबाइल पर बात करना भी पसंद नहीं करते है।
क्या कहते हैं उपप्रमुख प्रतिनिधि- इस सम्बंध में पालोजोरी प्रखंड उपप्रमुख प्रतिनिधि सुशील साधु ने कहा कि कल पशुपालन विभाग के द्वारा पशुधन योजना के तहत बकरी का वितरण किया गया है, जिसमें से बकरी को देखने से प्रतीक होता था कि दो से चार दिन की ही जिंदगी होगी। एकदम मरा मरा और बूढ़ा बूढ़ा बकरी लाभुकों को दिया गया है। 48 घटना भी पूरा नहीं हुआ है ओर बकरी मरने की जानकरी क्षेत्र से मिलने लगा। सरकार से मांग करते हैं कि इस योजन की जांच होनी चाहिए। डॉक्टर के द्वारा बकरी का स्वास्थ्य रिपोर्ट ग़लत बनाया है तभी यह स्थिति है।
क्या कहते हैं पशुपालन पदाधिकारी- इस संबंध में पालोजोरी पशुपालन पदाधिकारी डॉ ब्रजेश कुमार से बात हुई तो उन्होंने कहा कि लाभुकों को कई तरह की जानकारी दी गई थी। बकरी मरने के बाद बीमा का लाभ दिया जाएगा।

संदेहास्पद तरिके में मिली युवक का शव पूरे गांव में पसरा मातम का माहौल

ममला खागा थाना क्षेत्र के मोहनपुर का

पालोजोरी/देवघर
कृष्णा गोस्वामी
देवघर जिले के पालोजोरी प्रखंड के खागा थाना क्षेत्र के मोहनपुर के जंगल से रविवार को एक युवक का शव संदेहास्पद तरीके में मिली है, जिससे पुरा गांव में मातम का माहौल पसर गया है। वही मृतक की पहचान नरेश हांसदा उम्र करीब 18 वर्ष पिता प्रभाकर हांसदा, गांव मोहनपुर, थाना खागा के रूप में हुई है । वही परिजनों के मुताबिक मृतक नरेश हांसदा दिनांक 09/05/2025 दिन शुक्रवार को कोंगापाड़ा में एक शादी घर गया था, शादी घर से घर नही लौटने के बाद परिजनों के काफी खोजबीन जारी था, जिसके तीन दिन बाद दिनांक 11/05/2025 दिन राविवर को एक खबर फैली की जंगल में एक युवक शव पेड़ से लटका हुआ है। खबर फैलने के बाद आनन फानन में मोहनपुर एवं अगल-बगल के ग्रामीण जमा हो गए। वहीं सुचना मिलते ही खागा थाना के प्रभारी राजेश यादव, एएसआई शिशुपाल महतो दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे एवं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल देवघर भेज दिया गया है। वहीं पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।
परिजन की स्थिति खराब-
मृतक नरेश हांसदा के परिवार में कुल चार सदस्य हैं जिसमें मृतक नरेश हांसदा के पिता प्रभाकर हांसदा शरीर से विकलांग स्थिति में है, वह चल फीर नही पाते है एवं एक बहन जो मुंह से विकलांग है जो बोल नहीं पाती है एवं मृतक की मां निलमुनी सोरेन सिर्फ अपने संघर्ष करके अपने परिवार की गुजर बसर करती है। बता दे की इस परिवार में एक ही लडका था जो अब इस दुनिया में नहीं रहा।

कोटालपोखर बाजार में जाम से मिलेगी मुक्ति, मुआवजा प्राप्त करने वाले रैयतो को 15 दिनों में खाली करना होगा जमीन व मकान

- रैयतो को 15 दिनों के अंदर जमीन खाली करने का आदेश

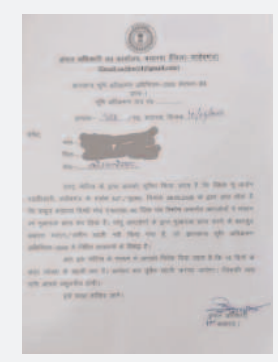

आदिवासी एक्सप्रेस/
अजय कुमार कुशवाहा
साहिबगंज जिला अंतर्गत पाकुड़ बरहरवा मुख्य सड़क के कोटालपोखर बाजार में बार-बार सड़क जाम की समस्या से अब लोगों को मुक्ति मिलेगी मिली जानकारी के अनुसार जिला भू अर्जन कार्यालय साहिबगंज से प्राप्त पत्र के आलोक में अंचल कार्यालय बरहरवा की ओर से सड़क में जमीन व मकान का भुगतान प्राप्त करने वाले रैयतो को 15 दिनों के अंदर जमीन खाली करने का आदेश प्राप्त हुआ है इस संबंध में प्रथम चरण में करीब 50 से अधिक रैयतो को नोटिस दे दिया गया है कोटालपोखर बाजार के शांति मोड गनी चौक पाकुड़ बरहरवा रोड चौड़ीकरण को लेकर कार्य आगे बढ़ना शुरू हो चुका है बार-बार सड़क जाम की समस्या को लेकर प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए सभी रैयतो को जमीन खाली करने का आदेश दिया है नोटिस प्राप्ति के 15 दिनों के अंदर खाली नहीं करने वाले रैयतो का प्रशासन बलपूर्वक खाली कराएगा एवं इसकी व्यय राशि भी वसूली की जाएगी जाम की समस्या के कारण विद्यालय के बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाए थे तो वही कई लोग समय पर अस्पताल भी नहीं पहुंच पाए थे क्योंकि गनी चौक शांति मोड टेंपो स्टैंड पर अक्सर टोटो एवं ऑटो चालक अपनी गाड़ी सड़क किनारे ही खड़ी कर देते थे सड़क पतला होने के कारण जाम की समस्या उत्पन्न होती है. बरहरवा अंचल क्षेत्र अंतर्गत पाकुड़ बरहरवा मुख्य पथ के गुमानी चौक के समीप पिछले महीने बड़े स्तर पर अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन के द्वारा अभियान चला कर अतिक्रमण मुक्त कराया गया था यहां पर भी रैयतो के द्वारा जमीन व मकान की भुगतान प्राप्त कर लेने के बाद जमीन नहीं खाली किया गया था जिसके बाद प्रशासन ने उन्हें नोटिस देकर 15 दोनों का समय दिया और प्रशासन ने बुलडोजर के सहारे सभी अतिक्रमण को हटाते हुए सड़क को अतिक्रमण मुक्त किया यहां पर भी अक्सर सड़क जाम की समस्या प्रशासन को प्राप्त होती थी.

एक बालक का पानी में डूबने से मौत हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बालक का पानी में डूबने से मौत हो गया। मिली जानकारी के अनुसार घोगी पहाड़ के निवासी चुड़ो पहाड़िया का 5 वर्षीय पुत्र दिन में पानी में डूब गया। जहां परिजनों ने पानी से निकालकर आनन फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर जांच करने के उपरांत बालक को मृत घोषित कर दिया। वहीं परिजन अपने अमृत बालक को घर लेकर चला गया। जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शनिवार को देर रात एक बच्चे को सांप काट लेने से मूर्छित हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। राजमहल क्षेत्र के नया बस्ती मोहल्ले में शनिवार को देर रात एक बच्चे को सांप काट लेने से मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रहमत शेख के 10 वर्षीय पुत्र फजल करीम घर के बाहर चापानल में पानी पी रहा था। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने उसे काट लिया, जिससे वह मूर्छित हो गया। परिजनों को पता चलते ही इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया।

उत्तराखंड पुलिस पहुँची हिरणपुर, 420 व साइबर क्राइम के आरोपी चंदन तिवारी के परिजनों को कुर्की की दि चेतावनी

लंबे समय से फरार है आरोपी, पूछताछ के बाद उत्तराखंड पुलिस ने सख्त कार्रवाई के संकेत दिए

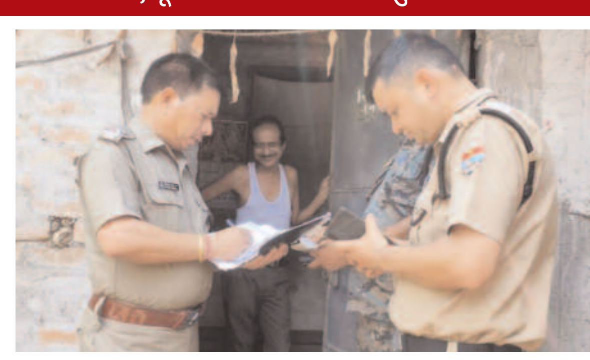

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
हिरणपुर (पाकुड़)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के रानीखेत थाना से पुलिस टीम झारखंड के पाकुड़ जिला अंतर्गत हिरणपुर थाना क्षेत्र पहुँची। साइबर क्राइम और धोखाधड़ी के गंभीर मामले में फरार चल रहे आरोपी चंदन तिवारी की तलाश में पहुँची टीम ने उसके ससुराल पहुँचकर पूछताछ की और आवश्यक जानकारी जुटाई। इस संबंध में उनके कथित ससुर प्रदीप झा एवं सास ने बताई की उसे वर्षो से कोई संबंध नहीं है और ना ही बातचीत होती है। बताया गया कि वह पाकुड़ में रहता है। इस संबंध में टीम का नेतृत्व कर रहे एसआई कैलाश चंद्र और देवेंद्र सिंह ने बताया कि चंदन तिवारी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और आईटी एक्ट की धारा 66D (साइबर अपराध) के तहत मामला दर्ज है। आरोपी पर ऑनलाइन धोखाधड़ी करने का आरोप है और वह लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा है। उत्तराखंड पुलिस के साथ हिरणपुर थाना के एस आई गोविंद साव भी साथ थे। उत्तराखंड पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यदि आरोपी शीघ्र पुलिस के समक्ष हाजिर नहीं होता या गिरफ्तार नहीं किया जाता है, तो उसके घर की कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। इस सिलसिले में स्थानीय हिरणपुर थाना पुलिस भी उत्तराखंड टीम को सहयोग प्रदान कर रही है।
पुलिस कार्रवाई की सूचना फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों के बीच यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं, पुलिस सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में गिरफ्तारी को लेकर सघन अभियान चलाया जा सकता है।

हाथकाठी में 24 प्रहर व्यापी हरिराम संकीर्तन और भक्त समावेश हुआ प्रारंभ

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
हिरणपुर (पाकुड़) हाथकाठी स्थित गौर मंदिर प्रांगण में रविवार रात अधिवास के उपरांत सोमवार प्रात से 24 प्रहर व्यापी हरिराम संकीर्तन सह भक्त समावेश प्रारंभ हुई।
24 प्रहार संकीर्तन 11 मई 2025 रविवार रात को अधिवास एवं श्री राधा गोविंद की पूजा आयोजन हुआ तत्पश्चात सोमवार से कीर्तन मंडली के द्वारा पूर्व राग का आयोजन होगा, तथा मंगलवार को वन लीला, बुधवार को मान, रूप एवं रासलीला का आयोजन होगा।
जबकि गुरुवार को कुंज भंग, धुलट एवं प्रसाद वितरण के साथ समापन हो जाएगा।
उक्त आयोजन में पुरोहित के रूप में श्री अक्षय चक्रवर्ती एवं तापस बनर्जी ने विधि विधान के साथ राधा गोविंद की पूजा अर्चना एवं अधिवास किया, जिसमें वैष्णव के रूप में श्री काजल दास डागांपाडा अपने वैश्ण रिति से आयोजन में भाग लिए।
कीर्तन मंडली में मुख्य रूप से नयना दास शिरडी (पश्चिम बंगाल), गीता रानी दास (बालूरघाट), सुब्रत पाल बीरभूम (सायथिया), कल्याणी सरकार (मालदा) भीम साहा पूर्व शिक्षक हिरणपुर (झारखंड) तथा रविंद्र नाथ पंडित तिलभिट्टा (झारखंड) मुख्य रूप से हरि नाम संकीर्तन का श्रवण कराएंगे।

अनिश्चितकालीन के आज चौथे दिन धरना के दे रहे सदस्यों के बीच पहुंचे बीडीओ ने खुले मंच से दिया योजना का प्रलोभन, धरना से उठ खड़े हुवे प्रदर्शनकारी बीडीओ पर भड़के.... कहा प्रदर्शन जारी...

वहीं बीडीओ आमिर हमजा ने पत्रकारों को ख़बर चलाने से किया मना..

आदिवासी एक्सप्रेस/देवघर
पालोजोरी प्रखंड में इन दिनों प्रमुख के साथ दुर्व्यवहार प्रकरण को लेकर प्रखंड मुख्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन हड़ताल के आज चौथे दिन भी प्रमुख सहित सभी पंचायत समिति सदस्य के लोगों द्वारा प्रोटेस्ट जा रही थी। इसी बीच अचानक से दुर्व्यवहार के आरोप लगे बीडीओ आमिर हमजा धरने पर बैठे लोगों से एकाएक मिलने आ पहुंचे व आते ही लोगों अपने चिकनी चुपड़ी बातों से लोगों फसाना चाहा परन्तु विफल रहा। जबकि उनके चेहरे पर अपनी गलती का तनिक भी अफ़सोस या मायूसी देखने को नहीं मिला। जिससे ये साफ जाहिर होती हैं कि एक आदिवासी महिला को प्रताड़ित करने के बाबजूद भी उन्हें किसी प्रकार का कोई शर्मिंदगी महसूस नहीं हैं। जबकि अपने किये पर क्षमा याचना की बजाय खरीद परोक्त जैसी बातें देखने सुनने को मिल रही थी। वहीं बीडीओ आमिर हमजा ने कहा कि मेरा तो इंशाअल्लाह प्रमोशन को है, जब तक हम हैं जितना कमा सकते हो कमा लो वहीं इस तरह बातों सुनते ही सभी पंचायत समिति सदस्यगन एकदम से भड़क उठे। और उनके विरोध में जमकर नारे बाजी करते हुए देखने को मिले। वही इस मौके पर उपप्रमुख प्रतिनिधि सुशील कुमार साधु, उपप्रमुख पायल साधु, बबलू महतो, उत्तम राय, अजरुद्दीन अंसारी, रियाज़ अंसारी, जाकिर अंसारी, सगीर अंसारी, गणी मियां, मनिशल हांसदा, चंद्रदेव मोहली, राजेंद्र मोहली, टिकेश्वर हांसदा, संतोष बेसरा, प्रमुख प्रतिनिधि दिनेश मुर्मू, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि शंकर टुडू, भोला यादव, सरफराज अंसारी, शमशुल हक, प्रेम टुडू, जितेंद्र महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

भारत ने हमला नहीं, जवाबी कार्रवाई की है

>> विचार

> “ दिलचस्प यह है कि पाकिस्तान के इन हमलों को निष्फल करने वाली आकाश मिसाइल को भारत की अपनी स्वदेशी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने बनाया है। भारत ने उनके तीन सैनिक ठिकाने जहां तबाह किए हैं, वहीं उसको लगातार जवाब दिया जा रहा है। भारत को अपने षडयंत्र का निशाना बनाने वाले भारतीय मूल के आसिफ मुनीर लगातार हालात को बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। सुनने में भले ही अजूबा लगे, भारत के खिलाफ आतंकी युद्ध के पीछे भारत से पाकिस्तान गए लोगों का ही हाथ रहा...ठीक 26 साल पहले पाकिस्तान ने सियाचिन इलाके में घुसपैठ के जरिए हम पर करगिल का युद्ध थोप दिया था।

उमेश चतुर्वेदी

भारत ने काफी सावधानी से इन स्थलों को चुना और मिसाइल एवं ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। भारत की कोशिश यह रही कि उसकी कार्रवाई की जद में सामान्य नागरिक ना आएं। लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। चाहे दुश्मन की हों, या अपनी, सेनाएं हमेशा चौकस रहती हैं। ऐसे में छह और सात मई की दरमियानी रात भारतीय सेनाएं जिस तरह पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर की नौ जगहों पर सफल निशाना साधने में कामयाब रहीं, उससे पाकिस्तान की सेना, उसकी चौकसी और चीन से खरीदे उसके चौकसी वाले तंत्र पर सवाल उठता है। भारत ने यह कार्रवाई पहलगाम में 22 अप्रैल को बहे बेगुनाह खूनों के जवाब में किया। भारत के खबरिया टीवी चैनल अक्सर ही जल्दबाजी में रहते हैं। उनके यहां सोच-विचार की प्रक्रिया की गुंजाइश कम है। शायद यही वजह है कि भारतीय कार्रवाई को उन्होंने पाकिस्तान पर हमला बताने में देर नहीं लगाई। लेकिन यह ध्यान रखने की बात है कि हमला एक तरह से युद्ध की शुरुआत होता। इस लिहाज से देखें तो भारत ने जवाबी कार्रवाई की है, हमला नहीं। क्योंकि भारत ने अपनी तरफ से शुरूआत नहीं की है। इसमें दो राय नहीं कि पहलगाम में बहाए गए बेगुनाह खूनों के चलते देश में गुस्से की लहर थी। पहलगाम में आतंकियों ने जिन 26 बेगुनाह लोगों का खून बहाया, उनमें एक नेपाली नागरिक भी था। हैरत की बात यह है कि इन बेगुनाहों खून बहाते वक्त आतंकियों ने बाकायदा उनसे नाम पूछा, उन्हें कुरान की आयत और कलमा पढ़ने को बोला। यहां तक कि उनके वस्त्र उतारकर उनके अंदरूनी अंगों को देखा और हिंदू होने की तसल्ली होते ही बिना वजह गोलियों सो उड़ा दिया। उसमें दो ऐसी महिलाएं विधवा हुईं, जिनके माथे पर कुछ ही दिनों पहले सिंदूर का तेज शामिल हुआ था। आतंकियों ने धर्म के नाम पर इन महिलाओं का सुहाग उजाड़कर सिर्फ इन महिलाओं और उनके परिवारों को सूना ही नहीं किया, बल्कि भारतीय सहनशक्ति को चुनौती दे दी। भारत में गुस्से की लहर उड़ना स्वाभाविक था। बिहार के मधुबनी में एक सभा में प्रधानमंत्री

मोदी का कहना कि सुहाग उजाड़ने वाले आतंकियों का पीछा करके उन्हें खोजकर मिट्टी में मिला दिया जाएगा, उस गुस्से की ही अभिव्यक्ति थी। उसी अभिव्यक्ति को भारतीय सेनाओं ने बीती छह और सात मई की आधी रात को एक बजकर पांच मिनट से डेढ़ बजे के बीच जमीनी हकीकत बना दिया। इस हमले में पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित मौलाना मसूद अजहर का केंद्र भी रहा, जिसने थोक के भाव से आतंकियों को पैदा किया और भारत निर्यात किया है। जिसमें 26 नवंबर 2008 को मुंबई को खून से लाल कर देने वाले अजमल कसाब और उसका षडयंत्र रचने वाले रिचर्ड हेडली भी शामिल थे। भारत ने काफी सावधानी से इन स्थलों को चुना और मिसाइल एवं ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। भारत की कोशिश यह रही कि उसकी कार्रवाई की जद में सामान्य नागरिक ना आएं। लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। दिलचस्प यह है कि उसने आतंकी ठिकानों को नागरिक ठिकाने बताना शुरू किया। इसके साथ ही उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह भी बताना तेज कर दिया कि भारत ने मासूमों को निशाना बनाया है। फिर उसने आतंकवादी कार्रवाई पर साझा जांच का प्रस्ताव रखा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे स्वीकार नहीं किया है। पाकिस्तान एक तरफ जहां खुद को प्रताड़ित बता रहा है, वहीं वह सात-आठ मई की रात से लगातार भारतीय क्षेत्रों में हमला कर रहा है। दुखद बात यह है कि वह खुद भारतीय क्षेत्र में नागरिक ठिकानों और घरों को निशाना बना रहा है। कश्मीर सीमा पर पुंछ में उसने एक गुरूद्वारे पर हमला किया, जिसमें रागी समेत चार लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान लगातार भारत के सैनिक ठिकानो पर हमला कर रहा है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वह तकरीबन पूरी पश्चिमी सीमा पर मिसाइल, मोर्टार, ड्रोन और हवाई हमले कर चुका है। उसने चंडीगढ़, जैसलमेर, बाड़मेर, उरी, अखनूर, पहलगाम, जम्मू, लेह, सर क्रीक, भुज समेत तमाम सैनिक ठिकानों पर निशाना साधने की कोशिश कर चुका है। यह बात और है कि भारत की जवाबी कार्रवाई में उसके तकरीबन सभी प्रयास नाकाम कर दिए गए। दिलचस्प यह है कि पाकिस्तान के इन हमलों को निष्फल करने वाली आकाश मिसाइल को भारत की अपनी स्वदेशी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने बनाया है। भारत ने उनके तीन सैनिक ठिकाने जहां तबाह किए हैं, वहीं उसको लगातार जवाब दिया जा रहा है। भारत को अपने षडयंत्र का निशाना बनाने वाले भारतीय मूल के आसिफ मुनीर लगातार हालात को बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। सुनने में भले ही अजूबा लगे, भारत के खिलाफ आतंकी युद्ध के पीछे भारत से पाकिस्तान गए लोगों का ही हाथ रहा...ठीक 26 साल पहले पाकिस्तान ने सियाचिन इलाके में घुसपैठ के जरिए हम पर करगिल का युद्ध थोप दिया था.. उस युद्ध के पीछे जनरल परवेज मुशर्रफ का हाथ था..पाकिस्तान जाने से पहले परवेज का परिवार दिल्ली के चांदनी चौक में रहता था..पहलगाम की नृशंस आतंकी कार्रवाई का षडयंत्र किस्तान के जनरल आसिफ मुनीर ने रचा। यहां जानना जरूरी है कि आसिफ का परिवार भी भारत से पाकिस्तान गया था..बंटवारे से पहले आसिफ का परिवार जालंधर में रहता था.. भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान लगातार मुंह की खा रहा है। इसके बावजूद वह दुष्प्रचार के जरिए अपनी डींगे हांक रहा है। पाकिस्तान अपने लोगों को लगातार बता रहा है कि उसकी सेनाओं ने भारत की सेना या वायुसेना को इतना नुकसान पहुंचाया। जबकि उसके ये दावे कोरे झूठ हैं। इस लिहाज से देखें तो भारत दो मोर्चों पर जूझ रहा है..पहला मोर्चा जहां सैनिक है, वहीं दूसरा मोर्चा सूचनाओं का है..अरब क्रांति के दौरान देवता के रूप में उभरा सोशल मीडिया अब देवता और दैत्य-दोनों ही भूमिकाओं में है..पाकिस्तान इन दिनों सोशल मीडिया की दैत्य वाली भूमिका का खूब उपयोग करते हुए भारत के बारे में लगातार गलत सूचनाएं दे रहा है..अपनी सेनाओं की झूठी कामयाबियों को इसी के जरिए वह फैला रहा है। भारत पर आरोप लगा रहा है कि भारतीय सेनाएं रिहायशी इलाकों और धार्मिक स्थानों पर हमला कर रही हैं.लेकिन यह गलत है और भारत का सार्वजनिक सूचना तंत्र और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय लगातार इन भ्रामक सूचनाओं को तथ्यों के साथ खारिज कर रहे हैं और पाकिस्तान के झूठ को बेपर्दा कर रहे हैं। वैसे यह दुनिया का जाना-पहचाना तथ्य है कि सीधी लड़ाई में नाकाम रहने वाले ही फर्जी खबरों का सहारा लेते हैं। सीधा युद्ध जो नहीं कर सकता, वही शेखी भी बघारता है। पाकिस्तान के दुष्प्रचार को इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। सच्चाई तो यह है कि भारत ने ज्यादातर पाकिस्तानी आतंकी उत्पाद केंद्रों और रक्षा केंद्रों को निशाना बनाया है। एक तरह से देखें तो भारत इस बार आतंक की फैक्ट्रियों के खात्मे को लेकर दृढ़ संकल्प नजर आ रहा है। दूसरी तरफ पाकिस्तान ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर रहा है और फिर उससे इनकार भी कर रहा है। इससे उसका डर भी जाहिर हो रहा है। भारत में यह मानने वालों की संख्या कम नहीं है कि पाकिस्तान का यह डर और बढ़ाया जाना चाहिए। पता नहीं यही वजह है या नहीं, लेकिन भारत की जवाबी कार्रवाई एक तरह से उसके डर को ही बढ़ाने की कोशिश कर रही है। जिन देशों की आर्थिक स्थिति खराब होती है, वे युद्ध जैसी विभीषिका से बचने की कोशिश करते हैं। लेकिन पाकिस्तान की स्थिति दूसरी है। दरअसल वहां सरकार दुनिया को दिखाने का एक चेहरा भर है। शाहबाज शरीफ भले ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हों, लेकिन असल ताकत वहां सेना प्रमुख आसिफ मुनीर के हाथ है। पाकिस्तान में कह सकते हैं कि सरकार में सेना घुसी हुई है। इसे दुनिया भी स्वीकार कर रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो का आसिफ मुनीर को फोन करना और युद्ध रोकने की बात करना सरकार में सेना के घुसी होने का ही सबूत है। पाकिस्तान की सेना एक तरह से सेना प्रमुख की लिमिटेड कंपनी होती है। सेना का रोजगार युद्ध और आतंक की सप्लाई से चलता है, इसीलिए पाकिस्तान की तरफ से आसिफ मुनीर इस युद्ध को जारी रखे हुए है। लेकिन उन्हें याद रखना होगा कि जिस तरह 1948, 1965, 1971 और 1999 में भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाया, 1971 में बांग्लादेश को अलग कराया, अगर वह नहीं सुधरा तो इस बार भारत बड़ा सबक सिखाएगा। कुछ पश्चिमी राजनीतिक जानकार तो कहने भी लगे हैं कि पाकिस्तान दरअसल प्रसव पीड़ा से गुजर रहा है और हो सकता है कि इस बार उसकी कोख से बलूचिस्तान का जन्म हो जाए। इसलिए पाकिस्तान को चेतना होगा। अगर वह नहीं चेतेगा तो भारतीय सेनाएं इस बार उसे ऐसा सबक सिखाएंगी कि वह लंबे समय तो उसे भूल नहीं पाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिली 1.4 अरब डालर की रकम हिचकोले खाती उसकी अर्थव्यवस्था को हल्का सा सहारा ही दे सकती है,लंबे समय तक उसे ढो नहीं सकती।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं..)

संपादकीय

दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी

पूरे देश में सडक़ों का जाल तैयार हो गया है। 2023-24 में देश के अंदर में हर दिन 33 किलोमीटर से अधिक नेशनल हाइवे का निर्माण हुआ है। केंद्रीय सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में कुल 12349 किलोमीटर नेशनल हाइवे बने हैं। सडक़ परिवहन मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना है कि वह हर दिन 100 किलोमीटर हाइवे बनाए। इससे भारत अमेरिका को टक्कर देने की स्थिति में पहुंच जाएगा। देश में सडक़ें तेजी से बन रही हैं और इस कारण से वाहनों की बिक्री भी बढ़ रही है। अब कहीं भी सडक़ मार्ग से जाना आसान होता जा रहा है। देश की राजधानी दिल्ली से यहां की वित्तीय राजधानी मुंबई तक पहले कारों से लोग नहीं जाया करते थे। उसमें 24 घंटे तक की थका देने वाली यात्रा करनी होती थी, लेकिन अब यह 1350 किलोमीटर की दूरी महज 12 घंटे में की जा सकती है। इस तरह की कई सडक़ें बन गई हैं जिनसे अपने गंतव्य पर पहुंचने में अब आधा समय लगता है और कम ईंधन फुंकता है। इससे सडक़ परिवहन को बढ़ावा मिला है और वाहनों की बिक्री भी बढ़ी है। देश में इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन भी बढ़ रहा है। विदेशी कंपनियों के अलावा भारतीय कंपनियां टाटा और महिंद्रा के अलावा दो पहिया बनाने वाली कई कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहन बनाने लगी हैं। भारत में बनी कारें चीनी कार बावायडी या फिर इलोन मस्क की टेस्ला से काफी सस्ती हैं। इस वजह से इनकी बिक्री भी खूब बढ़ रही है। भारत में काम कर रही अन्य कार निर्माता कंपनियां जैसे मारुति, हुंडई, एमजी वगैरह भी इलेक्ट्रिक कारें बना रही हैं। इससे इसके बाजार में विस्तार हुआ है और लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। फिलहाल परंपरागत कारों के साथ-साथ इन कारों की बिक्री भी बढ़ रही है। सबसे बड़ी बात है कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खेती से दोपहिया वाहनों की भी बिक्री बढ़ी है।

युद्धविराम हो गया, बोलना है तो गोदी-मोदी भाषा बोलो !

विष्णु नागर

व्यंग्य

ऑपरेशन सिंदूर' जब तक चल रहा था, तब तक सरकार जो भी कहे, उसे सुनना और मानना जरूरी था। इधर-उधर झांकना मना था। संदेह नहीं करना मना था। जो सरकार ने नहीं कहा, उसे सुनना मना था। हां सरकार का लाडला गोदी मीडिया इसका अपवाद पहले भी था, तब भी था। वह सरकार के असली मन की असली बात पहले भी बोलता था, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी बोलता रहा। उसे सब माफ़ था।ये विदेश सचिव और रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता तो सरकारी भाषा में बड़े संभल-संभल कर, बहुत तौल-तौल कर बोलते थे। उतना बोलते थे, जितना कि बोलना चाहिए। एक शब्द न कम, न एक अधिक मगर यह मोदी जी की कार्यशैली के विरुद्ध था। उनकी मन की बात के खिलाफ था। उनकी नीतियों और कार्यशैली का खुला अपमान था पर क्या करें, तब वक्त की मजबूरी थी। सहना पड़ रहा था। ये मोदी-गोदी की भाषा नहीं बोलते थे। इनके अलावा कोई कुछ भी कहे, सच हो तो भी उसे झूठ मानना था। कोई कहे कि भारत का एक फ्रांस से खरीदा रफाएल विमान गिरा दिया गया है तो इसे हरगिज़ सच नहीं मानना था। इसे दुश्मन द्वारा फैलाई गई अफवाह मान कर चलना था।सरकार ने फोर पीएम, द वायर और पुण्य प्रसून वाजपेयी के यूट्यूब चैनल पर रोक लगा दी थी क्योंकि ये मोदी की गोदी में कभी नहीं लेटे। इनको ऐसे संस्कार ही नहीं मिले थे। आठ हजार ट्विटर एकाउंट भी इसीलिए बंद किए गए थे कि हो सकता है, उनमें सच का कुछ अंश हो! युद्धविराम हो गया है मगर जुबान की तालाबंदी जारी रहेगी। बोलना है तो गोदी-मोदी भाषा बोलो वरना चुप रहो !युद्धविराम से पहले हमें कुछ नहीं बोलना था, कुछ नहीं देखना था और कुछ नहीं सोचना था और कुछ नहीं करना था। यह सारा भार सरकार ने उठा रखा था, जिसे विपक्ष ने इसका लाइसेंस दे दिया था, फिर भी बीजेपी इससे खुश नहीं थी। उसकी आईटी सेल दुख के भार से दबी थी। फिर भी उस सरकार का साथ

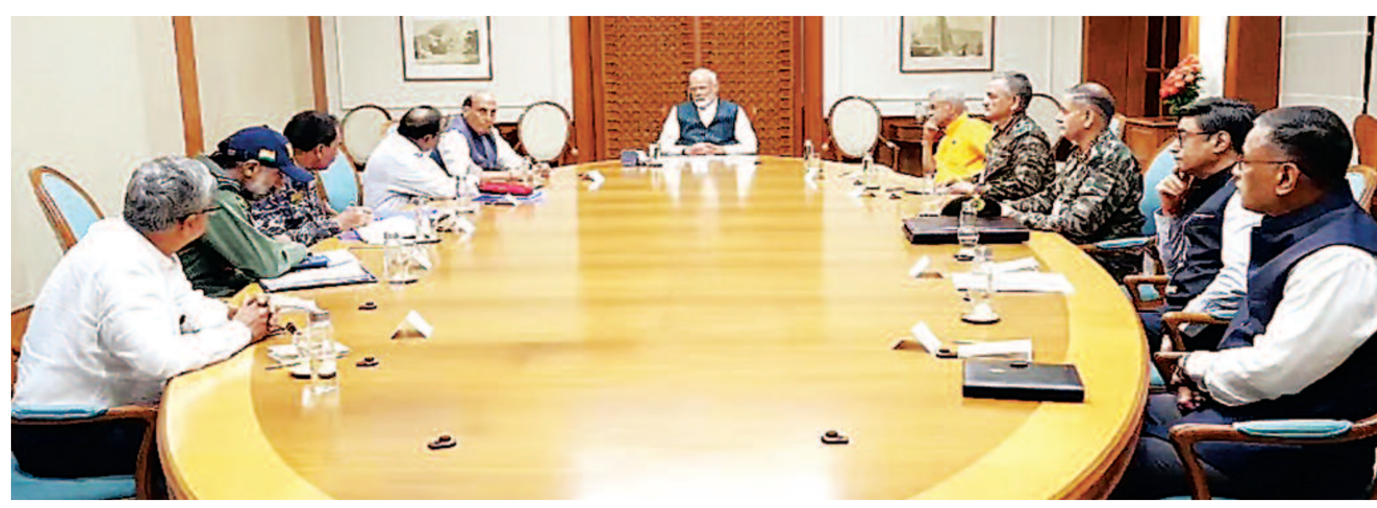

देना था, जिसे हम कल तक बात-बात पर गरियाते थे, झूठा कहते थे।उसे ही सच्चा मानना पड़ रहा था, देश का असली हितचिंतक स्वीकार करना पड़ रहा था। उससे कोई प्रश्न भूल से भी नहीं करना था। वैसे भी प्रश्न करने के लिए यह सरकार कभी उपलब्ध नहीं रही। उससे जितना चाहो, आत्मप्रचार करवा लो, इसमें उसका जवाब नहीं मगर सवालों का जवाब वह नहीं देती! यह मोदी-सिद्धांत के विरुद्ध है! वही बोलना था, वही सुनना था, वही और उतना ही पढ़ना था, जितना प्रधानमंत्री जी चाहते थे।वही देखना था, जो गृहमंत्री जी दिखाना चाहते थे। वही महसूस करना था, जो रक्षा मंत्री जी महसूस करवाना चाहते थे। अपने दिल-दिमाग को ताक पर रखकर भूल जाना था। उस पर धूल पड़ जाए तो उसे साफ नहीं करना था। दुखी नहीं होना था। कल तक हिंदू सबसे अधिक असुरक्षित थे, अब अत्यंत सुरक्षित होने लगे थे कि ऑपरेशन सिंदूर विदा हो गया। अब फिर से हिंदू 'असुरक्षित' होने लगेगा और मुसलमान फिर से 'सुरक्षित' हो जाएंगे।ऑपरेशन सिंदूर के समय गोदी मीडिया जो कहे, उसका मंडन न? कर सको तो खंडन भी नहीं करना था। वह भारत की वीरता के प्रदर्शन के लिए अफगानिस्तान, लेबनान, सीरिया की तबाही के मंजर के विडियो और फोटो परोसता तो उसे भी हमारे साहस और शौर्य का प्रमाण मान कर खुश रहना था। वे कहें पांच घंटे में पूरा पाकिस्तान खत्म, तो खत्म। वे कहें आज पाकिस्तान की आखिरी रात है, तो उसे वाकई आखिरी रात मान लेने में भला था।वे कहें लाहौर पर तिरंगा फहरा दिया तो फहरा दिया। वे कहें कि कराची भारत के क़ब्ज़े में आ चुका तो इसे कराची के क की क़ब्ज़े के क से अनोखी तुक मिलाने का शाब्दिक खेल समझने की भूल नहीं करना था। वे कहते कि इस्लामाबाद फतह तो मान लेना था कि फतह हो गया, हमने आधा पाकिस्तान जीत लिया तो जीत लिया। अब यह नशा हिरन हो गया है। जिन्होंने इसकी खुशी मनाई, मिठाई बांटी, डीजे बजाए, नाचे-कूदे- मोदी जी की जय बोली। यह खेल खत्म हो गया। इस शैली में खत्म हो गया, दूसरी शैली में जारी रहेगा। मोदी जी की दुंदुभी अब और जोर से बजेगी।और अंबानी जी आदि 'ऑपरेशन सिंदूर' को अपनी टीवी नेटवर्क का ट्रेडमार्क बनाने के लिए दौड़ पड़े थे तो इस पर टिप्पणी नहीं करना था। इसका बुरा नहीं मानना था। यह नहीं कहना था कि शव नोचने के लिए गिद्ध आ गए। इन्हें मौत और संकट में भी बिजनेस सूझता है। उनकी तारीफ़ करना था कि वे कितने देशभक्त हैं कि ऊपर से इशारा मिला कि अभी नहीं, थोड़ा रुककर आपका काम हो जाएगा तो तुरंत वे इस दौड़ से पीछे हटकर देशभक्त बन गए! ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था मगर प्रधानमंत्री के पास एक के बाद दूसरी सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के लिए भी समय नहीं था। मगर तब इस पर प्रश्न उठाना मना था। तब यह नहीं पूछना था कि उनके पास इसके लिए समय नहीं है तो फिर किसके लिए समय है? क्या इससे भी जरूरी कुछ है? क्या बिहार में चुनाव प्रचार करना उससे अधिक आवश्यक था? क्या गोदी चैनल के कार्यक्रम में जाकर वहां के एंकर-एंकरानियों के साथ फोटो खिंचवाना और विडियो बनवाना देश के लिए जरूरी था? तब इस तरह सोचना भी राष्ट्रद्रोह था, पाकिस्तान की भाषा बोलना था। 'द वायर' हो जाना था !यह तो प्रधानमंत्री की मेहरबानी थी कि वह पहलगाम पर आतंकी हमले की खबर सुनकर सऊदी अरब से फौरन लौट आए। न आते तो कोई उनका क्या कर लेता? और इसी बीच उन्हें फिर क्रोएशिया, नार्वे और हालैंड जाना था पर वे नहीं गए। तीन-तीन देशों की यात्रा का बलिदान उन्होंने देश के लिए उस समय किया। आप बताइए कि आज अगर जवाहरलाल नेहरू या इंदिरा गांधी या राजीव गांधी प्रधानमंत्री होते तो ऐसा त्याग कर पाते? उनमें देश के लिए ऐसा जज्बा था? भक्त कहेंगे, नहीं था।और सुनिए अगर ऑपरेशन सिंदूर लंबा खिंच जाता, युद्ध में बदल जाता और व्यापारी जम कर लूटने लगते तो भी उस समय चूं भी करना देशद्रोह माना जाता। उस समय व्यापारियों और ग्राहकों के बीच एकता बेहद जरूरी मानी जाती। अगर वे लूटते तो इसके लिए भी लोगों को अपने को दोषी मानना था, न कि लुटेरों को !बहरहाल युद्धविराम घोषित हुआ है, मगर विपक्ष और सरकार के बीच युद्धविराम लागू नहीं है। हिंदू-मुसलमान करने पर युद्धविराम लागू नहीं है। यह युद्ध चलता रहेगा। झूठ के कारखाने में उत्पादन होता रहेगा। पटरी से उतरा देश, पटरी से उतरा रहेगा।

प्रतिभाशाली बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

पंकज श्रीवास्तव

तमाम सख्त उपायों के बावजूद प्रतिष्ठित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में बैठने वाले अभ्यर्थियों का भरोसा टूटने का काम फिर हो गया। भारतीय प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए होने वाली स्तरीय परीक्षाओं में से एक ‘नीट’ लापरवाही के दलदल से बाहर नहीं निकल पाई है। गत चार मई को सम्पन्न हुई इस परीक्षा में राजस्थान में जयपुर, बिहार में समस्तीपुर और अन्य स्थानों पर डमी परीक्षार्थियों के पकड़े जाने की घटनाएं बताती हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं में जाने के इच्छुक बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली ये घटनाएं रोकी नहीं जा सकी हैं। कमजोर अभ्यर्थी की जगह स्कोरर के इस परीक्षा में बैठने के मामले जहां नहीं खुल पाते वहां कमजोर छात्र भी दाखिले की सीढ़ी तक पहुंच ही जाता है। मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की चाह रखने वाले लाखों अभ्यर्थियों का भरोसा तोडऩे के लिए ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं ही काफी होती हैं। ये मामले तो तब सामने आए हैं जब परीक्षा देने गए बच्चों को कड़ी सुरक्षा जांच के बीच प्रवेश दिया गया। अभिभावक बच्चों के सकुशल परीक्षा देकर आने की उम्मीद में परीक्षा केन्द्रों के बाहर घंटों कड़ी धूप में खड़े रहने को मजबूर भी हुए। कुछ को आधार कार्ड के चक्कर में दौड़ लगाते देखा गया। हर बार की तरह अभिभावकों ने जांच की इस सख्त व्यवस्था पर रोष भी व्यक्त किया। ईमानदार प्रतिभागियों और उनके अभिभावकों को भरोसा था कि अब इस परीक्षा में किसी किस्म की लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। परीक्षा में ‘मुन्ना भाइयों’ के शामिल होने के समाचार अखबारों की सुर्खियों में छाए रहे। एक तरह से वही तरीका जो पिछले सालों से इस परीक्षा के प्रति भरोसा तोड़ता रहा है वह फिर देखा गया। जब कभी एवजी परीक्षार्थियों को बैठाने वाला गिरोह पकड़ा जाता है तो डमी परीक्षार्थी के रूप में बैठने वाले किसी प्रतिभाशाली का भविष्य भी चौपट हो जाता है। चंद रकम के लालच में दलालों के झांसे में आकर ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी डमी छात्र के रूप में परीक्षा देने पहुंच जाते हैं। चिंता इस बात की भी है कि इस सब प्रक्रिया के सूत्रधार दलालों का कुछ नहीं बिगड़ता। पकड़े जाने पर थोड़ी-बहुत सजा हो भी गई तो सजा पूरी कर ये फिर नए स्थान और नए नाम से सक्रिय हो जाते हैं। भविष्य अंधकारमय तो उन प्रतिभाशाली विद्यार्थी का होता है, जिनका हक मारकर कोई अन्य मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने में कामयाब हो जाता है। सवाल ये है कि चाक-चौबंद व्यवस्थाओं में भी सेंध कैसे लग जाती है? फेस वैरिफिकेशन, बायोमैट्रिक्स का सत्यापन, आधार कार्ड की जांच, प्रवेश पत्र के फोटो से मिलान आदि कितने ही उपाय कैसे फेल हो जाते हैं? सीधी-सी बात है कि जिम्मेदार ही लापरवाही बरत रहे हैं। ऐसे मामले सामने आते भी हैं तो आरोपी बचाव की गलियां भी निकाल लेते हैं। दलाली के खेल लम्बी-चौड़ी बिसात पर होते हैं। परीक्षाओं की पवित्रता खत्म करने वाले पूरे कुनबे को सख्त सजा देने का काम होना चाहिए, ताकि भरोसा कायम रहे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी** * **फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

झरिया से बिराजपुर जा रहे परिवार की टेम्पो हादसे में भीषण टक्कर

• 14 लोग गंभीर रूप से घायल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। रविवार को रांची-दुमका मुख्य मार्ग स्थित जितकुंडी पुल के पास दो टेम्पो की आमने-सामने टक्कर में एक चालक और दो बच्चों समेत 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में झरिया निवासी एक ही परिवार के 12 सदस्य, जो शादी समारोह में शामिल होने बिराजपुर जा रहे थे, घायल हुए हैं। घायलों में महिलाएं, बच्चे और चालक शामिल हैं, जिनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर मरीजों को गिरिडीह सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों टेम्पो को आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घायलों में महिलाएं, बच्चे और चालक शामिल हैं, जिनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर मरीजों को गिरिडीह सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों टेम्पो को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरिडीह में कार और बाइक की टक्कर, दो गंभीर घायल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के मिर्जागंज में रविवार को एक स्विफ्ट कार और मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलने पर जमुआ पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

शादी के बाद ससुराल आए बच्चे की बराकर नदी में डूबने से मौत

• खुशियों में छाया मातम

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जिले के डुमरी थाना क्षेत्र के नुरंगों गांव में एक दुखद घटना सामने आई, जहां शादी समारोह में शामिल होने आया 12 वर्षीय सुनील यादव बराकर नदी में नहाते समय डूब गया। वह अपनी बहन का ससुराल आया था और रविवार सुबह बिना बताए नदी में नहाने चला गया। जब तक उसे अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गईं, और अस्पताल में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

ऑपरेशन सिंदूर पर धनंजय तिवारी ने कहा, हर भारतीय भाग्यशाली है कि भारत में जन्म लिया है

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पलामू। राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के पलामू जिला अध्यक्ष एवं कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के पलामू जिला संयोजक धनंजय तिवारी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा की हर भारतीय भाग्यशाली है जो भारत में जन्म लिया है और उन्होंने प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और तीनों सेनाओं के प्रति आभार प्रकट किया है और कहां की भारतीय सेना के काम से मैं खुश और संतुष्ट दोनों हूं, श्री तिवारी ने कहा कि एक चुटकी सिंदूर का महत्व सब कोई नहीं जानता कई मां बहनों की उजली मांग का हमारा सेना ने बदला लिया इससे देश में खुशी का लहर है।

श्री तिवारी ने झारखंड राज्य के सभी नागरिकों से अपील किया कि सभी लोग सरकार के गाइडलाइन का पालन करें और अच्छे से घर में रहे और देश के हर एक व्यक्ति सरकार और सेना को मदद करें और ईमानदारी से साथ दें और दिल से सहयोग करें।

स्थानीय सैकड़ों ग्रामीण एवं कीर्तन मंडलियों के द्वारा नगर संकीर्तन का भी आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड के कमलैन बगीचा (कन्हैयास्थान) गांव में बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 74वें वर्ष हरिनाम संकीर्तन सह मेले का शुभारंभ रविवार की शाम भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने फीता काटकर किया है। इसके पूर्व बजरंगी यादव का स्वागत समिति के अध्यक्ष कालीचरण मंडल ने पुष्प माला व अंग वस्त्र देकर किया है। साथ ही समिति के अन्य सभी सदस्यों ने मौके पर उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत फूल माला पहनाकर व अंग वस्त्र देकर किया। इसके बाद विधिवत पूजा अर्चना करने के उपरांत स्थानीय सैकड़ों ग्रामीण एवं कीर्तन मंडलियों के द्वारा नगर संकीर्तन का भी आयोजन किया गया जो कमलैन बगीचा, कन्हैयास्थान, शोभापुर सहित अन्य गांवों का भ्रमण किया है। समिति के अध्यक्ष कालीचरण मंडल ने बताया कि सन 1952 ईस्वी में स्थानीय मजदूरों ने भारत को मिली आजादी की खुशी में हरिनाम संकीर्तन सह मेले का कार्यक्रम आरंभ किया था तब से यहां हर वर्ष बुद्ध पूर्णिमा से पांच दिवसीय हरिनाम संकीर्तन का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर की राधा दासी, मालदा की कृष्ण सरकार व अनिता दासी, मुर्शिदाबाद की काजल सरकार, पुरुलिया के तथा चानन साहेबगंज के सुभाष दास की कीर्तन मंडली पांच दिनों तक भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न लीलाओं का वर्णन करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष कालीचरण मंडल, कोषाध्यक्ष राजेश मंडल, बलराम मंडल, रामदास मंडल, हरिपद प्रमाणिक, कैलाश मंडल, राजकिशोर मंडल, रामविलास मंडल सहित अन्य सभी सदस्यगण सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

कोच मोहन कुमार तथा जयप्रकाश वर्मा ने खिलाड़ियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मदर्स डे 2025 के शुभ अवसर पर कई बच्चे तथा बच्चियों ने खेला बैडमिंटन का अभ्यास मैच। आज रविवार 11 मई 2025 को प्रातः8 बजे से 10 बजे तक बच्चों ने बैडमिंटन का अभ्यास मैच खेला। इनमें कई नए खिलाड़ी भी शामिल हुए। कोच मोहन कुमार तथा जयप्रकाश वर्मा ने खिलाड़ियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिया। बैडमिंटन खेल में मसल पावर, स्किल, स्टेमिना तथा निर्णय क्षमता और नेतृत्व का विकास होता है। पूर्व सचिव डॉ रणजीत कुमार सिंह ने कहा मोबाइल, नशा व रील लाइफ से निकल कर युवा पीढ़ी के छात्र छात्रा खेल मैदान में पसीना बहाऐं।

इस अवसर पर उपस्थित एसोसिएशन के सदस्य अनुराग सिंह, सन्तोष कुमार उर्फ टिंकू, शशि कुमार सुमन, पूर्व सचिव डॉ रणजीत कुमार सिंह, डॉ सुमित, डॉ आदित्य रमण ने नए प्लेयर्स का स्वागत किया तथा शुभकामनाएं दी साथ ही बताया कि प्रत्येक रविवार तथा गुरुवार को प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक बच्चों को खेल की ट्रेनिंग दी जा रही है इसका लाभ उठाएं। मनोज कुमार काशी ने कहा बच्चों का खेल के प्रति उत्साह देखने लायक था केवल अवसर प्रदान एसोसिएशन करे। सरकार व जिला प्रशासन की ओर से खेल खिलाड़ी दोनों को सारी सुविधा दी जा रही है खिलाड़ी को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मौके पर डॉ सुमित ने कहा कि एक लंबी अवधि से एसोसिएशन निष्क्रिय हो गया था वर्तमान में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

गिरिडीह प्रेस क्लब ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

• थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों की जरूरतों को देखते हुए रक्त केंद्र गिरिडीह में गिरिडीह प्रेस क्लब की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

गिरिडीह, प्रतिनिधि। थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों की जरूरतों को देखते हुए रक्त केंद्र गिरिडीह में गिरिडीह प्रेस क्लब की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में रिंकेश कुमार, अविनाश सिन्हा, जगजीत सिंह बग्गा, निशांत गुप्ता, नफीस अज़हर, आशीष कुमार, श्याम कुमार व संटू कुमार समेत ग्यारह लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान प्रेस क्लब के पदाधिकारियों द्वारा प्रेरित करने पर रक्त केन्द्र के सफाई कर्मी राकेश हाडी ने पहली बार रक्तदान किया जिसे सम्मानित भी किया गया। मौके पर मौजूद प्रेस क्लब के अध्यक्ष राकेश सिन्हा ने कहा की जिले में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को हर माह लगभग 700 यूनिट रक्त की जरूरत पड़ती है। रक्तदाताओं की कमी के कारण ऐसे बच्चों को परेशानी होती है। इसी को देखते हुए आज गिरिडीह प्रेस क्लब की ओर से शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने अन्य संस्थाओं से भी रक्तदान शिविर लगाने की अपील की।

इस दौरान शिविर के संयोजक व प्रेस क्लब के महासचिव अरविंद कुमार ने रक्तदान करने वाले पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस शिविर से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा और लोग स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आएंगे। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के माध्यम से ही थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के साथ अन्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था की जाती है। इसी के तहत 14 मई को स्कोलर बीएड कॉलेज में भी वृहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर को सफल बनाने में डॉ शोहेल अख्तर, संत कुमार, मो शोहेल, रंजीत कुमार, प्रभात सिन्हा, बिनोद शर्मा, सुरेंद्र यादव आदि ने अहम भूमिका निभाई।

गिरिडीह के उद्योगपति गोवर्धन लाल का निधन

उद्योग और राजनीतिक जगत में शोक की लहर

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह की औद्योगिक पहचान बनाने वाले और जिले में दूसरा सबसे बड़ा टीएमटी फैक्ट्री लगाने वाले लाल स्टील ग्रुप के चेयरमैन गोवर्धन लाल का निधन रविवार को दुर्गापुर में हो गया। वे 85 वर्ष के थे और पिछले कई दिनों से एक निजी अस्पताल में इलाजरत थे। शनिवार देर शाम उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद हालत लगातार गंभीर होती चली गई। रविवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। गोवर्धन लाल अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं, जिसमें उनके तीन बेटे जयप्रकाश लाल, पूर्व विधायक मुन्ना लाल और विजय लाल के साथ-साथ पौत्र भी शामिल हैं।

स्वर्गीय गोवर्धन लाल गिरिडीह में औद्योगिक क्रांति के अग्रदूत माने जाते थे। उन्होंने लाल स्टील टीएमटी फैक्ट्री की नींव रखकर न सिर्फ जिले के आर्थिक विकास में योगदान दिया बल्कि युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराया। उनके नेतृत्व में फैक्ट्री ने कई उतार-चढ़ावों का सामना किया, लेकिन उनके बड़े बेटे जयप्रकाश लाल और पूर्व विधायक मुन्ना लाल के सहयोग से लाल स्टील ने प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुआ। गोवर्धन लाल की दूरदर्शिता और मेहनत के बल पर गिरिडीह का नाम पूरे राज्य में औद्योगिक पहचान बना। उनके निधन की खबर जैसे ही गिरिडीह और आसपास के क्षेत्रों में फैली, शोक की लहर दौड़ गई। समाज के हर वर्ग और खासकर उद्योग जगत में उनके योगदान को याद करते हुए लोग भावुक हो उठे। कई राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट किया। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी, उद्योगपति डॉक्टर गुणवंत सिंह मोंगिया, डॉक्टर अमरजीत सिंह सलूजा, हरमिंदर सिंह मोंगिया, सनी सिंह सलूजा, तरणजीत सिंह सलूजा, स्तविंदर सिंह सलूजा, जोरावार सिंह सलूजा, प्रमोद अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, राजू बगेड़िया और अशोक जैन सहित कई लोगों ने उनके परिवार के प्रति संवेदना जताई। गोवर्धन लाल न केवल एक सफल उद्योगपति थे बल्कि समाजसेवा में भी सक्रिय रहते थे। उन्होंने हमेशा स्थानीय विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता दी। उनके द्वारा शुरू की गई फैक्ट्री आज हजारों परिवारों के जीवन को संवार रही है। उनके निधन से गिरिडीह को अपूरणीय क्षति हुई है। क्षेत्र की औद्योगिक तरक्की में उन्होंने जो बीज बोया, वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। उनका जाना गिरिडीह के लिए एक युग का अंत है, जिसकी भरपाई आसान नहीं होगी।

प्रयास पहल के द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन

गिरिडीह, प्रतिनिधि।

जिले के खोरीमहुआ अनुमंडल क्षेत्र में संचालित सामाजिक संस्था प्रयास पहल द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को स्माईल फॉर ऑल एंव वन टीचर वन साइंटिस्ट के सहयोग से संचालित किया गया।

इसमें मुख्य रूप से सुश्री वैशाली गुप्ता, संस्थापक वन टीचर वन साइंटिस्ट व लेखक स्लेट पाठ्यक्रम ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से प्रयास पहल के सभी शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने को लेकर प्रशिक्षण दिया। छोटे छोटे बच्चों को प्रभावी रूप से पढाना तथा उनके मानसिक विकास को बढ़ाने के लिए कई नई नई तकनीक के बारे में चर्चा की। प्रयास पहल के संस्थापक सुबोध कुशवाहा ने बच्चों को संबोधित करते हुए नए सत्र के बारे में विस्तार से विभिन्न शिक्षण पद्धतियों पर चर्चा किया तथा शिक्षकों को सभी शिक्षण केन्द्रों के प्रभावी संचालन के लिए कई दिशा निर्देश दिए। इस विशेष कार्यक्रम में प्रयास पहल के अध्यक्ष पंकज कुमार, शिक्षक राजु कुमार राय, तेजलाल बर्मा सहित अनेकों शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

गुमानी नदी में महिला नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गयी

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बरहेट थाना क्षेत्र के सिंगा गांव की एक 40 वर्षीया महिला की गुमानी नदी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गयी। मृतका की पहचान सिंगा गांव की समिरन बीबी के रूप में की गयी है। महिला सिंगा गांव की गुमानी नदी नहाने गयी थी, इसी दौरान वह डूब गयी। महिला को डूबते देख नदी में नहा रहे बच्चों ने शोरगुल करना शुरू कर दिया। जिसके बाद महिला को पानी से निकाल कर सीएचसी बरहेट लाया गया। जहां इलाज के लिए चिकित्सक के उपस्थित नहीं रहने से लोगों ने जमकर हंगामा किया। करीब आधे घंटे बाद डॉक्टर ओपीडी में पहुंचे। जिसके बाद डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी, झामुमो नेता छवि हेंब्रम, मो अली सीएचसी बरहेट पहुंचकर घटना की जानकारी ली। परिजनों व ग्रामीणों ने सीएचसी में नियमित रूप से डॉक्टर के नहीं रहने की शिकायत की। प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने परिजन एवं ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया। प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने सिविल सर्जन डॉ प्रवीण कुमार संथालिया से दूरभाष में बात कर घटना से अवगत कराया। प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने कहा कि डॉ नियमित रूप से अस्पताल में ड्यूटी करें ताकि सही समय पर मरीज को इलाज एवं सुविधा मिल सके। ऐसी घटना दुबारा पुनरावृत्ति न हो, इसका सभी ध्यान रखें। मौके पर उप प्रमुख रूपक साह, मजीतुला अंसारी, निजाम सहित अन्य मौजूद थे।

नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए 11 मई 2025 को गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केंद्र 3605, साहिबगंज महाविद्यालय, साहिबगंज के समन्वयक डॉ. ध्रूब ज्योति कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि क्षेत्रीय केंद्र, देवघर के निर्देशानुसार साहिबगंज महाविद्यालय में जनवरी 2025 सत्र में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए 11 मई 2025 को गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, देवघर के निदेशक अरविंद मनोज कुमार सिंह, इग्नू अध्ययन केंद्र 3605 के समन्वयक डॉ. ध्रूब ज्योति कुमार सिंह, सहायक समन्वयक डॉ. प्रमोद कुमार दास, डॉ. सिदाम सिंह मुंडा, साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सैयद रजा इमाम रिज़वी, तथा इग्नू अध्ययन केंद्र के परामर्शदाता प्रो कमल महावर, विजय मुखर्जी, मनीष सिन्हा, विनोद कुमार जायसवाल, अजय कुमार और डॉ. बीर कुमार केशरी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनवरी 2025 सत्र के नव नामांकित छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक के दौरान अरविंद मनोज कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन की प्रक्रियाओं, अध्ययन सामग्री के उपयोग, एवं इग्नू के शैक्षणिक ढांचे के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. ध्रूब ज्योति कुमार सिंह ने सत्रीय कार्य की महत्ता पर बल देते हुए छात्र-छात्राओं को प्रभावी अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए और किसी भी प्रकार की शैक्षणिक समस्या के समाधान हेतु अध्ययन केंद्र से संपर्क करने का परामर्श दिया, विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रक्रिया, तथा परामर्श सत्रों की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। बैठक का संचालन डॉ सिदाम सिंह मुंडा ने किया।

परफैक्ट फिगर के लिए आसन

आज महिलाएं अपने सौंदर्य के प्रति जागरूक हो गई हैं और खूबसूरती के लिए आकर्षक फिगर होनी जरूरी है अर्थात छरहरे दिखना और 36-24-36 का कर्वी फिगर पाना। पतला दिखने के चक्कर में वे डाइटिंग का सहारा लेती हैं जिससे आकर्षक दिखने की अपेक्षा बीमार नजर आने लगती हैं।

त्वचा आभाहीन हो जाती है और आंखों के नीचे काले घेरे नजर आने लगते हैं। आकर्षक फिगर का अर्थ है कि आपके शरीर पर अधिक चर्बी न हो। अधिक चर्बी न होने पर आप छरहरी नजर आती हैं और सब के आकर्षण का केन्द्र बन जाती हैं। इसलिए डाइटिंग के जरिए पतली कमर और कर्वी फिगर के सपने को पूरा करने की अपेक्षा योगासनों को अपनाएं, जिनकी मदद से न सिर्फ आप अपने शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम कर सकती हैं, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक लचीला और मजबूत होगा। कर्वी फिगर बनाने के लिए शरीर के तीन हिस्सों की टोनिंग पर ध्यान दें–चौड़े कंधे, पतली कमर और कमर के सुडौल निचले हिस्से। इसके लिए आप ऐसे आसनों को रूटीन में करें जो आपके शरीर को परफैक्ट शेप देने में मददगार हो सकते हों।

भुजंगासन

इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है, कमर पतली होती है और कंधे चौड़े व बाजू मजबूत होते हैं। शरीर को लचीला और सुडौल बनाने में इसका बहुत महत्व है।

- पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें।
- दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें।
- अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े।
- अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं।
- शरीर को स्ट्रैच करें और लंबी सांस लें।
- कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

सेहत के लिए अनमोल नुस्खे

- सोयाबीन के अधिक सेवन से स्तन कैंसर नहीं होता अत- अपने दैनिक आहार में सोयाबीन के बने पदार्थों का अधिक सेवन करना चाहिए।
- नियमित रूप से जुकाम की शिकायत रहने पर दूब की कोंपलों को तोड़कर उसे चटनी के समान पीस लीजिए और शहद के साथ प्रतिदिन रात्रि में लीजिए। जुकाम एकदम गायब हो जाएगा।
- पेट की किसी भी तरह की शिकायत होने पर गाढ़ा दूध का दलिया, कच्चा नारियल, पेठा व रसगुल्ला खाइए। पेट की बीमारी आपके कब्जे में होगी।
- स्तन पर अनचाहे बालों के होने को गंभीरता से लीजिए। उन्हें काटिए नहीं बल्कि मूंग दाल के उबटन से हल्का–हल्का मसाज करते हुए नियमित प्रयोग से हटा लें। यह ग्रंथि रोग के कारणों से होता है।
- बेर के पत्तों को पीसकर पानी में मथने से जो झाग उठता है, उस झाग को सिर में लगाने से बाल झड़ने बंद हो जाते हैं।
- अदरक के एक किलो रस में 500 ग्राम तिल का तेल मिलाकर गर्म करिए और जब केवल तेल बचा रहे, उतार कर छान कर बोतल में रखकर बंद कर रख दीजिए। इस तेल से उस अंग पर मालिश कीजिए जहां कहीं भी दर्द होता है।

रिंग फिंगर से करें वजन कम

सूर्य और यूरेनस ग्रह ऐसे हैं, जिनसे स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यूरेनस अंतःज्ञान और बदलाव का प्रतीक है। ऐसे में सूर्य मुद्रा हमारे भीतर के अग्नि तत्व को संचालित करती है। अनामिका सूर्य की अंगुली है, जिसे हम रिंग फिंगर भी कहते हैं। इससे वजन कम होता है।

सूर्य मुद्रा की विधि

सूर्य की अंगुली को हथेली की ओर मोड़कर उसे अंगूठे से दबाएं। बाकी बची तीनों अंगुलियों को सीधा रखें। इसे सूर्य मुद्रा कहते हैं।

मुद्रा के लाभ

- इस मुद्रा का रोज दो बार 5 से 15 मिनट के लिए अभ्यास करने से शरीर का कोलेस्ट्रॉल घटता है।
- वजन कम करने के लिए यह आसान क्रिया चमत्कारी रूप से कारगर पाई गई है।
- पेट संबंधी रोगों में भी यह मुद्रा बहुत लाभदायक है।
- यह जठराग्नि को संतुलित करके पाचन संबंधी तमाम समस्याओं से छुटकारा दिलाती है।
- इसे नियमित करने से बेचैनी और चिंता कम होकर दिमाग शांत बना रहता है।
- यह मुद्रा शरीर की सूजन मिटाकर उसे हल्का और चुस्त–दुरुस्त बनाती है।

ओमेगा–थ्री से बच्चे रहेंगे स्वस्थ

क्या आप बच्चों को ओमेगा-थ्री देते हैं। अगर नहीं तो आज से ही देना प्रारंभ कर दें। इससे बच्चे न केवल हेल्दी होंगे वरन् उनका संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

हम जानते हैं कि हमारे शरीर की जरूरत है अच्छे विटामिन की। पर्याप्त ठोस आहार लेने से हमारे शरीर में आवश्यक पोषण पहुंचता है। बच्चों के अच्छे पोषण के लिए मछली के तेल ओमेगा का सेवन बहुत अच्छा रहता है। मछली के तेल की खुराक के लिए अक्सर उनके रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और अन्य स्वास्थ्य लाभ अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि होती है।

बच्चों के लिए मछली तेल

बच्चों को माता–पिता मछली से उत्पादित कोई भी दवा या अन्य चीज नहीं देते, जिससे उनको संपूर्ण आहार मिल सके। मछली तेल ओमेगा–थ्री से बहुत सारे लाभ हैं।

एकाग्रता और याददाश्त में सुधार

मछली तेल के उपयोग से बच्चों में एकाग्रता में सुधार होता है। यह तेल बच्चों की स्मृति समस्याओं को दूर हटाने में एक वरदान है। मछली के तेल में ओमेगा–3 एसिड अल्पकालिक स्मृति हानि के जोखिम को कम करता है।

सीखने की क्षमता बेहतर: मछली के तेल के सेवन से बच्चों की शिक्षा पर उच्च प्रभाव पड़ता है। उनकी याददाश्त क्षमता तेजी से बढ़ती है।

रहता है दिमाग स्वस्थ

देश में मछली का तेल बहुतायत मात्रा में आता है। कई नामी गिरामी कंपनियां यह प्रॉडक्ट बेचती हैं। आप डॉक्टर से परामर्श लेकर बच्चों को रोजाना एक से दो चम्मच तेल नाश्ते या खाने में दे सकते हैं। जिससे बच्चे का दिमाग स्वस्थ रहेगा।

करता है आहार पूर्ति

मछली का तेल पूरे आहार की पूर्ति करता है। चिकित्सकों के अनुसार एडीएचडी–ओमेगा–थ्री स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर है।

कोकीन को दूर हटाता है प्रोप्रानोलॉल

जानवरों पर किए गए प्रयोग से यह साबित होता दिख रहा है कि उच्च रक्तचाप और अवसाद के मरीजों को दी जाने वाली प्रचलित दवा प्रोप्रानोलॉल कोकीन की लत छुड़ाने में मददगार हो सकती है।

मालूम हो कि कोकीन दुनिया के सबसे खराब नशीले पदार्थों में एक है। इसकी गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे निजात पाने में सालों लग जाते हैं और 80 फीसदी लोग ऐसे होते हैं, जो इसे छोड़ने का प्रयास करने के दौरान छह महीने के भीतर बहुत बुरी स्थिति में पहुंच जाते हैं।

चिकित्सा विज्ञान के मशहूर जर्नल न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा पहली बार साबित हुआ है

कि कोकीन के सेवन की आदत से जुड़ी याददाश्तों को चिकित्सकीय उपचार के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। इस आदत की याददाश्तों के जेहन में लौटने के कारण ही इसके आदी हो चुके व्यक्ति को इसकी लत की याद आती है और ऐसे वक्त कोकीन नहीं मिलने से उसकी दशा बेहद खराब हो जाती है। इस सम्बंध में जारी शोध में शामिल डेविन म्युलर ने कहा, एफडीए द्वारा मंजूरी प्राप्त दवा कोकीन की लत छुड़ाने के लिए लोगों को दी जाती रही है। यह दवा इस लत को छुड़ाने के लिए तो प्रभावी रही है, लेकिन इससे इस लत को छोड़ने के प्रयास के दौरान जब इसके आदी व्यक्ति की हालत खराब होती है, तब यह दवा बेअसर साबित होती है। दूसरी ओर म्युलर बताते हैं कि प्रोप्रानोलॉल का सकारात्मक प्रभाव कोकीन छोड़ने का प्रयास कर रहे व्यक्ति के शरीर पर दीर्घकाल तक दिखता है। कई मामलों में यह स्थायी भी हो सकता है, क्योंकि इस दवा के नियमित सेवन के बगैर भी मरीज कोकीन के दुष्प्रभावों से निजात पा सकता है।

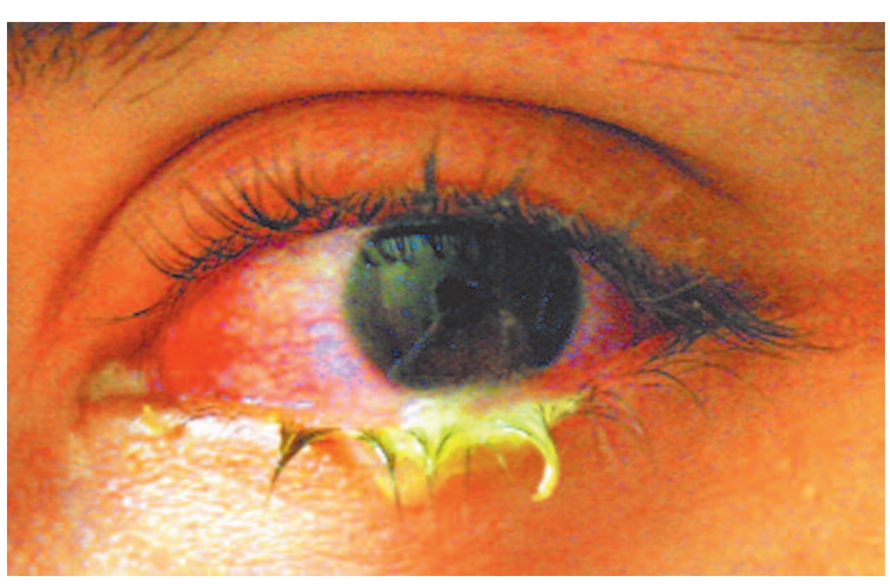

पलकों को प्रभावित करता है ब्लेफेरायटिस

ब्लेफेरायटिस पलकों के किनारे और बरोनियों की केश पुटिका को प्रभावित करता है। ब्लेफेरायटिस एक आम और कभी-कभी लंबा चलने वाला विकार है, जो प्रायः वयस्क व बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। शिकायत होने पर आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

आपकी त्वचा पर रोससेया या तेल वाली त्वचा पर डेंड्रफ और सूखी आंख से ग्रस्त होते हैं उन्हें इस समस्या होने की ज्यादा संभावना रहती है। पलकों की ग्रंथि जो की बहुत सारा तेल नहीं बना रही हो उनमें ब्लेफेरायटिस जीवाणु का संक्रमण शुरू हो सकता है। यह दशा अत्यधिक संक्रामक नहीं होती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

ब्लेफेरायटिस की ज्यादातर दशा में सुधार तुरंत चालू हो जाता है, अगर एक बार उपचार चालू हो जाए। प्राय : उपचार लंबे समय के लिए चलना चाहिए या समय–समय पर दोहराते रहना चाहिए। ब्लेफेरायटिस दृष्टि में स्थाई नुकसान नहीं करता है।

सम्भावित अवधि

ब्लेफेरायटिस एक चिरकालिक दशा है, जो स्थाई रूप से इलाज करना मुश्किल है, लेकिन ज्यादतर दशा में सही उपचार लक्षण को नियंत्रित कर देता है और दशा को नियंत्रण में रखता है। साथ ही लक्षण समय के साथ बदलते रहते हैं। लंबे समय के लिए गायब हो सकते हैं, वह भी लौटने से पहले महीनों या सालों लग सकते हैं।

ऐसे करें बीमारी से बचाव

पलकों की साफ–सफाई ब्लेफेरायटिस के निर्माण में मदद कर सकता है और प्राय : दशा को नियंत्रित कर सकता है। अगर आपको यह शिकायत है तो आप डॉक्टर के परामर्श पर इलाज शुरू कर सकते हैं।

डॉक्टर से कब सम्पर्क करें

- पलकों या आंख के आसपास की त्वचा में उत्तेजना होने लगे।
- लाल खुजली वाली आंख।
- पलकों के आस पास पपड़ी बन जाए।
- आंखें खुजली करती रहने पर।
- आंखों में लगातार जलन होने पर।
- ऐसा मेहसूस करना कि आपकी आंख में कुछ है, जब आप पलक झपकते हों।
- लाल सूजी सी आंखें होने पर।
- बरोनिया का न होना या बरोनिया का अंदर की तरफ मुड़ना।
- पलकों के किनारे में खुजली होना या किनारे की त्वचा का टूटना।
- अत्यधिक आंसू निकलना।

संक्षिप्त समाचार

सीएचसी चांदन में दिव्यांगता पहचान शिविर आयोजित

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर
चांदन (बांका) सीएचसी चांदन में आज शनिवार को दिव्यांगता पहचान शिविर का आयोजन किया गया। दिव्यांग जन सशक्तिकरण निदेशालय बिहार के उप सचिव के निर्देश पर इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ कुमार मयंक,डॉ फारुख,चांदन के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आशिष कुमार आदि चिकित्सकों ने दिव्यांगों की जांच की। शिविर में आए दिव्यांग का निबंधन किया गया इसके बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की।सीएचसी प्रभारी आशिष कुमार एवं डॉ शशिकांत कुमार ने बताया कि शिविर में कुल 45 मामला में 27 दिव्यांगों की जांच की गई जिसमें ईएनपी के 10 मामले शामिल हुए।इस मौके पर सीएचसी के सभी कर्मी मौजूद थे।

एक्स-रे की सुविधा मिलने में बिजली बनी बाधा

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर।
चांदन (बांका)। सीएचसी में एक्स-रे व्यवस्था बिजली के भरोसे पर है और इस कारण मरीजों को नहीं चाहते हुए भी संकट का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल बिजली विभाग द्वारा बीते 8 मई से आगामी 15 मई तक 33 द्म1 चांदन फिटर की विधुत आपूर्ति मैंटनेंस कार्ये के लिए सुबह 07 बजे से लेकर 11 बजे तक बिजली बंद रहने की अल्टीमेटम जारी किया गया है।जबकि दिये हुए निर्धारित समय 11 बजे की जगह दोपहर 3 बजे के बाद विधुत आपूर्ति बहाल की जा रही है।जिससे आम जन-जीवन गर्मी से परेशान व सरकारी संस्थान में कार्य बाधित हो रहे हैं। सीएचसी चांदन में बिजली पर ही एक्स-रे की सुविधा मिल रही है।इस संकट के कारण दूर दराज से आने वाले रोगियों को दिन भर अस्पताल में ही रह कर समय काटना पड़ रहा है।इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ0आशिष कुमार ने बताया बिजली बाधित रहने से रोगियों को एक्स-रे की सुविधा नहीं मिल पा रही है। बिजली में सुधार होने पर पूर्व की तरह सीएचसी चांदन में रोगियों को एक्स-रे की सुविधा मिलगी।

शराब के शौकीनों के लिए बड़ी खुशखबरी! अब 75% सस्ती मिलेगी बीयर, स्कॉच भी हुई सस्ती

नई दिल्ली। गर्मियों में बियर पीने के शौकीनों के लिए खुशखबरी है। अब ब्रिटेन की बियर ब्रांड्स भारत में पहले के मुकाबले काफी सस्ती मिलेंगी। दरअसल, भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के बाद ब्रिटेन की बियर पर टैक्स में 75 प्रतिशत की कमी की गई है। इससे बियर के शौक़ीनों को ब्रिटेन की बियर पर 75 प्रतिशत तक सस्ती कीमतों का फायदा मिलेगा। साथ ही, ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की पर भी टैक्स कम किया गया है, जिससे यह भी सस्ती हो जाएगी।

एफटीए से सस्ती ब्रिटेन की बियर
अब तक भारत में ब्रिटेन की बियर पर 150 प्रतिशत तक टैक्स लगता था, लेकिन अब एफटीए समझौते के तहत यह टैक्स घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया गया है। इस टैक्स में कटौती का सीधा फायदा बियर के शौक़ीनों को होगा, क्योंकि अब ब्रिटेन की बियर पहले के मुकाबले काफी सस्ती मिलेगी। इस समझौते का लाभ न केवल बियर के शौक़ीनों को मिलेगा, बल्कि अन्य ब्रिटिश उत्पादों पर भी टैक्स कम होगा।

एफटीए में और क्या बदलाव हुआ?
भारत और ब्रिटेन के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता 6 मई को पूरा हुआ था। इस समझौते के तहत भारत ने ब्रिटेन की वाइन पर किसी प्रकार की शुल्क रियायत नहीं दी है, जबकि बीयर पर सीमित आयात शुल्क लाभ प्रदान किया गया है। वहीं, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि इस समझौते में वाइन को बहिष्कृत सूची में रखा गया है। इसका मतलब यह है कि ब्रिटेन से वाइन आयात पर कोई शुल्क कटौती नहीं की जाएगी।

अन्य उत्पादों पर भी मिलेगा फायदा
एफटीए समझौते से सिर्फ ब्रिटेन की बियर ही सस्ती नहीं होगी, बल्कि कुछ अन्य उत्पाद भी सस्ते होंगे। इनमें ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की, कार, और कुछ अन्य उत्पाद शामिल हैं। भारत में ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की पर 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। समझौते के 10वें साल तक इसे और घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इसके अलावा ब्रिटेन भी भारत से आने वाले परिधान, चमड़े के सामान जैसे उत्पादों पर आयात शुल्क कम करेगा।

भारत के कुछ कृषि उत्पादों पर कोई रियायत नहीं
एफटीए समझौते के तहत भारत ने कुछ कृषि उत्पादों जैसे डेयरी उत्पाद, सेब, पनीर, जई, पशु और वनस्पति तेल पर कोई आयात शुल्क में कमी नहीं की है। एक अधिकारी ने बताया कि इन उत्पादों पर आयात शुल्क में कटौती नहीं होगी, क्योंकि ये संवेदनशील कृषि उत्पाद हैं। साथ ही, व्यापार समझौते में इन उत्पादों को छूट दी गई है।

ब्रिटेन के लिए क्यों महत्वपूर्ण है वाइन पर शुल्क रियायत न देना?
एफटीए में वाइन पर कोई शुल्क रियायत नहीं देने का कारण यह है कि यूरोपीय संघ इस क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी है। अगर ब्रिटेन को वाइन पर आयात शुल्क में रियायत दी जाती, तो यूरोपीय संघ की ओर से अपनी वाइन पर भी शुल्क कटौती के लिए दबाव बढ़ सकता था। इसलिए, ब्रिटेन ने यह निर्णय लिया कि वाइन पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

HRDS INDIA ने भारतीय सेना के मार्गदर्शन में सीमावर्ती क्षेत्रों में घरों के निःशुल्क पुनर्निर्माण का किया ऐलान

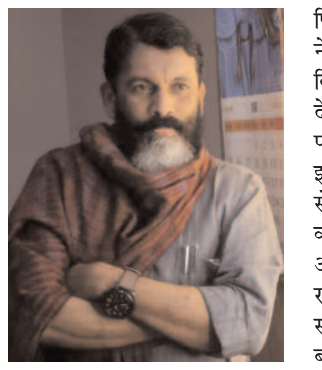

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर बिगड़ती स्थिति के मद्देनज़र, मानवतावादी और जनजातीय कल्याण के क्षेत्र में अग्रणी संगठन HRDS INDIA (मुख्यालयः नई दिल्ली) ने एक राष्ट्रव्यापी निर्देश जारी किया है, जिसमें संगठन ने अपने संपूर्ण कार्यबल को सक्रिय करने और प्रभावित समुदायों को हरसंभव सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है। संगठन के सचिव श्री अजिकृष्णन ने सभी कर्मचारियों की छुट्टियाँ तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए, उन्हें 12 मई, 2025 तक अपने-अपने क्षेत्रीय कार्यालयों में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। कर्मचारियों को अपने केंद्र प्रमुखों से समन्वय करने और भारत सरकार द्वारा जारी सभी निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया है। पिछले 30 वर्षों में, HRDS INDIA ने अपनी विभिन्न मानवतावादी और विकासात्मक पहलों के माध्यम से देशभर में 5 लाख से अधिक परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाया है। इस संकट की घड़ी में संगठन ने राष्ट्र सेवा के अपने दीर्घकालिक संकल्प को दोहराया है। हमारा राष्ट्र एक असाधारण चुनौती का सामना कर रहा है। HRDS INDIA का हर सदस्य केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि देशहित के लिए समर्पित एक नागरिक के रूप में तैयार रहना चाहिए, श्री अजिकृष्णन ने कहा। सीमा क्षेत्रों में ड्रोन हमलों और गोलाबारी के चलते आम नागरिकों के घरों को हुए नुकसान के मद्देनज़र, HRDS INDIA ने इन क्षेत्रों में सभी क्षतिग्रस्त घरों का निःशुल्क पुनर्निर्माण करने का संकल्प लिया है। यह कार्यभार भारतीय सेना के दिशा-निर्देशन में संपन्न किया जाएगा। इन क्षेत्रों में तैनात परियोजना प्रमुखों को HRDS INDIA की प्रमुख 'सद्ग्रह' आवास योजना के अंतर्गत बने घरों को हुए नुकसान का तत्काल मूल्यांकन करने और पुनर्निर्माण की इस पहल को अन्य प्रभावित परिवारों तक विस्तारित करने का निर्देश दिया गया है। तीन दशकों से, HRDS INDIA हाशिए पर रहने वाले समुदायों के जीवन को संवारने के लिए कार्यरत रहा है। अब, जब उनके घर और जीवन संघर्ष के कारण उजड़ गए हैं, तब हमारी उपस्थिति पहले से कहीं अधिक आवश्यक है, श्री अजिकृष्णन ने कहा। इसके अतिरिक्त, HRDS INDIA की स्वैच्छिक रक्तदान टीमें 24×7 तैनात हैं, जो घायल नागरिकों और सैनिकों को तुरंत सहायता देने के लिए तैयार हैं। यह केवल एक संगठनात्मक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी है, उन्होंने कहा। इस विपत्ति की घड़ी में हमारी करुणा और एकजुटता ही हमारी असली पहचान होगी। संगठन ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को पूर्ण समर्थन प्रदान करते हुए, राष्ट्र की शांति और सुरक्षा के लिए उनके नेतृत्व, दृष्टिकोण और संकल्प की सराहना की है। HRDS INDIA ने इस संघर्ष को केवल सीमाओं का नहीं, बल्कि उस इस्लामी आतंक के विरुद्ध एकजुट होकर खड़े होने का अवसर बताया है, जो शांति और मानवता को खतरे में डाल रहा है। संगठन ने सभी हितधारकों, भागीदारों और देशवासियों से आग्रह किया है कि वे इस संकट से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए राष्ट्र के प्रयासों में सहभागी बनें।

दो महादलित परिवार की पुत्री की शादी में पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रत्याशी ने की आर्थिक मदद

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट
फुल्लीडुमर प्रखंड के भितिया पंचायत अंतर्गत गेड़ाटीकर गांव के समाजसेवी सह पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रत्याशी फुल्लीडुमर दक्षिणी के पंकज कुमार राय के द्वारा शुक्रवार की रात पंचायत के दो महादलित परिवार की पुत्री की शादी में पहुंचकर आर्थिक मदद किए जाने की चर्चा प्रखंड क्षेत्र में खूब हो रही है। इसके पूर्व भी ठंड के मौसम में इनके द्वारा सैकड़ो गरीब परिवारों के बीच कंबल एवं सहायता राशि का वितरण किया गया है। जानकारी के अनुसार समाजसेवी पंकज कुमार राय शुक्रवार की रात भितिया पंचायत के गेड़ाटीकर गांव चुनचुन दास की पुत्री पार्वती कुमारी एवं गंगटीया टील्हा गांव के बंशीधर की पुत्री खुशबू कुमारी की शादी समारोह में पहुंचे। जहां उन्होंने दोनों हरिजन बेटियों की शादी में 21सौ रुपए करके आर्थिक मदद की। साथ ही उन्होंने साड़ी कपड़े एवं मिठाइयां देकर नव दंपति को आशीर्वाद देते हुए शुभकामनाएं दी। वहीं इस सामाजिक कार्य के मौके पर समाजसेवी पंकज कुमार राय के साथ मुख्य रूप से वार्ड सदस्य भोला दास, वार्ड सचिव सत्यम कुमार उर्फ गोलू, निरंजन कुमार दास, रोशन शाह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

ट्रक के टक्कर से होमगार्ड जवान की मौत के मामले में आरोपी चालक को भेजा गया जेल

आदिवासी एक्सप्रेस / बौसी (बांका)
बौंसी/बांका. भलजोर चेक पोस्ट सड़क दुर्घटना में होमगार्ड जवान की मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपी ट्रक चालक को रविवार को बांका जेल भेज दिया गया। मृतक की पत्नी बीना देवी ने इस मामले में बौंसी थाने में आवेदन देकर ज़ब्त किये गये गिट्टी लदा ट्रक चालक पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसको लेकर पुलिस ने आरोपी चालक को शनिवार रात ही गिरफ़्तार कर लिया था और गिरफ़्तार ट्रक चालक झारखंड के कोडरमा ज़िला के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत झुमरीतिलैया गाँव निवासी श्यामलाल यादव के पुत्र मुन्ना यादव को रविवार को बांका जेल भेज दिया गया। मालूम हो कि शनिवार की शाम करीब 8 बजे के करीब भलजोर चेक पोस्ट पर उत्पाद विभाग के ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड के तीन जवान योगेंद्र यादव, लालजी टुडू एवं अशोक महल्दार वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान झारखंड की तरफ से आ रहे मिनी ट्रक जिस पर नारियल लदा हुआ था उसको रोका गया। उक्त ट्रक की जांच की जा रही थी तभी पीछे से एक गिट्टी लदे तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने नारियल लदे वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में योगेंद्र यादव की मौत हो गई, जबकि लालजी टुडू जख्मी हो गया। जबकि तीसरा जवान अशोक महल्दार बाल बाल बच गया। घटना के बाद दोनों को रेफरल अस्पताल लया गया था। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ कुमार संजय सुमन ने योगेंद्र यादव को मृत घोषित कर दिया। जबकि जख्मी का इलाज कर अस्पताल से ही छुट्टी दे दी गई। बताया गया कि तीनों जवान करीब 2 महीने से भलजोर चेक पोस्ट पर ड्यूटी में तैनात थे। घटना के बाद उत्पाद विभाग के कर्मियों में शोक की लहर है।

वाहन जांच के दौरान उत्पाद विभाग के होमगार्ड जवान को नारियल लदे ट्रक ने कुचला, दर्दनाक मौत

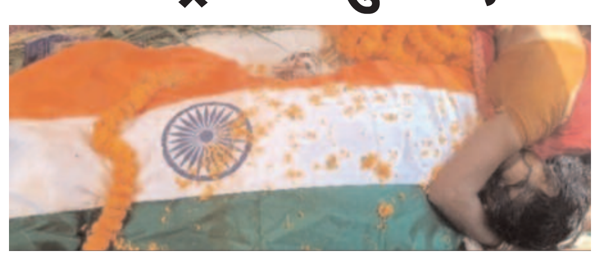

आदिवासी एक्सप्रेस / बौसी (बांका)
भागलपुर हंसडीहा मार्ग पर भलजोर चेक पोस्ट पर शनिवार की शाम मिनी ट्रक के धक्का से ड्यूटी पर तैनात उत्पाद विभाग के एक होमगार्ड जवान की मौत हो गई जबकि एक अन्य होमगार्ड घायल हो गया। मृतक की पहचान बांका जिला के बेलहर थाना के मटिहानी निवासी धथुरी यादव के पुत्र योगेंद्र यादव(35)के तौर पर हुई है जबकि जख्मी जवान की पहचान लालजी टुडू (पिता स्व बाबूलाल टुडू, घर सहदेवा नवाडीह, थाना जयपुर, बांका) के तौर पर हुई है। इस संबंध में उत्पाद विभाग के चेक पोस्ट प्रभारी अनि मधुसूदन यादव ने बताया कि शनिवार की शाम करीब 8 बजे के करीब भलजोर चेक पोस्ट पर उत्पाद विभाग के ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड के तीन जवान योगेंद्र यादव, लालजी टुडू एवं अशोक महल्दार वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान झारखंड की तरफ से आ रहे मिनी ट्रक जिस पर नारियल लदा हुआ था उसको रोका गया। उक्त ट्रक की जांच की जा रही थी तभी पीछे से एक गिट्टी लदे तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने नारियल लदे वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में योगेंद्र यादव की मौत हो गई, जबकि लालजी टुडू जख्मी हो गया। जबकि तीसरा जवान अशोक महल्दार बाल बाल बच गया। घटना के बाद दोनों को रेफरल अस्पताल लया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ कुमार संजय सुमन ने योगेंद्र यादव को मृत घोषित कर दिया। जबकि जख्मी का इलाज कर अस्पताल से ही छुट्टी दे दी गई। दूसरी तरफ घटना की सूचना मिलते ही बौसी थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सुधीर कुमार उक्त भाग रहे छर्री लदे गाड़ी को पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों ही वाहन को जप्त करते हुए चालक को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों ही चालकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों वाहन को जप्त कर उसकी जांच की जा रही है। घटना के बाद बौसी रेफरल अस्पताल में उत्पाद विभाग के कर्मियों एवं आम लोगों की भीड़ जुट गई। बताया गया कि तीनों जवान करीब 2 महीने से भलजोर चेक पोस्ट पर ड्यूटी में तैनात थे। घटना के बाद उत्पाद विभाग के कर्मियों में शोक की लहर है।

आम आदमी पार्टी ने किया भारत सरकार के संघर्ष विराम के फैसले की कड़ी आलोचना

- **मोदी सरकार ने पाकिस्तान के साथ युद्ध रोककर सेंदुर का अपमान किया हैः डॉ. भबेन चौधरी**

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम
आम आदमी पार्टी की असम राज्य समिति (आप) ने अमेरिका की मध्यस्थता में पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम की भारत सरकार की घोषणा की कड़ी आलोचना की है। मीडिया को जारी प्रेस विज्ञप्ति में असम के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. भबेन चौधरी ने कहा कि संघर्ष विराम ने देश के लाखों जवानों का मनोबल तोड़ा और नरेंद्र मोदी सरकार ने संदूर का अपमान किया। क्योंकि यह पाकिस्तान को उचित सबक सिखाने का सही समय था, जो आतंकवाद का सीधा प्रायोजक है। वर्षो से आतंकवाद का बचाव करके शांतिप्रिय भारत पर पाकिस्तान की नारकीय कार्रवाई पूरे भारत में सभी सैन्य और नागरिकों को नुकसान पहुंचा रही है। आम आदमी पार्टी (आप), असम ने कहा कि हाल ही में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन द्वारा कश्मीर के पहलगाम में जो हृदय विदारक घटना घटित किया उसका मुंहतोड़ जवाब देने का यह सही समय है। आप, असम के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. भबेन चौधरी ने कहा कि आतंकवाद का गढ़ कहे जाने वाले पाकिस्तान से निपटने के लिए एकमात्र रास्ता युद्ध की जरूरत है।

देश की सुरक्षा में बड़ा कदम, रक्षा मंत्री राजनाथ ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस सुविधा का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस एकीकरण और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें सशस्त्र बलों की ताकत और दुश्मन के खिलाफ देश की प्रतिरोधक क्षमता का संदेश हैं।
राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज ब्रह्मोस एकीकरण एवं परीक्षण सुविधा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर, मुझे आपसे बात करके बहुत खुशी हो रही है। मैं व्यक्तिगत रूप से इसमें शामिल होना चाहता था। लेकिन आप जानते हैं कि मैं क्यों नहीं आ सका। हम जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उसे देखते हुए मेरे लिए दिल्ली में रहना महत्वपूर्ण था। इसलिए, मैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपसे जुड़ रहा हूँ।
रक्षा मंत्री ने आगे कहा, आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस है। 1998 में इसी दिन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हमारे वैज्ञानिकों ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और दुनिया को भारत की ताकत दिखाई थी। वह परीक्षण हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, रक्षा कर्मियों और कई अन्य हितधारकों के अथक प्रयासों का परिणाम था। हमने दुनिया को अपनी ताकत दिखाई है। ब्रह्मोस हमारे सशस्त्र बलों की ताकत और हमारे दुश्मन के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता का संदेश है। ब्रह्मोस अपने आप में हमारे दुश्मन के लिए एक संदेश है।

पाकिस्तान पर साधा निशाना
पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान की आलोचना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, भारत विरोधी और आतंकी संगठन जिन्होंने भारत माता के मुकुट (कश्मीर) पर हमला किया और कई परिवारों के सिंदूर को मिटा दिया, भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्हें न्याय दिलाया। इसलिए, पूरा देश भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं है, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक भी है। आतंकवाद के खिलाफ यह ऑपरेशन भारत की इच्छाशक्ति और सैन्य शक्ति और क्षमता का प्रदर्शन भी था।

देश के लिए किसान और जवान दोनों हैं अत्यंत महत्वपूर्णः श्याम सिंह राणा

- **कृषि मंत्री ने कुरुक्षेत्र में कृषि-तकनीकी प्रदर्शनी में प्राकृतिक खेती, देसी गाय के महत्व और किसानों की आय बढ़ाने की योजनाओं पर विस्तार से रखे विचार**

कुरुक्षेत्र, (आरएनएस)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसी भी देश के लिए किसान और जवान सबसे अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध चाहे कितना भी लंबा क्यों न चले, खेती रुकनी नहीं चाहिए। वर्तमान समय में देश के अन्न भंडार भरे हुए हैं और किसी भी प्रकार की खाद्यान्न संकट की स्थिति नहीं है। शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभागार में नवीन जिंदल फाउंडेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कृषि-तकनीकी प्रदर्शनी एवं स्टार्टअप कॉन्क्लेव के दूसरे दिन, मुख्यातिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसान वैश्विक तकनीकों को अपनाकर खेती करें तो देश की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।श्याम सिंह राणा ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और यदि पूरी दुनिया से 100 एकड़ भूमि चुनी जाए तो सबसे उपजाऊ भूमि भारत की ही होगी। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र वह भूमि है जहाँ ब्रह्मा जी ने सबसे पहले कृषि की शुरुआत की थी और यहीं से लोगों ने खेती करना सीखा। कृषि मंत्री ने बताया कि खेती मुख्य रूप से तीन प्रकार की होती है– रासायनिक, ऑर्गेनिक और प्राकृतिक। वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाना आवश्यक है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर योजनाएं चला रही हैं। किसानों की आय बढ़ाने, खर्च घटाने, कम समय में अधिक उत्पादन और जल की बचत के लिए सरकार प्राकृतिक खेती पर विशेष बल दे रही है। उन्होंने जानकारी दी कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक लाख एकड़ भूमि पर इसे अपनाने का लक्ष्य रखा है। प्रति देशी गाय पर सब्सिडी भी दी जा रही है, ताकि किसान कम लागत में अधिक उत्पादन कर सकें। श्याम सिंह राणा ने कहा कि देशी गाय का दूध और गोबर जैविक खेती के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। गोबर से तैयार जीवामृत खेती को उर्वरक बनाता है और इसमें एंटीबायोटिक गुण होते हैं जो बीमारियों को दूर रखने में सहायक हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गौशालाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। मंत्री ने बताया कि हाल ही में आगजनी की घटनाओं में किसानों की गेहूं की फसल को जो नुकसान हुआ, उसका मुआवजा सरकार द्वारा दे दिया गया है। इसके अलावा डेंचा, मूंग व अन्य खाद फसलों के उत्पादन पर भी अनुदान प्रदान किया जा रहा है। धान की सीधी बिजाई के लिए 15 मई के बाद की सलाह दी गई है। किसानों की रिपोर्ट के अनुसार उत्पादन में अब पहले की तुलना में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।
इस अवसर पर एमएसपी समिति के सदस्य विनोद आनंद, प्रो. रमेश सिहमार, विशाल वर्धन, रणधीर सिंह, गुरनाम सिंह चंढुनी, राहुल ढींगड़ा, राजकुमार सैनी, पद्मश्री भारत भूषण त्यागी, रविन्द्र सांगवान, रमेश सिंह, कर्मचंद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीजफायर तोड़ने पर पाकिस्तान पर बरसे शिखर धवन, लिखा- घटिया देश ने...

एजेंसी

नई दिल्ली। सीजफायर होने के चार घंटे बाद ही पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों पर फिर उतारू हो गया और भारत के इलाकों में फिर से बमबारी चालू कर दी। भारतीय फौजें इसका जोरदार जवाब दे रही हैं। वहीं, पाकिस्तान की इस हरकत से भारतीय क्रिकेटर भी बेहद गुस्से में नजर आ रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है- घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया। बीते दिन भी धवन ने इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रखा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर जवानों को सम्मान। भारत मजबूती से खड़ा है। जय हिंद!

ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स की बाय बाय, हवाई अड्डे पर किया फ्लाइट का घंटों इंतजार

सिडनी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के हालात के चलते इंडियन प्रीमियर लीग और पाकिस्तान सुपर लीग के स्थगित होने के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की स्वदेश वापसी शुरु हो गयी है। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया है। भारतीय अधिकारियों ने शुक्रवार को घोषणा की कि लीग को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सूत्रों ने बताया कि इस सूचना के बाद पाकिस्तान सुपर लीग ने अपने शेष मैचों को स्थगित कर दिया, इससे पहले उसने संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित करने की घोषणा की थी। यह घटनाक्रम धर्मशाला में आईपीएल मैच के रद्द किए जाने के बाद हुआ। खिलाड़ियों को हवाई अड्डे बंद होने के कारण देश छोड़ने में कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। कुछ खिलाड़ियों को उड़ान से पहले 8 घंटे की ट्रेन यात्रा और 4 घंटे तक की बस यात्रा करनी पड़ी है। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के बाद आईपीएल खिलाड़ियों और कर्मचारियों के साथ-साथ कमेंटेटरों और प्रोडक्शन क्रू को धर्मशाला से वापस दिल्ली लाने के लिए एक विशेष ट्रेन सेवा शुरू की गई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमेशा एक मुख्य प्राथमिकता है और हम बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करते हैं।

शुभमन गिल होंगे नए टेस्ट कप्तान, ऋषभ पंत उपकप्तान!

नई दिल्ली। प्रतिभाशाली बल्लेबाज शुभमन गिल को टेस्ट में भारतीय टीम की कमान सौंपी जा सकती है जबकि खेल के इस पारंपरिक प्रारूप में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत नए उप-कप्तान होंगे। उप-कप्तान का चयन सरल लगता है क्योंकि पंत विदेशी परिस्थितियों में भारत के बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाजों में से एक हैं और जसप्रीत बुमराह का कद इतना बड़ा है कि उन्हें उप-कप्तान की भूमिका के लिए नहीं चुना जा सकता है और साथ ही जब उनकी खुद की फिटनेस भी संदिग्ध है तो उनका पूरी श्रृंखला के लिए खेलना अनिश्चित है। पंत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शतकों के साथ 42 से अधिक के औसत से इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। वह इन देशों में सात बार 90 और 99 के बीच स्कोर बना चुके हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बताया कि अगर बुमराह कप्तान नहीं हैं तो उन्हें उप-कप्तानी की पेशकश करने का कोई मतलब नहीं है। क्रिकेट जगत जहां करिश्माई विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा से हैरान है तो वहीं पता चला है कि चयन समिति ने इंग्लैंड में उन्हें कप्तानी सौंपने के विचार पर विचार किया है ताकि गिल को खुद को निखारने के लिए कुछ और समय मिल सके।

सीजफायर के बीच क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी, इसी सप्ताह शुरू होगा आईपीएल 2025

नई दिल्ली। भारत और पाक युद्ध विराम की घोषणा के तुरंत बाद ही आईपीएल 2025 के लिए रास्ता खुल गया है। माना जा रहा है कि आईपीएल गुरुवार या अधिकतम फिर से शुरू हो सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) विवरण और शेष फिक्स्चर को अंतिम रूप देने के लिए एक बैठक कर रहा है, और यह विश्वसनीय रूप से समझा जाता है कि धर्मशाला को छोड़कर, मैच पूरे भारत में खेले जाएंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब भारत ने दिन में पाकिस्तान से संपर्क करने के बाद युद्धविराम पर सहमति जताई थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने दो दिन पूर्व तनाव के कारण इस कैश-रिच लीग को स्थगित कर दिया था, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो जाएगी। हर फ्रैंचाइज़ के विदेशी खिलाड़ी अपने घर वापस आ रहे हैं, लेकिन उन्हें जल्द से जल्द अपनी-अपनी टीमों से जुड़ने के लिए कहा जाएगा। पता चला है कि हर टीम का विदेशी दल हवाई अड्डे की स्थिति के कारण घबराया हुआ था क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि सीमा तनाव के कारण उनकी गतिविधियाँ प्रभावित हों। हर फ्रैंचाइज़ अब अपनी व्यवस्थाएँ शुरू कर देगी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड से विस्तृत निर्देश का इंतज़ार करेगी।

तीरंदाजी विश्व कप चरण-2 में मधुरा ने जीता पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक

एजेंसी

शंघाई। तीरंदाजी विश्व कप चरण-2 में स्वप्निल वापसी करते हुए मधुरा धामनगांवकर ने यहां यूएसए की कार्सन क्रेहे पर 139-138 से शानदार जीत दर्ज कर अपना पहला व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक जीता। मधुरा तीन साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं करने के कारण विश्व तीरंदाजी रैंकिंग में बिना किसी रैंक के हैं। वह तीसरे सेट के बाद 81-85 से पीछे चल रही थीं, लेकिन 24 वर्षीय तीरंदाज ने दबाव में उल्लेखनीय संयम दिखाया और लगभग दोषरहित चौथे सेट में सिर्फ एक अंक गंवाकर स्कोर 110-110 पर बराबर कर दिया। निर्णायक सेट में उन्होंने दो परफेक्ट 10 और 9 के स्कोर के साथ अपनी हिम्मत बनाए रखी और रोमांचक अंत में क्राहे को एक अंक से पीछे छोड़ दिया। यह मधुरा का इस स्पर्धा में तीसरा पदक था। इससे पहले उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में

रजत और अभिषेक वर्मा के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था, जो तीन साल बाद अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी में उनकी उल्लेखनीय वापसी थी। 24 वर्षीय मधुरा ने पहले कभी विश्व कप पदक नहीं जीता था, तीन साल बाद वापसी करते हुए प्रतियोगिता में अपनी दूसरी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उनकी आखिरी उपस्थिति मेडेलिन में 2022 तीरंदाजी विश्व कप चरण 4 में थी। इससे पहले भारतीय मिश्रित तीरंदाजों ने यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण 2 में टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। पदक दौड़ का मुख्य आकर्षण अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और ऋषभ यादव की पुरुष टीम का जीता गया स्वर्ण था, जिन्होंने तनावपूर्ण फाइनल में मैक्सिको को 232-228 से हराया। भारत ने पहले छोर पर लगभग दोषरहित 59 अंकों के साथ 2 अंकों की बढ़त लेते हुए जोरदार शुरुआत की, जबकि मैक्सिको ने 57 अंक बनाए।

दूसरे छोर पर मैक्सिको ने 58 अंकों के साथ वापसी की, जबकि भारत ने 56 अंकों के साथ मैच को आधे चरण में 115-115 से बराबर कर दिया। तीसरे दौर में भारत ने 58 का स्कोर करके फिर बढ़त हासिल की, जबकि मैक्सिको ने 57 का स्कोर बनाया, जिससे भारतीयों को 173-172 की मामूली बढ़त मिली।

जिला स्तरीय कलर बेल्ट में ताइक्वांडो के 35 खिलाड़ियों ने उत्तीर्ण की परीक्षा

एजेंसी

मुरादाबाद। लाजपत नगर स्थित थापा ताइक्वांडो एकेडमी में जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा जिला स्तरीय कलर बेल्ट परीक्षा आयोजित हुई। जिसमें थापा ताइक्वांडो एकेडमी के 35 खिलाड़ियों ने कलर बेल्ट प्रमोशन टेस्ट दिया। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज अली ने बताया कि इस परीक्षा में येलो बेल्ट के लिए- दिव्यांश, गुरकीरत, कनिका, कृष्णया आनंद, नूर अफ़शा, समृद्धि, आयुष शर्मा, प्रिया, नित्या गुप्ता, आयुष खन्ना, मोहम्मद इमाद, श्रेणिका, अक्षरा गौतम, वैष्णा दीप, सिद्धार्थ सक्सेना, आरुष भारद्वाज आदि ने परीक्षा उत्तीर्ण की। ग्रीन बेल्ट के लिए-अव्यान रस्तोगी, वंश कुमार, अनुषा पराशर, दर्शिव सिकदर, नायरा सुनेजा, प्रज्ञान कौशिक, चिराग् आदि ने परीक्षा उत्तीर्ण की। ग्रीन वन बेल्ट के लिए अनिष्का अग्रवाल, प्रभात सिंघल, अक्षय बाजपाई, प्रतिभा बाजपाई, सान्वी सिंह ने उत्तीर्ण की। ब्लू बेल्ट के लिए- आलिया पाशा, खुशी शर्मा, ओम आदि ने उत्तीर्ण की। ब्लू वन बेल्ट के लिए-दिव्यांश राजौरी और प्रेरणा ने

उत्तीर्ण की। रेड बेल्ट के परीक्षा- आकांक्षा चौधरी और वैभव ने उत्तीर्ण की। परीक्षक के रूप में राष्ट्रीय रेफरी सुमित शर्मा ने कलर बेल्ट परीक्षा ली। इस मौके पर एकेडमी के हेड कोच केशव थापा तथा ट्रैनर यशोदा थापा, हाकीमन हसीब, प्रियांशु रस्तौगी मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे के हॉकी खिलाड़ी अतुलदीप ने जीता स्वर्ण पदक

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी अतुलदीप ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से रेलवे का नाम रोशन किया है। मार्शल ऑफ द एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के छठे संस्करण (29 अप्रैल से 6 मई 2025 तक) में उन्होंने भारतीय रेलवे टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट वायुसेना के रघबीर सिंह भोला हॉकी स्टेडियम, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया था। उसमें बारह टीमों ने भाग लिया। उनमें दो अन्य देशों की वायुसेना हॉकी टीमें भी शामिल थीं। फाइनल मुकाबले में भारतीय रेलवे की टीम ने रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला को 2 गोल (टाई ब्रेकर में 3-1) से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस बड़ी जीत में अतुलदीप को 'मैन ऑफ द मैच' चुना जाना उनके साथी अमृतपाल सिंह को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित किया गया। विजेता टीम को 3 लाख और उपविजेता को 2 लाख की नकद राशि के साथ ट्रॉफी प्रदान की गई। वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल पी. के. घोष ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर पुरस्कार वितरित किए और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। गौरतलब है कि यह टूर्नामेंट

वायुसेना के महानायक मार्शल अर्जन सिंह, डीएफसी की स्मृति में आयोजित किया जाता है। उनका हॉकी के प्रति जुनून उल्लेखनीय था। भारतीय वायुसेना के इस पूर्व सैनिक ने हमेशा ही वायु योद्धाओं को एक ऐसे वीर के रूप में प्रेरित किया, जिन्होंने आगे रहकर नेतृत्व किया, चाहे वह युद्ध का मैदान हो या फिर खेल का मैदान हो। अतुलदीप बीते नौ वर्षों से भारतीय रेलवे एवं उत्तर प्रदेश की हॉकी टीम का अभिन्न हिस्सा हैं। वह पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल की ओर से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल का, बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश का भी गौरव बढ़ाया है।

श्रीमंत झा ने एशियन पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य, शहीदों को किया समर्पित

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी और एशिया के नंबर-1 पैरा-आर्म रेसलर श्रीमंत झा ने एक बार फिर देश का नाम रोशन कर दिया है। दिल्ली में आयोजित एशियन पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2025 में +85 किलोग्राम कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस खास मौके पर श्रीमंत ने अपनी जीत भारत के शहीद जवानों को समर्पित की, जिससे देशवासियों की भावनाओं को गहराई से छू लिया। श्रीमंत झा अब तक 55 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके हैं। पदक जीतने के बाद उन्होंने कहा, 'हर एक मैच शहीदों के सम्मान के लिए खेलता हूं। ये मेरे लिए सिर्फ खेल नहीं, एक मिशन है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी नज़र अब आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स पर है और वे भारत को और गौरवान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। श्रीमंत झा की कहानी सिर्फ खेल की नहीं, संघर्ष और संकल्प की मिसाल है। दोनों हाथों में केवल चार उंगलियां होने के बावजूद वे दुनिया के तीसरे नंबर के और एशिया के नंबर-1 पैरा-आर्म रेसलर हैं। उनका यह

जज़्बा लाखों युवाओं को प्रेरणा देता है। श्रीमंत की इस उपलब्धि पर पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष प्रीति झंझानी, छत्तीसगढ़ आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जी.सुरेश बाबे, चेयरमैन बृजमोहन सिंह, सचिव श्रीकांत और कृष्ण साहू ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं श्रीमंत झा का यह मेडल न सिर्फ उनकी मेहनत का नतीजा है, बल्कि हर उस भारतीय का गर्व है, जो सीमाओं पर तैनात सैनिकों का आदर करता है। उनका अगला लक्ष्य अब विश्व चैंपियनशिप में भारत का परचम लहराना है।

महिला वनडे त्रिकोणीय सीरीज फाइनल में श्रीलंका से हार का बदला लेने उतरेगी टीम इंडिया

जेंसी

नई दिल्ली। खेले जाने वाले महिला एकदिवसीय ट्राई सीरीज़ फाइनल में भारतीय टीम का लक्ष्य ट्रिकी श्रीलंका के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतना होगा। भारत की टूर्नामेंट में अब तक की एकमात्र हार श्रीलंका के खिलाफ ही आई थी, लेकिन हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम सबसे प्रभावशाली रही और चार में से तीन मुकाबले जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रही। श्रीलंका दो जीत और दो हार के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ एक जीत के साथ तीसरे पायदान पर रही। यह फाइनल मुकाबला दोनों टीमों के लिए एकदिनी वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से भी अहम होगा। भारत की सफलता में सबसे बड़ा योगदान शानदार बल्लेबाज़ी का

रहा है। जेमिमा रोड्रिग्स ने 201 रन बनाए हैं, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 123 रन की शतकीय पारी शामिल है। प्रतीका रावल (164 रन), स्मृति मंधाना (148 रन) और दीप्ति शर्मा (126 रन) ने भी अहम पारियां खेली हैं।

खासकर दीप्ति का निचले क्रम में 93 रन की पारी टीम को मजबूती देने वाली रही। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हालांकि अब तक कोई बड़ी पारी नहीं खेली, लेकिन पिछले तीन मुकाबलों में 41*, 30 और 28 रन की पारी ने संकेत दिए हैं कि वो फाइनल में धमाका कर सकती हैं। गेंदबाज़ी की बात करें तो स्नेह राणा 11 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज़ रही हैं, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट की शानदार पारी शामिल है। श्रीलंका की ओर से सबसे बड़ी उम्मीद हरशिथा समरविक्रमा होंगी, जिन्होंने भारत के खिलाफ लीग मैच में 61 गेंदों में 53 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पिछले साल अंडर20 एशिया कप फाइनल में भी भारत के खिलाफ मैच जिताऊ पारी खेली थी। इस सीरीज़ में समरविक्रमा ने अब तक चार मैचों में दो अर्धशतक समेत 177 रन बनाए हैं।

कप्तान चमारी अटापट्टू ने अब तक बल्ले और गेंद से औसत प्रदर्शन किया है - चार मैचों में 88 रन और 5 विकेट। गेंदबाज़ी में देउमी विहंगा 9 विकेट लेकर श्रीलंका के लिए प्रभावी रही हैं, लेकिन भारतीय बल्लेबाज़ों ने उन्हें पहले मैचों में अच्छी तरह संभाला है।

रोमानिया में प्रग्गनानंद ने अब्दुसत्तोरोव को हराया

एजेंसी

बुखारेस्ट। भारत के आर प्रग्गनानंद ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज करने के साथ ग्रैंड शतरंज टूर के सुपरबेट शतरंज क्लासिक 2025 में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन अब्दुसत्तोरोव के गलत निर्णय का फायदा उठाया, जिन्होंने अपना डार्क-स्क्वायर बिशप बहुत जल्दी छोड़ दिया था। अन्य मैच में, भारतीय प्रतिभा डी गुकेश को रोमानिया के बोगदान-डैनियल डेक ने ड्रॉ पर रोक दिया। दोनों खिलाड़ियों ने मामूली अवसरों को गंवा दिया और तनावपूर्ण संघर्ष के बाद साझा अंक पर समझौता किया। इस बीच अमेरिका के नंबर 1 फैबियानो कारुआना ने फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को हराकर प्रागनानंद के साथ बढ़त बना ली है। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने

अंतिम गेम में बाजी मारी, जिससे कारुआना को पूरा अंक मिल गया और वह स्टैंडिंग में 2/3 पर पहुंच गए। तीन राउंड पूरे होने के साथ, प्रागनानंद और कारुआना 2-2 अंक लेकर लीडरबोर्ड में शीर्ष पर हैं। उनके पीछे 1.5 अंक वाले छह खिलाड़ियों का समूह है, जिसमें मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन भी शामिल हैं।

कोलिन्स ने इतालवी ओपन में मौजूदा चैंपियन स्वियाटेक को हराया

एजेंसी

रोम। अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिन्स ने इतालवी ओपन के तीसरे दौर में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियाटेक के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की। कोलिन्स ने विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियाटेक की खराब सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में बढ़त हासिल की और फिर दूसरे सेट में ब्रेक डाउन से उबरते हुए 6-1, 7-5 से जीत दर्ज की।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन के खिलाफ नौ मैचों में यह उनकी दूसरी जीत थी और क्ले पर पहली जीत थी। 31 वर्षीय कोलिन्स का सामना चौथे दौर में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना या हमवतन हैली बैपटिस्ट से होगा, जबकि स्वियाटेक को अब 25 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन से पहले फिर से खेलना होगा। स्वियाटेक ने पिछले चार सत्रों

में से तीन में इतालवी ओपन जीता था, लेकिन रोम में इस साल के आयोजन से पहले उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म के लिए संघर्ष करना पड़ा। 12 महीने पहले रोलांड गैरोस में पांच वर्षों में अपना चौथा फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीतने के बाद से उन्होंने कोई डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट नहीं जीता है। स्वियाटेक की शुरुआत खराब रही, उन्होंने अपने पहले दो सर्विस गेम में ब्रेक पॉइंट का सामना करते हुए डबल फॉल्ट किया और अपना तीसरा सर्विस गेम लव से गंवा दिया, वहीं 29वीं वरीयता प्राप्त कोलिन्स ने 5-0 की बढ़त बना ली थी। स्वियाटेक ने आखिरकार छठे गेम में बढ़त हासिल की, लेकिन चौथी बार उनकी सर्विस टूट गई और वे मात्र 24 मिनट में पहला सेट हार गईं। उन्होंने दूसरे सेट के शुरुआती गेम में कोलिन्स की सर्विस तोड़ी, लेकिन फिर से ब्रेक हासिल नहीं कर पाईं। कोलिन्स ने दूसरे सेट के बाकी बचे गेम में बराबरी बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन 12वें गेम में उन्होंने वापसी की और मैच में छठी सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत सुनिश्चित की।

आपको 60 की औसत रखनी है- विराट कोहली से ब्रायन लारा की भावुक अपील

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कथित फैसले को वापस लेने की सार्वजनिक अपील की है। यह अपील ऐसे समय में आई है जब कोहली के टेस्ट क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। 35 वर्षीय कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि वह 20 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी हार नहीं मानी है। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि वे कोहली को टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर तब जब इंग्लैंड दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया चक्र शुरू हो रहा है।

यूएई ने कतर को 163 रन से रौंदा

एजेंसी

बैंकॉक। कतर के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप एशिया क्वालिफायर मुकाबले में यूएई ने पहले 16 ओवर में 192 रन बनाने के बाद समय बचाने के लिए बादलों से घिरे मौसम में अपनी पूरी बल्लेबाजी लाइन-अप को रिटायर करने का फैसला किया। यह कदम बाद में खेल में कारगर साबित हुआ, जब ईशा ओझा की टीम ने कतर को मात्र 29 रन पर आउट कर दिया, जिससे न उसे बड़ी जीत मिली बल्कि नेट रन रेट में भी बढ़त हासिल हुई।यूएई ने पहले बल्लेबाजी की और ओजा (113 रन 55 गेंद, 19 चौके) और तीर्था सतीश (74 रन,42 गेंदों 11 चौके) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत तेजी से रन बनाए। इस बीच बारिश की आशंका को देखते हुए कोच अहमद रजा के नेतृत्व में यूएई प्रबंधन ने 16 ओवर के बाद फैसला किया कि उनके पास खेलने के लिए पर्याप्त रन हैं। अगर यह प्रथम श्रेणी मैच होता, तो टीम शायद घोषणा कर सकती थी, लेकिन यह देखते हुए कि यह एक टी20 मैच

था, यूएई के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं था। इसके बाद एशियाई टीम ने एक अनोखा रणनीतिक फैसला लिया, जिसमें उन्होंने अपने सभी बल्लेबाजों को 'पैड अप' करने के लिए कहा और उन्हें रिटायर करने का फैसला किया। यूएई ने 12वें ओवर के भीतर ही कतर की टीम को आउट कर दिया और 163 रनों से शानदार जीत हासिल की।यह जीत यूएई की एशिया क्वालिफायर इवेंट में लगातार दूसरी जीत थी और इस जीत ने उन्हें इवेंट के सुपर थ्री चरण में आगे बढ़ने के लिए तैयार कर दिया। टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से तीन विजेता सुपर थ्री चरण में आगे बढ़ते हैं, और फिर शीर्ष दो टीमें अगले साल की शुरुआत में ग्लोबल क्वालिफायर में आगे बढ़ती हैं।

वह सफल रहे, शानदर नहीं : रोहित शर्मा के टेस्ट करियर पर बोले इंग्लैंड के दिग्गज

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने भारतीय बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट करियर का आकलन करते हुए कहा कि उनके आंकड़े उन्हें एक सफल, लेकिन पूरी तरह से शानदार नहीं खिलाड़ी बनाते हैं। यह बयान रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद आया। रोहित ने 7 मई को 11 साल और 67 टेस्ट के करियर के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। यह घोषणा इंग्लैंड दौरे से पहले हुई, जो 20 जून से भारत के आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत करेगा। एथरटन ने कहा कि रोहित का सर्वश्रेष्ठ प्रारूप वनडे क्रिकेट है, जहां वह सबसे महान सलामी बल्लेबाजों में शुमार हैं। उनका टेस्ट करियर दो हिस्सों में बंटा रहा। लंबे समय तक उन्हें मौका नहीं मिला और अंत में 40 से कुछ ऊपर की औसत और 12 शतकों के साथ यह एक सफल रिकॉर्ड है, लेकिन शानदार नहीं। रोहित ने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और 67 टेस्ट में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 था, जो 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आया। वह भारत के 16वें सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनका टेस्ट करियर 2013 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रनों की पारी के साथ शुरू हुआ। शुरुआती सालों में, खासकर विदेशी दौरों पर,

रोहित को लंबे प्रारूप में अपनी जगह पक्की करने में मुश्किल हुई। 2013-18 तक, उन्होंने 27 टेस्ट में 39.63 की औसत से 1,585 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक थे। दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (स्वदेश) जैसे देशों में उनकी बल्लेबाजी संघर्ष करती रही। डब्ल्यूटीसी के 40 टेस्ट में उन्होंने 41.15 की औसत से 2,716 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। एथरटन ने रोहित के संन्यास पर सवाल उठाया कि क्या यह उनका अपना फैसला था या खराब फॉर्म के कारण चयनकर्ताओं का दबाव था। रोहित ने अपने आखिरी आठ टेस्ट में केवल 164 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक शामिल था। एथरटन ने कहा कि रोहित की घोषणा से एक दिन पहले खबर थी कि चयनकर्ता आगे बढ़ने का फैसला कर चुके हैं। यह अटकलें हैं, लेकिन संन्यास का फैसला आश्चर्यजनक नहीं था। कप्तान के तौर पर हार और खराब फॉर्म का संयोजन घातक होता है। रोहित की कप्तानी में भारत ने हाल के 6 में से 5 टेस्ट हारे, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 2 हार शामिल हैं। एथरटन ने निष्कर्ष निकाला कि यह किसी भी कप्तान के लिए मुश्किल स्थिति है।

होंडा ने सीबी650आर और सीबीआर650आर को ई-क्लच तकनीक के साथ किया लॉन्च

नयी दिल्ली। प्रीमियम मोटरसाइक्लिंग के क्षेत्र को नए आयाम देते हुए होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने एडवांस्ड ई-क्लच टेक्नोलॉजी से लैस मिडल-वेट 650सीसी मोटरसाइकिल 2025 सीबी650 आर और सीबीआर650आर को लॉन्च किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि बिग विंग डीलरशिप पर बुकिंग शुरू हो चुकी है और मई 2025 के अंतिम सप्ताह से डिलीवरी की योजना है। सीबी650आर की दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 9.60 लाख रुपये और सीबीआर650 आर की कीमत 10.40 लाख रुपये है। कंपनी के विक्रय एवं विपणन निदेशक योगेश माथुर ने कहा हम इंडियन राइडर्स के लिए नई सीबी650आर और सीबीआई650 आर को लेकर बहुत उत्साहित हैं, अब ये क्रांतिकारी ई-क्लच टेक्नोलॉजी के साथ पेश की गई हैं। इनके स्टैंडर्ड संस्करणों को पहले ही शानदार रिस्पॉन्स मिला था, और ई-क्लच एडिशन से ये एक्सपीरियंस और भी एडवांस होगा। ये मोटरसाइकिल्स परफॉर्मेंस, ईज़ और इनोवेशन का परफेक्ट बैलेंस ऑफर करती हैं।

राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान तेल, गैस पर होगा सरकार का पहला अधिकार

नई दिल्ली। तेल क्षेत्र से जुड़े कानूनों में संशाधन के लिए तैयार किए गए मसौदा नियमों के अनुसार राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में सरकार के पास देश में उत्पादित सभी तेल और प्राकृतिक गैस पर पहला अधिकार होगा। कच्चे तेल को भूमिगत या समुद्र तल के नीचे से निकाला जाता है और इसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिष्कृत किया जाता है। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक उत्पादन, वाहनों के लिए सीएनजी और पाइप्ड रसोई गैस के लिए किया जाता है। नियमों में संशोधन से जुड़े मसौदे में ऐसे अधिकारों को शामिल करने का मकसद सरकार को राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने और आपात स्थितियों के दौरान सार्वजनिक कल्याण सुनिश्चित करने में मदद करना है। मसौदा नियमों के अनुसार तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादकों को 'पूर्व-अधिकरण के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य' का भुगतान किया जाएगा। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मसौदा नियमों पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। इस वर्ष की शुरुआत में संसद ने तेल क्षेत्र (विनियमन व विकास) संशोधन विधेयक पारित किया था। इस विधेयक में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और देश के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों को समर्थन देने के लिए 1948 के अधिनियम के पुराने प्रावधानों को बदलने का प्रस्ताव है।

दावा निपटारे के लिए डेढ़ अरब डॉलर का भुगतान करेगी गूगल

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी गूगल, अमेरिकी राज्य टेक्सास को 1.4 अरब डॉलर का भुगतान करेगी। यह भुगतान दावे के निपटारे के लिए किया जाएगा। दरअसल टेक्सास ने गूगल के खिलाफ यूजर्स की मंजूरी के बिना उनका डेटा इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। टेक्सास के स्टेट अटॉर्नी जनरल ने यह जानकारी दी। अटॉर्नी जरनल केन पैक्सटन ने बताया कि यह समझौता टेक कंपनियों के लिए एक संदेश है कि हम हमारे अधिकारों और आजादी को बेचकर उन्हें पैसे नहीं कमाने देंगे। पैक्सटन ने कहा कि टेक्सास में, बड़ी तकनीकी कंपनियां कानून से ऊपर नहीं हैं। वर्षों तक गूगल ने लोगों की गतिविधियों, निजी सर्च और यहां तक कि उनके वॉइस प्रिंट्स और फेसियल ज्योमेट्री को भी अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया। यह समझौता टेक्सास द्वारा गूगल के खिलाफ किए गए जियो-लोकेशन, गुप्त सर्च और बायोमीट्रिक डेटा से संबंधित कई दावों का निपटारा करता है। गूगल के प्रवक्ता जोस कास्टानेडा ने कहा कि यह समझौता पुराने दावों की एक श्रृंखला का निपटारा है, जिनमें से कुछ उत्पाद नीतियों से संबंधित हैं जिन्हें कंपनी पहले ही बदल चुकी है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि समझौते के लिए किसी भी नए उत्पाद परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। पैक्सटन ने कहा कि 1.4 अरब डॉलर इस प्रकार के डेटा-गोपनीयता उल्लंघनों पर गूगल के साथ समझौते में किसी भी राज्य द्वारा जीती गई सबसे बड़ी राशि है।

सैटेलाइट सेवाओं पर कंपनियों को देना पड़ सकता है राजस्व का चार फीसदी शुल्क

नई दिल्ल्सी। दूरसंचार नियामक ट्राई ने एलन मस्क की स्टारलिंक जैसी उपग्रह संचार सेवा प्रदाता कंपनियों पर सालाना राजस्व का चार फीसदी स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क लगाने की सिफारिश की। इसके साथ ही, प्रति शहरी ग्राहक 500 रुपये का वार्षिक शुल्क भी देना होगा। ये सिफारिशें एलन मस्क की स्टारलिंक के भारत में आने से पहले की गई हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा, सैटेलाइट नेटवर्क पर उपलब्ध कुल बैंडविड्थ बहुत कम है। स्पेक्ट्रम को सैटेलाइट प्रदाताओं के बीच साझा किया जा सकता है। ट्राई चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा, यह एक पूरक सेवा है। प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में इस मुद्दे की जांच करने का कोई ठोस आधार नहीं है। स्टारलिंक को अब ट्राई की सुझाई गई शर्तों के तहत स्पेक्ट्रम हासिल करना होगा।?इसके तहत उसे इस्तेमाल किए जाने वाले स्पेक्ट्रम के लिए न्यूनतम 3,500 प्रति मेगाहर्ट्ज का शुल्क देना होगा। ट्राई ने कहा, सैटेलाइट के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन सिर्फ पांच साल तक होगा, जिसे दो साल तक बढ़ाया जा सकता है। स्टारलिंक ने स्पेक्ट्रम की न्यूनतम 15 साल की वैधता मांगी थी। सिफारिश के मुताबिक, 8 फीसदी का प्राधिकरण शुल्क भी लागू होगा।

आरबीआई का एसबीआई पर एक्शन, 1.72 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) पर 1.72 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आरबीआई के कुछ निर्देशों का ठीक से पालन नहीं करने पर लगाया है। यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 के तहत लगाया है। आरबीआई के बयान के अनुसार एसबीआई से आरबीआई के ऋण और अग्रिम वैधानिक व अन्य प्रतिबंध ग्राहक संरक्षण अनधिकृत, इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन में ग्राहकों की देयता को सीमित करना और बैंकों की तरफ से चालू खाते खोलना अनुशासन की आवश्यकता पर जारी किए गए कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया है। दरअसल, आरबीआई ने 31 मार्च 2023 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के बारे में पर्यवेक्षी मूल्यांकन वैधानिक निरीक्षण

(आईएसई 2023) किया। इस दौरान पता चला कि एसबीआई आरबीआई के निर्देशों के पालन नहीं कर रही है। इसके बाद से एसबीआई को एक नोटिस जारी कर कारण बताने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर आरबीआई आप पर क्यों जुर्माना न लगाए। इसके बाद एसबीआई ने आरबीआई के नोटिस का जवाब दिया फिर व्यक्तिगत सुनवाई के बाद से आरबीआई ने एसबीआई पर जुर्माना लगाया है।

स्टेट बैंक पर यह आरोप था कि उसने एक संस्था (इकाई) को ब्रिज लोन यानी एक तरह का अस्थायी कर्ज दिया, जो केंद्र या राज्य सरकार से मिलने वाली सब्सिडी या भुगतान के बदले में दिया गया था। इसके साथ ही बैंक पर एक अन्य आरोप यह लगा था कि उसने विनियामक आवश्यकताओं के उल्लंघन करते हुए कुछ चालू खाते खोल रखे थे। आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका उद्देश्य बैंक की तरफ से अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। इसके अलावा, मौद्रिक जुर्माना आरबीआई की तरफ से एसबीआई के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना लगाया गया है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर

में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.92 प्रतिशत उबलकर 61.60 डॉलर प्रति बैरल पर रहा जबकि लंदन ब्रेंट क्रूड 0.05 प्रतिशत उतरकर 63.88 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

केनरा बैंक ने सभी अवधियों के लिए एमसीएलआर दर 0.10 फीसदी घटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने अधिकांश अवधियों के लिए सीमांत लागत आधारित उधार दर (एमसीएलआर) में 0.10 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के बाद कर्ज सस्ते हो जाएंगे। नई दरें 12 मई से प्रभावी होगी। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि एमसीएलआर में 0.10 फीसदी की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद एक साल की अवधि का एमसीएलआर का मौजूदा दर 9.10 फीसदी से घटकर अब 9 फीसदी रह जाएगा। बैंक ने कहा कि उसकी नई सीमांत एमसीएलआर 12 मई से लागू होगी।बैंक की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि एक महीने, तीन महीने और छह महीने की अवधि के लिए ब्याज दर 8.25-8.80 फीसदी के दायरे में होगी। इसके अलावा एक दिन की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.30 फीसदी

के मुकाबले 8.20 फीसदी होगी। बेंचमार्क एमसीएलआर का उपयोग वाहन और व्यक्तिगत ऋण जैसे अधिकांश उपभोक्ता ऋणों की दर तय करने के लिए किया जाता है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले महीने अपनी प्रमुख ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करके इसे छह फीसदी कर दिया था। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में इस साल लगातार दूसरी बार कटौती की है।

गेल कर्नाटक में एक गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करेगा, सरकार से समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस उपयोगिता कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने कर्नाटक सरकार के साथ राज्य में एक गीगा वाट (जीडब्ल्यू) तक की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की संभावना तलाशने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन पर कर्नाटक सरकार के बड़े और मध्यम उद्योग तथा अवसंरचना विकास मंत्री एमबी पाटिल और राज?य के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज की उपस्थिति में वाणिज्य और उद्योग विभाग के प्रधान सचिव डॉ. एस. सेल्वाकुमार और गेल के कार्यकारी निदेशक (एसडी और नवीकरणीय) ने हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा कि गेल 05 वर्ष की अवधि के भीतर एक गीगा वाट तक की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने का इरादा है। इस एमओयू के तहत कर्नाटक सरकार गेल को मौजूदा नीतियों के अनुसार संबंधित विभागों से आवश्यक मंजूरी देगी। इस अवसर पर मंत्री एमबी पाटिल ने कर्नाटक में गेल की रणनीतिक रुचि का स्वागत सुविधाजनक बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज ने कहा कि यह साझेदारी हमारे राज्य की हरित ऊर्जा केंद्र के रूप में स्थिति को मजबूत

करते हुए कहा कि यह समझौता औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छ ऊर्जा निवेश को करेगी और रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देगी।

एएआई ने उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र के 32 हवाई अड्डों पर नागरिक उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से निलंबित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के मद्देनजर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र के 32 हवाई अड्डों पर नागरिक उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इसके अलावा नई दिल्ली और मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्रों (एफआईआर) के भीतर हवाई यातायात सेवा (एटीएस) मार्गों के 25 खंडों के अस्थायी रूप से बंद रहने की अवधि को बढ़ा दिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि एएआई ने उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र के 32 हवाई अड्डों पर नागरिक उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से निलंबित किया है। परिचालन कारणों से इन हवाई अड्डों पर सभी नागरिक उड़ान संचालन 9 से 14 मई, 2025 तक निलंबित रहेंगे, जो (15 मई 2025 को 0529 आईएसटी के अनुरूप है)। इसके अलावा एएआई ने दिल्ली और मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्रों के भीतर एयर ट्रैफ़िक सेवा मार्गों के 25 खंड अस्थायी रूप से बंद किया है। ये 25 मार्ग खंड जमीनी स्तर से असीमित ऊंचाई तक सुलभ नहीं होंगे। देश के जिन 32 हवाई अड्डों को सभी तरह के नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद किया गया है, उनमें अधमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपुर, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जैसलमेर, जम्मू, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा, केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली, लेह, लुधियाना, मुंद्रा, नलिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट, सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलाई शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि इस अवधि के दौरान इन हवाई अड्डों पर सभी नागरिक उड़ान गतिविधियां बंद रहेंगी। वहीं, एयरलाइंस और फ्लाइट ऑपरेटरों को मौजूदा हवाई यातायात परामर्श के अनुसार वैकल्पिक रूटिंग की योजना बनाने की सलाह दी गई है। साथ ही सुरक्षा सुनिश्चित करने और व्यवधान को कम करने के लिए संबंधित एटीसी इकाइयों के समन्वय में अस्थायी बंद का प्रबंधन किया जा रहा है।

सोनीपत में हुई 4,18,648 टन गेहूं की खरीद

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा में सोनीपत की विभिन्न मंडियों में शाम तक 4,18,648 टन गेहूं की आवक दर्ज की गई।यह जानकारी शनिवार को उपायुक्त मनोज कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि कुल आवक में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 1,21,600 टन, हैफेड 1,73,603 टन, हरियाणा वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन ने 91,089 टन, तथा फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) ने 14,578 टन गेहूं की खरीद की है। इसके अतिरिक्त 17,778 टन गेहूं की खरीद आम उपभोक्ताओं द्वारा (कमर्शियल गेहूं) की गई है।

जिले की मंडियों में विभिन्न स्थानों पर हुई गेहूं की आवक इस प्रकार रही बरोदा 5050 टन, भैंसवाल 6286 टन, बिचपड़ी 1,275 टन, दातौली 5,384 टन, फरमाणा 15,124 टन, गन्नौर मण्डी 33,054 टन, गोहाना 1,39196 टन, हुल्लाहेड़ी 2,063, टन, कासंडी 11,184 टन, कथूरा 11,746 टन, खानपुर 9,412 टन, खरखौदा 58,507 टन, मोहाना 12,515, टन, मुण्डलाना 9,184 टन, मुरथल 10,462 टन, नाहरा 8,790 टन, पुगथला 15,448 टन,पुरखास 8,420 टन, रूखी 12,686 टन, सनपेड़ा 10,213 टन, सोनीपत मण्डी 32,649 टन की खरीद की उपायुक्त ने बताया कि अब तक जिले की मंडियों में 31,076 किसान अपनी फसल लेकर पहुंचे हैं, जिनसे 2,425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीद की गई है।

महंगाई आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

एजेंसी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान तनाव से सहमे निवेशकों की बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह अप्रैल के जारी होने वाली थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1047.52 अंक अर्थात 1.3 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर आठ कारोबारी सत्र के बाद 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 79454.47 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 338.7 अंक यानी 1.4 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24008.00 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की ही तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 596.37 अंक अर्थात 1.4 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 42111.50 अंक और स्मॉलकैप 623.59 अंक यानी 1.3 प्रतिशत कमजोर रहकर 46741.95 अंक रह गया।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों की धारणा पर इसका सीमित प्रभाव देखने को मिला है। इस वर्ष अप्रैल में निरंतर विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) और रिकॉर्ड वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दिया, जिससे बाजारों में स्थिरता बनी रही। कमजोर अमेरिकी डॉलर और स्थिर कच्चे तेल की कीमतों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। भारत-ब्रिटेन के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की सकारात्मक चर्चा ने विशेष रूप से कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी को समर्थन दिया। वैश्विक स्तर पर भी संकेत उत्साहवर्धक रहे हैं। अमेरिका की फेडरल रिजर्व ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की नीतिगत बैठक के सतर्क रुख के बावजूद अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता की संभावित बहाली तथा अमेरिका और ब्रिटैन व्यापार समझौते को लेकर आशावाद ने वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। इसके साथ ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा ब्याज दरों में कटौती के फैसले ने क्षेत्रीय बाजारों में सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया, जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत हुआ।

बाजार की अगले सप्ताह दिशा निर्धारित करने में घरेलू स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े अहम भूमिका निभाएंगे। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि मुद्रास्फीति के दबाव में कुछ नरमी देखने को मिल सकती है। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव एक महत्वपूर्ण जोखिम बना हुआ है। बावजूद इसके बाजार को उम्मीद है कि भारत की कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य शक्ति इस संकट को जल्द सुलझा लेगी।

चना गरम, अरहर दाल नरम

एजेंसी

नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में चना में तेजी रही जबकि अरहर दाल में नरमी को छोड़कर खाद्य तेल समेत शेष सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनीःमीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन :दाल-दलहन के बाजार में मिश्रित रूख देखा गया। इस दौरान चना और चना दाल 100-100 रुपये प्रति क्विंटल उबल गयी जबकि अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :-

दाल-दलहन : चना 5950-6050, दाल चना 6950-7050, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9650-9750, उड़द दाल 9150-9250, अरहर दाल 8300-8400 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज :(भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-

3050 रुपये और चावल 3550-3650 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4500-4600, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 15751 रुपये, मूंगफली तेल 18314 रुपये, सूरजमुखी तेल 16484 रुपये, सोया रिफाइंड 14725 रुपये, पाम ऑयल 13919 रुपये और वनस्पति तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

एक्मे सीकर सोलर पावर परियोजना में 52.5 मेगावाट का पहला चरण शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने राजस्थान के बीकानेर में एक्मे सीकर सोलर पावर परियोजना के 52.5 मेगावाट के पहले चरण को शुरू करने की घोषणा की है।कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि 52.5 मेगावाट की वर्तमान कमीशनिंग 300 मेगावाट की सौर परियोजना का हिस्सा है जिसे चरणों में पूरी तरह से चालू किया जाएगा। इस उपलब्धि के साथ कंपनी की कुल परिचालन क्षमता 2,540 मेगावाट से बढ़कर 2,592.5 मेगावाट हो गई है। भारत के सबसे ऊंचे सौर विकिरण क्षेत्रों में से एक में रणनीतिक रूप से स्थित, यह भारत के अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों में एक महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर में 1300 एकड़ में फैली हुई है। इस परियोजना के माध्यम से प्राप्त स्वच्छ ऊर्जा को इन्वर्टर स्टेशनों पर एकत्र किया जाता है और एक समर्पित सिंगल सर्किट 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन का उपयोग करके बीकानेर-दो ग्रिड को भेजा जाता है। पीएफसी लिमिटेड के माध्यम से वित्तपोषित, इस परियोजना से इसके पूर्ण कमीशन के बाद सालाना लगभग 780 मिलियन यूनिट स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न होने का अनुमान है। परियोजना से उत्पन्न बिजली को व्यापारिक आधार पर बिजली एक्सचेंजों पर बेचा जाएगा।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में चौथे माह भी गिरावट, एसआईपी में रिकॉर्ड 26632 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड (एमएफ) में निवेश अप्रैल, 2025 में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रह गया। यह लगातार चौथा महीना है, जब इक्विटी एमएफ में निवेश घटा है। हालांकि, म्यूचुअल फंड योजनाओं में शुद्ध निवेश लगातार 50वें महीने सकारात्मक बना रहा।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने आंकड़े जारी कर बताया, पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव से शेयर बाजार में जारी अस्थिरता के कारण यह गिरावट आई है। पिछले महीने इक्विटी एमएफ में निवेश मार्च के 25,082 करोड़, फरवरी के 29,303 करोड़, जनवरी के 39,688 करोड़ और दिसंबर, 2024 के 41,156 करोड़ रुपये से काफी कम है। आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी एमएफ में गिरावट के बावजूद सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेशकों का आकर्षण बना हुआ है। अप्रैल में एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश मार्च के चार महीने के निचले स्तर से उबरते हुए रिकॉर्ड 26,632 करोड़ रुपये पहुंच गया। मार्च में एसआईपी के जरिये

म्यूचुअल फंड में निवेश मामूली घटकर 25,926 करोड़ और फरवरी में 25,999 करोड़ रुपये रहा था।

46 लाख नए एसआईपी खाते पंजीकृत

आंकड़ों के मुताबिक, बीते महीने कुल 1.36 करोड़ निष्क्रिय एसआईपी खाते बंद हो गए। इसके बावजूद एसआईपी खातों की कुल संख्या मार्च के 8.11 करोड़ से बढ़कर अप्रैल में 8.38 करोड़ पहुंच गई। इस अवधि में 46 लाख नए एसआईपी खाते पंजीकृत हुए?हैं।

एयूएम 70 लाख करोड़ रुपये के नए शिखर पर

एम्फी के मुताबिक, म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम (प्रबंधन के अधीन संपत्तियां) अप्रैल में बढ़कर 70 लाख करोड़ रुपये के नए शिखर पर पहुंच गया। यह मार्च के 65.74 लाख करोड़ रुपये से करीब 6.50 फीसदी अधिक है। फरवरी में उद्योग का एयूएम 64.53 लाख करोड़ था। इक्विटी श्रेणियों में फ्लेक्सी कैप फंड में निवेशकों ने सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश किया। मिडकैप और स्मॉलकैप म्यूचुअल फंडों में क्रमशः 3,314 करोड़ व 4,000 करोड़ का निवेश हुआ। लार्जकैप फंड में 2,671 करोड़ रुपये का निवेश आया। मार्च में यह 2,479 करोड़ रुपये था। वेल्थ मैनेजर चिराग जैन कहते हैं, इस समय बाजार की गिरावट में निवेशकों को म्यूचुअल फंड के एसेट अलोकेशन फंड को चुनना चाहिए। यह फंड इक्विटी, डेट, कमोडिटीज, रियल एस्टेट जैसी संपत्तियों में निवेश करता है। इससे जोखिम कम होता है व उचित रिटर्न मिलता है, क्योंकि सभी संपत्ति वर्ग एक समय में एक जैसा प्रदर्शन नहीं करते।

फिल्म की तरह लग रहा है...भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच जान्हवी कपूर ने जताई चिंता, भारतीय सेना को भी किया सलाम

भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति दिन-बा-दिन खराब होती जा रही है. दोनों ही देशों से हमले किए जा रहे हैं. हालांकि, अगर ऐसा ही चलता रहा तो जल्द ही दोनों देशों में जंग छिड़ जाएगी. ये सब शुरू हुआ 22 अप्रैल को, जब आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में मासूमों पर हमला किया और उन्हें मौत के घाट उतार दिया. इस घटना के कुछ दिन बाद भारत ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया. जिसके बाद से पाकिस्तान भी भारत पर हमले की कोशिश में लगा हुआ है. हालांकि, इस स्थिति से लोगों में डर का माहौल भी बना हुआ है.बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने भी सोशल मीडिया के जरिए दोनों देशों में चल रहे तनाव के बीच अपने डर को जाहिर किया है. दरअसल, जब से भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर अटैक कर कई आतंकियों को मार गिराया. इसके बाद ही पाकिस्तान की तरफ से भारत के कई हिस्सों पर हमला किया था. इस पूरी घटना पर बात करते हुए जान्हवी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा कि न्यूज चैनल और सोशल मीडिया देखकर लग रहा है कि हम किसी फिल्म से निकले हैं.

घबराहट हुई महसूस

जान्हवी ने आगे कहा कि मैंने अभी तक की अपनी जिंदगी में भारत में ऐसा कुछ होते नहीं देखा है. एक्ट्रेस ने अपनी फीलिंग्स के बारे में बात करते हुए लिखा कि उन्होंने इस तरह की स्थिति देखकर ऐसी घबराहट महसूस की है, जैसा उन्होंने पहले कभी एक्सपीरियंस नहीं किया है.

13 साल छोटे अक्षय कुमार के प्यार में पागल थीं रेखा? इस मशहूर एक्ट्रेस ने बताया था दोनों के रिश्ते का सच

रेखा और अक्षय कुमार दोनों ही हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार हैं. रेखा ने 70 के दशक में अपनी शुरुआत की और 90 के दशक तक छाई रहीं. जबकि 90 के दशक में डेब्यू करने वाले अक्षय कुमार अब भी हिंदी सिनेमा में काम कर रहे हैं. अक्षय और रेखा को इस दौरान साथ काम करने का मौका भी मिला और तब दोनों के अफेयर की अफवाह भी उड़ी थी.

अक्षय कुमार और रेखा दो अलग-अलग दौर के कलाकार हैं. दोनों के बीच उम्र में 13 साल का फासला है. दिग्गज एक्ट्रेस रेखा 'खिलाड़ी कुमार' से 13 साल बड़ी हैं. हालांकि, फिर भी जब दोनों ने साथ में फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' में स्क्रीन शेयर की थी तो दोनों को लेकर कहा गया कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. हालांकि, बाद में मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन ने दोनों के रिश्ते की सच्चाई उजागर की थी.

शादी करने वाले थे अक्षय-रवीना

अक्षय कुमार का शिल्पा शेट्टी के साथ अफेयर काफी चर्चा में रहा. लेकिन, ब्रेकअप के बाद एक्टर की लाइफ में रवीना टंडन की एंट्री हुई. दोनों ने चोरी छिपे सगाई भी कर ली थी. लेकिन, ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल सका और साल 1998 में दोनों अलग हो गए थे. इसके बाद अक्षय ने ट्विंकल खन्ना को डेट करना शुरू किया था.

रवीना ने तोड़ी थी रेखा-अक्षय के रिश्ते पर चुप्पी

जब अक्षय और रवीना रिश्ते में थे तब ही दोनों को रेखा के साथ साल 1996 में आई फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' में काम करने का मौका मिला था. बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. इसमें अक्षय और रेखा के बीच इंटीमेट सीन भी देखने को मिले थे. इसके चलते अक्षय और रेखा के अफेयर की खबरों को और भी ज्यादा बल मिलने लगा था.

लेकिन रवीना ने एक इंटरव्यू में इन अफवाहों को खारिज कर दिया था.जब रेखा और अक्षय के कथित अफेयर की खबरें सुर्खियां बटोर रही थीं तब रवीना, अक्षय के साथ सीरियस रिलेशनशिप में थीं. उन्होंने बताया था कि इन अफवाहों का उनके रिश्ते पर गहरा असर पड़ा था. रवीना ने एक इंटरव्यू में कहा था, मुझे नहीं लगता कि अक्षय का कभी रेखा से कोई लेना-देना था. असल में वो उनसे दूर भागते थे.